सेंसेक्स	80,604.08
निफ्टी	24,585.05
सोना	1,02,280
चांदी	1,17,000
डॉलर	87.65

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
मंगलवार 12 अगस्त 2025
भाद्रपद कृष्ण 03 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 318
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

हिमाचल में 'स्क्रब टाइफस' का कहर, अब तक 3 की मौत, ग्रामीण इलाकों में बढ़ा खतरा

शिमला। हिमाचल प्रदेश में 'स्क्रब टाइफस' संक्रमण का खतरा बढ़ता जा रहा है। रविवार को शिमला स्थित इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) में एक और मरीज की मौत के बाद इस बीमारी से मरने वालों की संख्या तीन हो गई है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार 34 वर्षीय सरोज नामक मरीज को गंभीर सेप्सिस और सेप्टिक शॉक की हालत में सिविल अस्पताल रोहड़ू से 8 अगस्त को रेफर किया गया था। अगले दिन उसकी रिपोर्ट 'स्क्रब टाइफस' पॉजिटिव आई, लेकिन गहन उपचार के बावजूद 10 अगस्त को दोपहर करीब 3 बजे उसने दम तोड़ दिया। आईजीएमसी के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राहुल राव ने पुष्टि की कि मौत का तात्कालिक कारण 'स्क्रब टाइफस' जनित सेप्टिक शॉक और सेप्सिस था।

रेप के दोषी आसाराम को अंतरिम-जमानत मिली

जोधपुर। गुजरात और राजस्थान में आजीवन कारावास की सजा काट रहे रेप के दोषी 86 साल के आसाराम को एक बार फिर राहत मिली है। राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम की ओर से दायर अपील पर सोमवार को सुनवाई की। कोर्ट ने उसकी अंतरिम जमानत 29 अगस्त तक बढ़ा दी है। आसाराम की ओर से वकील निशांत बोड़ा ने हाल की मेडिकल रिपोर्ट्स कोर्ट में पेश की थी। इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट ने भी पिछले दिनों इसी ग्राउंड पर आसाराम की अंतरिम जमानत 29 अगस्त तक बढ़ाई थी। गुजरात हाईकोर्ट की ओर से जारी आदेश से सामने आया था कि आसाराम की ट्रोपोनिन लेवल बहुत ज्यादा है। यह चिंताजनक है। उसका इलाज कर रहे डॉक्टर के अनुसार, आसाराम की स्थिति क्रिटिकल है। वर्तमान में इंदौर के जूपिटर हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती है।

एअर इंडिया फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

चेन्नई। तिरुवनंतपुरम से दिल्ली आ रही एअर इंडिया फ्लाइट एआई2455 की रविवार रात चेन्नई में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। एयरलाइंस ने तकनीकी गड़बड़ी और खराब मौसम को इसकी वजह बताया। एयर ट्रैफिक ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइट रडार 24 के अनुसार फ्लाइट ने 8:17 उड़ान भरी। इसे 10:45 बजे दिल्ली पहुंचना था। फ्लाइट में मौजूद कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने एक्स पर लिखा- चेन्नई में जब इमरजेंसी लैंडिंग की पहली कोशिश हुई तो सामने (रनवे) दूसरा प्लेन खड़ा था। पायलट प्लेन को दोबारा हवा में ले गया और दूसरी कोशिश में सुरक्षित लैंडिंग हो सकी। उन्होंने लिखा कि फ्लाइट में कई सांसद और कई अन्य यात्री सवार थे।

वोटर वेरिफिकेशन के खिलाफ विपक्ष का मार्च

बैरिकेड कूदकर अखिलेश का धरना... हिरासत में लिए गए राहुल-प्रियंका समेत कई सांसद; बाद में छोड़े गए, राहुल ने कहा -सरकार डरी हुई है, सच्चाई देश के सामने

-लोकसभा से 4, राज्यसभा से पारित हुए 5 बिल... दोनों सदनों की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची संशोधन के विरोध में विपक्षी सांसदों ने संसद भवन से चुनाव आयोग कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला। इस दौरान प्रदर्शनकारी विपक्षी सांसदों को रोकने के लिए परिवहन भवन में पुलिस बैरिकेड्स लगा दिए। यहां उन्हें चुनाव आयोग मुख्यालय की ओर आगे बढ़ने से रोक दिया गया। पुलिस का कहना था कि विपक्षी सांसदों की ओर से इस मार्च के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी। पुलिस की ओर से रोके जाने के बाद अखिलेश यादव, महुआ मोइत्रा समेत कई सांसदों ने बैरिकेड्स पर चढ़ने की कोशिश की। कुछ सांसद बैरिकेड्स कूदकर बीच सडक़ पर धरने पर बैठ गए। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे सांसदों को समझाने की कोशिश की, लेकिन जब सांसदों ने सडक़ से हटने से इनकार किया तो राहुल-प्रियंका गांधी समेत तमाम नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। हालांकि, बाद में उन्हें छोड़ दिया गया।

इस अवसर पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि हमने हिम्मत की है। सरकार डरी हुई है। सरकार कायर है। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हकीकत ये है कि वो बात नहीं कर सकते। सच्चाई देश के सामने है। ये लड़ाई राजनीतिक नहीं है। ये लड़ाई संविधान बचाने की है। ये लड़ाई एक व्यक्ति, एक वोट की है। हम एक साफ-सुथरी मतदाता सूची चाहते हैं। वहीं राहुल ने कहा कि भारत के लोकतंत्र की हालत देखिए। 300 सांसद चुनाव आयोग से मिलकर एक दस्तावेज पेश करना चाहते थे, लेकिन उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी गई। वे डरे हुए हैं। अगर 300 सांसद आ गए और उनकी सच्चाई सामने आ गई तो क्या होगा? यह लड़ाई अब राजनीतिक नहीं रही। यह लड़ाई संविधान और एक व्यक्ति एक वोट के लिए है। हमने कर्नाटक में साफ तौर पर दिखा दिया है, यह मल्टीपल मैन, मल्टीपल वोट था। पूरा विपक्ष इसके खिलाफ लड़ रहा है। चुनाव आयोग के लिए अब छिपना बहुत मुश्किल होगा। वहीं हंगामें की बीच लोकसभा में 4 और राज्यसभा में 5 बिल पारित हुए।

बीच रास्ते में ही रोक दिया

मल्लिकार्जुन खरगे और शरद पवार समेत विपक्षी सांसदों ने सोमवार को बिहार में मतदाता सूची संशोधन के विरोध में संसद भवन से चुनाव आयोग मुख्यालय तक मार्च निकाला। हालांकि, पुलिस ने उन्हें परिवहन भवन के पास बीच रास्ते में ही रोक दिया। पुलिस की ओर से सांसदों को आगे बढ़ने से रोके जाने पर कई नेता सडक़ पर ही बैठ गए और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और वोट चोरी के आरोपों के विरोध में नारे लगाने लगे। उन्होंने पोस्टर लिए और एसआईआर को वापस लेने की मांग करते हुए नारे लगाए। एसआईआर और वोट चोरी लिखी हुई लाल क्रॉस वाली सफेद टोपी पहने प्रदर्शनकारी सांसदों ने तख्तियां और बैनर लहराकर एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ नारे लगाए। इससे पहले संसद के मकर द्वार पर विरोध मार्च शुरू करने से पहले उन्होंने राष्ट्रगान गाया। मार्च में शामिल होने वालों में प्रमुख रूप से टीआर बालू (द्रमुक), संजय राउत (शिवसेना-यूबीटी), डेरेक ओब्रायन (टीएमसी), कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव समेत द्रमुक, राजद और वामपंथी दलों जैसे विपक्षी दलों के अन्य सांसद शामिल थे।

महिला सांसद भी बैरिकेड्स पर चढ़ गईं

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा, सुष्मिता देव और कांग्रेस की संजना जाटव, ज्योतिमणि परिवहन भवन में बैरिकेड्स पर चढ़ गईं और पुलिस की ओर से आगे बढ़ने से रोके जाने पर चुनाव आयोग के खिलाफ नारे लगाने लगीं। प्रदर्शनकारी सांसदों के सामने एक बैनर पर लिखा था, श्रीमान+वोट चोरी=लोकतंत्र की हत्या।

बोल रहा है पूरा देश, वोट हमारा छू के देख

हिरासत में लिए जाने के बाद कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि क्या जेल की सलाखें राहुल गांधी और

विपक्ष को रोक पाएंगी? अब एक ही नारा है- बोल रहा है पूरा देश, वोट हमारा छू के देख... इस देश की जनता ने मोदी सरकार और चुनाव आयोग की साझेदारी को नकार दिया है।

टीएमसी सांसद मिताली बाग की तबीयत बिगड़ी

प्रदर्शन के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य लोग टीएमसी सांसद मिताली बाग की मदद करते देखे गए। वो विपक्ष के विरोध

प्रदर्शन के दौरान बेहोश हो गईं। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस सांसद संजना जाटव की हालत खराब हो गई। उन्हें तुरंत आरएमएल अस्पताल लाया गया।

पुलिस बैरिकेड के ऊपर से कूद गए अखिलेश

इस दौरान समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पुलिस बैरिकेड के ऊपर से कूद गए। वे बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान मतदाता धोखाधड़ी के आरोपों में विपक्षी गठबंधन के विरोध मार्च के तहत संसद से भारत के चुनाव आयोग तक मार्च कर रहे थे। उन्हें बीच में ही दिल्ली पुलिस ने रोक दिया। इसके बाद अखिलेश बैरिकेड के ऊपर से कूद गए और अन्य साथियों के साथ बीच सडक़ पर धरने पर बैठ गए।

रिजिजू बोले- कांग्रेस-विपक्ष ने संसद का बहुत समय बर्बाद किया

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- कांग्रेस पार्टी और विपक्ष ने बहुत समय बर्बाद किया है। अब हम देश और संसद का समय और बर्बाद नहीं होने देंगे।

सरकार महत्वपूर्ण विधेयक पारित करना चाहती है। आज हम लोकसभा और राज्यसभा दोनों में महत्वपूर्ण विधेयक पारित करेंगे। एक व्यक्ति की मूर्खता और एक परिवार की वजह से देश इतना नुकसान नहीं झेल सकता। कई विपक्षी सांसदों ने भी आकर कहा कि वे असहाय हैं। उनके नेताओं ने उन्हें जबरदस्ती हंगामा करने के लिए कहा- हम हर दिन एक मुद्दे पर देश और संसद का समय बर्बाद नहीं होने देंगे। इसलिए हम महत्वपूर्ण विधेयक पारित करेंगे।

केंद्रीय मंत्री प्रधान बोले- राहुल संविधान के खिलाफ काम कर रहे

भाजपा के केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, देश देख सकता है कि अगर कोई संविधान के खिलाफ काम कर रहा है, तो उसकी अगुआई राहुल गांधी कर रहे हैं। साहब, यह देश में पहली बार नहीं हो रहा है। कांग्रेस ईवीएम के बारे में झूठ बोलती है, महाराष्ट्र चुनाव, हरियाणा चुनाव का मुद्दा उठाती है और झूठ का पहाड़ खड़ा कर देती है। यह उनकी सोची-समझी रणनीति है ताकि अराजकता की स्थिति पैदा हो। मैं विपक्ष और कांग्रेस पार्टी से अपील करता हूं कि सभी मुद्दे संसद में उठाएं। संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान विपक्ष और कांग्रेस के पास कोई एजेंडा नहीं था।

सुप्रीम कोर्ट ने सेना की कानूनी विंग में आरक्षण नीति रद्द कर बोला

सरकार पुरुषों के लिए सीटें आरक्षित नहीं कर सकती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भारतीय सेना की जज एडवोकेट जनरल शाखा में पुरुष और महिला अधिकारियों के लिए 2:1 अनुपात में आरक्षण देने की नीति को रद्द कर दिया। जज एडवोकेट जनरल सेना की कानूनी विंग है, जहां अधिकारी कानूनी सलाह, कोर्ट-मार्शल मामलों और सैनिकों और उनके परिवारों की कानूनी जरूरतों को देखते हैं। दो महिला उम्मीदवारों की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि यह नीति मनमानी है और संविधान के तहत सभी को मिले समानता के अधिकार का उल्लंघन करती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकार केवल पुरुषों के लिए सीटें आरक्षित नहीं कर सकती। महिलाओं की सीटें सीमित करना गलत है। असली जेंडर न्यूट्रैलिटी का मतलब है कि सबसे योग्य उम्मीदवार चुने जाएं। दरअसल, दो महिला उम्मीदवार मेरिट लिस्ट में 4वें और 5वें नंबर पर थीं, लेकिन महिलाओं के लिए केवल 3 सीटें होने के कारण उन्हें मौका नहीं मिला। जबकि उनसे कम अंक वाले पुरुष उम्मीदवार चुने गए। वहीं, कोर्ट ने एक याचिकाकर्ता को तुरंत सेवा में शामिल करने का आदेश दिया गया, जबकि दूसरी को राहत नहीं मिली क्योंकि उसने याचिका के दौरान ही नौसेना जॉइन कर ली थी।

कम से कम 50 प्रतिशत सीटें रिजर्व करें

जज एडवोकेट जनरल में कुल 9 पदों में भर्ती होनी थी, इसमें 2:1 अनुपात में आरक्षण के आधार पर 6 पुरुषों और 3 महिलाओं का चयन किया गया। इस पर जस्टिस मनमोहन और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा कि पिछले सालों में महिलाओं को कम मौके मिलने की भरपाई के लिए कम से कम 50 प्रतिशत सीटें महिलाओं को दी जाएं, लेकिन अगर महिलाएं पुरुषों से ज्यादा मेरिट में हैं तो उन्हें 50 प्रतिशत तक ही सीमित करना भी गलत होगा।

पीएम मोदी के विपक्ष पर कसा तंज, कहा-

कुछ लोग कोसी टावर को बिहार चुनाव के चश्मे से देखेंगे

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सांसदों के लिए नए फ्लैट्स के उद्घाटन के दौरान विपक्ष पर तंज कसा। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ लोग सांसदों के लिए बने बहुमंजिला फ्लैटों के कोसी टावर को बिहार विधानसभा चुनावों के चश्मे से देखेंगे। बाबा खडक़ सिंह मार्ग पर बने 184 नए टाइप-7 बहुमंजिला फ्लैट्स के एक टावर का नाम बिहार की कोसी नदी के नाम पर है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि परिसर के चार टावरों के नाम कृष्णा, गोदावरी, कोसी और हुगली नदियों के नाम पर रखे गए हैं। मुझे संसद में अपने सहयोगियों के लिए आवासीय परिसर का उद्घाटन करने का सौभाग्य मिला। चार टावरों के नाम कृष्णा, गोदावरी, कोसी और हुगली हैं, जो भारत की चार महान नदियां हैं। कुछ लोगों को कोसी नाम के टावर से असहजता महसूस होगी। वे इसे नदी के रूप में नहीं, बल्कि बिहार चुनावों के चश्मे से देखेंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि अब दिल्ली में सांसदों को रहने में आसानी होगी। सांसदों के लिए घरों की उपलब्धता बढ़ेगी। मैं इन फ्लैटों के निर्माण में लगे इंजीनियरों और कर्मचारियों को बधाई देता हूं। हमारे सांसदों को नए आवासों में कोई परेशानी नहीं होगी। वे अपने काम पर ज्यादा ध्यान दे पाएंगे। इन बहुमंजिला इमारतों में 180 से अधिक सांसद एक साथ रह सकेंगे। 2014 से अब तक 350 सांसद आवास बनाए जा चुके हैं।

पीएम ने कहा कि जैसा कि मैंने पहले कहा था कि किराये के भवनों में चलने वाले मंत्रालयों के किराये पर सरकार को सालाना लगभग 1500 करोड़ रुपये का खर्च आता था। इसी तरह पर्याप्त संख्या में सांसद आवासों के अभाव में सरकारी खर्च बहुत ज्यादा था। सांसद आवासों की कमी के बावजूद 2014 से 2024 तक कोई नया आवास नहीं बनाया गया। हमने इस काम को एक अभियान की तरह

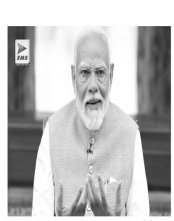

लिया। 2014 से अब तक लगभग 350 सांसद आवास बनाए जा चुके हैं।

पीएम मोदी ने सिंदूर का पौधा लगाया

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में बाबा खडक़ सिंह मार्ग पर बने 184 नए टाइप-7 बहुमंजिला फ्लैट्स का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने सिंदूर का पौधा भी लगाया। साथ ही फ्लैटों के पीछे काम करने वाले श्रमजीवियों से भी बातचीत की। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य और ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, और केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू भी उपस्थित थे।

हर फ्लैट का क्षेत्रफल 5000 वर्ग फुट

यह परिसर सांसदों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। प्रत्येक फ्लैट में 5,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल है, जिसमें कार्यालय और स्टाफ के लिए जगह भी है। यह परियोजना गृह 3-स्टार रेटिंग और राष्ट्रीय भवन संहिता के अनुरूप है। इमारतें भूकंपरोधी हैं और दिव्यांगों के लिए अनुकूलित हैं। जानकारी के अनुसार इस परिसर को आत्मनिर्भर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है और यह संसद सदस्यों की कार्यात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए आधुनिक सुविधाओं की पूरी श्रृंखला से सुसज्जित है। हरित प्रौद्योगिकी को सम्मिलित करते हुए, यह परियोजना जीआरआईएचए 3-स्टार रेटिंग के मानकों का पालन करती है और राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी) 2016 का अनुपालन करती है। कार्यालयों, कर्मचारियों के आवास और एक सामुदायिक केंद्र के लिए समर्पित क्षेत्रों को शामिल करने से संसद सदस्यों को जन प्रतिनिधि के रूप में अपनी उत्तरदायित्वों को पूरा करने में मदद मिलेगी। परिसर के सभी भवनों का निर्माण आधुनिक संरचनात्मक डिज़ाइन मानदंडों के अनुरूप भूकंपरोधी बनाया गया है। सभी निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक और सुदृढ़ सुरक्षा तंत्र कार्यान्वित किया गया है।

जनहित से ज्यादा प्रचारहित वाली लगती है याचिका...

-सीजेआई ने याचिकाकर्ता के वकील से सख्त लहजे में कहा- मुझे तेवर न दिखाएं

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें राज्य निर्वाचन आयोगों को राजनीतिक दलों की कथित अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के निर्देश देने की मांग की गई थी। चीफ जस्टिस बीआर गवई की अगुवाई वाली पीठ ने स्पष्ट कहा कि यह याचिका जनहित से ज्यादा प्रचार हित वाली लगती है, और इस पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई का कोई औचित्य नहीं है।

उक्त जनहित याचिका घनश्याम दयालु उपाध्याय नामक व्यक्ति ने केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग के खिलाफ दायर की थी। बेंच ने याचिकाकर्ता से पूछा कि यह मामला सीधे उच्चतम न्यायालय में लाने के बजाय संबंधित उच्च न्यायालय में क्यों नहीं उठाया गया। चीफ जस्टिस बीआर गवई ने सख्त लहजे में कहा, कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए जनहित याचिकाएं जरूरी हैं, लेकिन नीतिगत मामलों पर प्रचार के लिए दायर याचिकाएं हम स्वीकार नहीं कर सकते।

इसी बीच सुनवाई के दौरान कुछ ऐसा हुआ कि चीफ जस्टिस बीआर गवई नाराज हो गए और उन्होंने याचिकाकर्ता के वकील को चेतावनीभरे लहजे में कहा, कि मुझे तेवर मत दिखाइए, आपको याद दिलाने की जरूरत नहीं कि मुंबई हाईकोर्ट में क्या हुआ था। मैंने पहले भी आपको अवमानना से बचाया है। सुनवाई और बहस के उपरांत ही पीठ ने याचिकाकर्ता को याचिका वापस लेने और वैकल्पिक कानूनी उपाय अपनाने की अनुमति दे दी। जानकारी अनुसार उक्त जनहित याचिका में सभी राज्य निर्वाचन आयोगों को राजनीतिक दलों की गैरकानूनी गतिविधियों पर नजर रखने और उन्हें रोकने के लिए संयुक्त योजना बनाने के निर्देश देने की मांग की गई थी।

कुछ ना कहना

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया, 65 लाख नामों की अलग सूची पब्लिश करने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। भारतीय निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर स्पष्ट किया है कि कानून के तहत उसे मसौदा मतदाता सूची से बाहर किए गए नामों की अलग सूची बनाने या प्रकाशित करने की कोई बाध्यता नहीं है। आयोग ने यह भी कहा कि मसौदा सूची में शामिल न किए जाने के कारणों को सार्वजनिक करने की भी कानूनी आवश्यकता नहीं है।

दरअसल, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने बिहार की मसौदा मतदाता सूची से हटाए गए करीब 65 लाख नामों की जानकारी मांगी थी। इसके जवाब में चुनाव आयोग ने कहा कि जिन मतदाताओं के नाम मसौदा सूची में नहीं हैं, उनकी जानकारी पहले ही राजनीतिक दलों के साथ साझा की गई है। यदि एडीआर चाहे तो वह राजनीतिक दलों से संपर्क कर यह जानकारी प्राप्त कर सकता है। चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि मसौदा सूची से नाम गायब होने का अर्थ यह नहीं है कि किसी को स्थायी रूप से मतदाता सूची से हटा दिया गया है। मसौदा सूची केवल उस स्थिति को दर्शाती है कि गणना चरण के दौरान संबंधित व्यक्ति का विधिवत भरा हुआ गणना फॉर्म आयोग को प्राप्त हुआ है या नहीं।

आयोग ने बताया कि मसौदा सूची में नाम जोड़ने के लिए कोई जांच प्रक्रिया नहीं होती, और जिनका गणना फॉर्म मिला है, उन्हें बिना किसी अपवाद के सूची में शामिल किया जाता है। इसलिए मसौदा सूची से बाहर करने के कारणों का अलग से रिकॉर्ड तैयार या साझा करना आवश्यक नहीं है।

कर्नाटक में मंत्री राजन्ना का इस्तीफा

बेंगलुरु। राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग ने 2024 के लोकसभा चुनावों में कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र (बेंगलुरु सेंट्रल संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आता है) में भाजपा के लिए 'वोट चुराए' थे। वहीं इसको लेकर चुनाव आयोग ने राहुल को नोटिस भेजा था। हालांकि राहुल को कर्नाटक सरकार में मंत्री एन राजन्ना ने आईना दिखाया और कहा कि वोटर लिस्ट कांग्रेस के समय में बनी थी। हालांकि अब सीएम सिद्धारमैया ने राजन्ना से इस्तीफा ले लिया है। राजन्ना का इस्तीफा मंजूर भी हो गया है। राहुल गांधी के आरोपों पर अपने बयान पर कर्नाटक के मंत्री के एन राजन्ना ने कहा था कि अगर हम ऐसी बातों पर यूं ही बात करने लगेंगे, तो अलग-अलग राय सामने आएंगी। मतदाता सूची कब तैयार हुई थी? यह तब तैयार हुई थी जब हमारी अपनी सरकार सत्ता में थी। उस समय क्या सब लोग आंखें बंद करके चुपचाप बैठे थे? ये अनियमितताएं हुई थीं। यह सच है। इसमें कुछ भी झूठ नहीं है। ये अनियमितताएं हमारी आंखों के सामने हुईं, हमें शर्म आनी चाहिए।

आवारा कुत्तों के मामले में सुनवाई... सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा-

कुत्तों को पकडक़र शेल्टर होमे भेजें

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों के बढ़ते खतरे पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर के नागरिक प्रशासन को सख्त निर्देश जारी किए हैं, जिनमें आवारा कुत्तों को पकडऩे, उनकी नसबंदी करने और उन्हें आश्रय गृह में रखने के निर्देश शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन आवारा कुत्तों के खिलाफ कार्रवाई में अड़ंगा डालता है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई करें।

लोगों पर आवारा कुत्तों के हमलों और रेबीज संक्रमण के कई मामले सामने आने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेकर इस मामले पर सुनवाई शुरू की थी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने

सोमवार को सुनवाई के दौरान कहा कि एनसीटी-दिल्ली, एमसीडी, एनएमडीसी तुरंत आवारा कुत्तों को पकडऩे के लिए अभियान शुरू करें और खासकर उन इलाकों में जहां आवारा कुत्तों का खतरा ज्यादा है। पीठ ने स्थानीय निकायों को निर्देश दिया कि 8 हफ्तों में वे आवारा कुत्तों को रखने के लिए आश्रय स्थल बनाने की जानकारी दें।

मध्यप्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ ने रैली निकालकर अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

कलेक्टर कार्यालय का किया घेराव, मांगें पूरी नही होने पर उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मोर्चा खोलते हुए एक दिवसीय प्रदर्शन किया । यहां उन्होंने जिला मुख्यालय में पहुंचकर एक रैली निकाली, रैली प्रमुख चौक चौराहों का भ्रमन करते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय के गेट पर पहुंची । यहां उन्होंने कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा । इसके बाद उन्होंने स्थानीय काली पुतली चौक स्थित सहकारी संस्थान के परिसर में धरना देते हुए अपनी बात अधिकारियों के सामने रखी और मांगे जल्द से जल्द पूरी होने को लेकर प्रशासन से गुहार लगाई है ।

आपको बता दे की 11 अगस्त को मध्य प्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारी द्वारा जिला मुख्यालय में पहुंचकर अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया । यहां उन्होंने एक रैली निकालकर वह प्रमुख चौक ,चौराहों से कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे और कलेक्टर कार्यालय का घिराव किया । उसके बाद उन्होंने अपनी मांगों का ज्ञापन कलेक्टर को दिया जिसमें जिलाध्यक्ष पीसी चौहान ने बताया कि पैक्स समितियों के कर्मचारियों की लंबित समस्याओं का निराकरण मप्र शासन के आदेश के बाद भी नहीं किया जा रहा है। इससे कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है। संघ के माध्यम से अब 22 अगस्त को मुख्यमंत्री निवास विंध्याचल भवन का घेराव किया जाएगा। इसमें बालाघाट के साथ प्रदेशभर के 55 हजार कर्मचारी भोपाल में एकत्र होंगे। बता दें कि छह अगस्त से समिति कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे थे। इसके कारण प्रदेश के किसानों को खाद की आमूर्ति समय पर न होने से किसानों को अत्यधिक हानी उठानी पड़ रही थी। अब कलमबंद आंदोलन को स्थगित करते हुए प्रदेश के समस्त पैक्स कर्मचारी काली पट्टी बांध कर किसानों और उपगोक्ताओं का कार्य करते हुए शासन और प्रशासन के खिलाफ अपना विरोध प्रकट करते रहेंगे। संघ की प्रमुख मांगों में 60 प्रतिशत कर्मचारियों का जिला बैंकों में चयन आज तक नहीं हुआ, जिसका तत्काल चयन कराया जाए, अक्टूबर 2023 से प्रति विक्रेता 18 माह का 54000 जो मात्र 18 जिलों को मिला है, 34 जिलों में अभी तक भुगतान नहीं किया गया है, उक्त 34 जिलों के कर्मचारियों तत्काल प्रदान किया जाए। बढ़ा हुआ वेतन जिन जिलों के कर्मचारियों को नहीं मिल रहा हैं, उन्हें तत्काल प्रतिमाह शासन के आदेशानुसार भुगतान कराया जाए।

समितियों की स्थिति हो रही खराब

जिला अध्यक्ष पी.सी चौहान ने यह भी बताया कि आज उनकी समस्याएं जिला ही नहीं बल्कि प्रदेश स्तर की समस्याएं लंबित है । आज जिला मुख्यालय में भी कई समितियों में स्थानीय मांग जैसी की वैसी बनी हुई है ।और उनकी मांगों पर सुनवाई नहीं हो रही है बीते दिनों किसानों का भुगतान नहीं होने पर उन्होंने ऑनलाइन भुगतान से हटकर ऑफलाइन भुगतान किया है। जिसमें कई समितियों का यदि अनुमान लगाया जाए तो 6 करोड रुपए का ऑफलाइन समितियों ने पेमेंट किया है । जिसके कारण आज समितियों पूरी तरह से नुकसान में जा रही है जबकि उन्होंने इसकी शिकायत कलेक्टर से भी की है लेकिन समितियों कि कहीं भी सुनवाई नहीं हो रही है इसलिए वह चाहते हैं कि प्रशासन पहले नुकसान में जा रही समितियों पर संज्ञान लेवे और बोनस आदि जो समितियों के कर्मचारियों का लंबित है उसे भी क्लियर करवायें ।

एक व्यक्ति ने बेटे के साथ अपने भतीजे को लाठी से मारकर किये घायल

खैरलांजी थाने के ग्राम सालेटेका की घटना

मारपीट में घायल सुनील जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सालेटेका में एक व्यक्ति ने बेटे के साथ अपने भतीजे को लाठी से मारपीट कर घायल कर दिए 10 अगस्त की शाम 7:00 बजे करीब यह घटना भैंस के द्वारा पैरे के ढेर को खाने के विवाद को लेकर हुई मारपीट में घायल व्यक्ति सुनील पिता युवराज पटले 40 वर्ष ग्राम सालेटेका निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुनील पतले अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते है। जिसके परिवार में माँ,पत्नीऔर दो बच्चे है। सुनील पटले के घर के पास ही उसका चाचा हसनलाल पटले अपने परिवार के साथ रहता है और वह भी खेती किसानी करता है। बताया गया है कि दोनों परिवार के बीच घरेलू विवाद के चलते बोलचाल बंद है। सुनील पटले के घर के पास ही पैरे का ढ़ेर है। किंतु सुनील पटले के चाचा हसनलाल पटेल की 10 भैंस सुनील पटले के पैरे के ढेर को खाने से विवाद होते रहता था। रक्षाबंधन त्यौहार पर सुनील पटले की पत्नी दो बच्चों के साथ अपने मायके जाम कटंगी गई हुई थी। घर में सुनील पटले अपनी मां सायत्रा पटले के साथ घर में था। 10 अगस्त की शाम को हसन लाल पतले की भैंस सुनील पटले के पैरे ढेर को खा रही थी। इसी को लेकर के सुनील पटले अपने चाचा हसन लाल पटले को समझाने के लिए गया था। तभी हसन लाल पटले आवेश में आ गया और उसने अपने बेटे राजेश पटले के साथ सुनील पटले को अश्लील गालियां देते हुए लाठी से मारपीट करने लगा। बीच बचाव करने के लिए सुनील पटले की मां सायत्रा पटले आई तो उसे भी हाथ बुक्के से मारपीट कर दिए। लाठी से की गई मारपीट में घायल सुनील पटले सिर में चोट लगने से घायल हो गया था ।जिसे खैरलांजी के अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है बताया गया है।

मधुमक्खियों के हमले में घायल महिला की उपचार के दौरान मौत

घायल दूसरी महिला का चल रहा उपचार, बकरियां चराने जंगल में गई नंद भावज पर मधुमक्खियों ने किया था हमला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । रामपायली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम चिखलागांव में खेत से लगे जंगल में बकरियां चराने गई नंद भावज पर मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर उन्हें घायल कर दिया ।जिसमें से एक महिला की सोमवार कि अल सुबह उपचार के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई। तो वही मधुमक्खियों के हमले में घायल दूसरी महिला का वारासिवनी के सिविल अस्पताल में उपचार जारी है ।मृतक महिला का नाम ग्राम चिखलागांव निवासी 50 वर्षीय गीता पति ओमप्रकाश मेश्राम बताया गया है ।जिसके शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

मधुमक्खियों के हमले से जंगल मे ही बेहोश हो गई थी महिलाए

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना रामपायली चिखलागांव निवासी गीता मेश्राम खेती बाड़ी में परिजनों का हाथ बटाती थी। जो खाली समय में घर की बकरियां भी चराती थी। बताया गया कि रोजाना की तरह रविवार को भी गीता मेश्राम अपनी 45 वर्षीय नंद सरिता पति सुरेश डोंगरे के साथ बकरियों को खेत की तरफ चराने के लिए गई थी ।दोपहर करीब 12 से 1 बजे के दरमियान नंद भौजाई दोनो खेत से लगे जंगल के पास बकरियां चरा रही थी, तभी मधुमक्खियों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। जहां मधुमक्खियों के हमले से नंद भावज दोनों गंभीर रूप से घायल हो गई और जंगल में ही बेहोश हो गई थी।

पड़ोसी खेत वालो ने घायल दोनों महिलाओं को लाया था घर

उधर आसपास के खेत वालो को जब मामले की जानकारी लगी, तो उन्होंने मधुमक्खियों के हमले से जंगल मे मूर्छित हुई दोनों महिलाओं को किसी तरह उनके घर पहुंचाया। जहां उनके परिजनों द्वारा दोनों महिलाओं को उपचार के लिए वारासिवनी के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां गंभीर रूप से घायल गीता मेश्राम का वहां के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रिफर कर दिया था। जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई ।जबकि सरिता का अब भी वारासिवनी के सिविल अस्पताल में उपचार जारी है।

पीएम के बाद सौपा गया शव

उधर महिला की मौत की जानकारी मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की। वहीं शव को अपने कब्जे में लेकर मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया। वहीं अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है।तो वही मामले की जांच के लिए डायरी रामपायली थाना पहुंचाई गई है। जहां रामपायली पुलिस द्वारा इस पूरे मामले

जमीन के हिस्से बंटवारे का विवाद

एक महिला को उसके भाई और भतीजे ने दी जान से मार डालने की धमकी, सीमांकन के बाद लगे खंभे उखाड़ किये फेंक, सगीरा बेगम के दो भाई और भतीजे के विरुद्ध अपराध दर्ज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम भीमजोरी में जमीन के हिस्से बटवारे के विवाद के चलते एक महिला को उसके भाईयो और भतीजे ने परिवार सहित जान से खत्म करने की धमकी देते हुए सीमांकन की गई जमीन में लगे खंबे उखाड़ कर फेंक दिए और इसी के साथ ही इन लोगों ने सीमांकन आदेश का भी उल्लंघन कर दिए इस मामले में मलाजखंड पुलिस में सगीरा बेगम पति मोहम्मद जमालुद्दीन 47 वर्ष ग्राम भीमजोरी निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके भाई इसराइल खान, इस्माइल खान भतीजे ललित खान के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई है। प्राप्त जानकारी अनुसार सगीरा बेगम भीमजोरी निवासी और उसके भाई इसराइल खान, इस्माइल खान और भतीजे ललित खान के बीच 13 साल से जमीन के इससे बंटवारे का विवाद चल रहा है। चार दिन पहले इस विवादित जमीन पर सगीरा खान के हिस्से में आई जमीन का सीमांकन कार्य होना था। सीमांकन कार्य करने के लिए तहसील कार्यालय बिरसा से पटवारी और सुरक्षा हेतु थाना मलाजखंड से पुलिस स्टाफ आए हुए थे। दोपहर 3:00 बजे तक सीमांकन कार्य चला था। वहा पर सगीरा बेगम के भाई इसराइल खान, इस्माइल खान और भतीजा ललित खान उपस्थित थे और ये सभी लोग सीमांकन का विरोध कर रहे थे। शकीरा बेगम के साथ उनके पति जमालुद्दीन तथा बेटी हफीजा जमाल के अलावा वहा पर गांव के अन्य लोग भी उपस्थित थे ।सगीरा बेगम की बेटी हाफिजा जमाल को इस्माइल खान ने बोला कि हमारी बात का और सीमांकन का वीडियो बना रही है और उसे धमकाते हुए बोले की तू जहां काम करती हम तुझे वहां जाकर बताएंगे। सीमांकन काम समाप्त हो गया था और सगीरा बेगम ने नामांकन वाले स्थान पर सीमेंट के खंभे तथा बांस लगा दिए थे। 9 अगस्त को सुबह 6:30 बजे सगीरा बेगम घर से बाहर निकली तो देखी की सीमांकन के बाद उन लोगों ने सीमेंट के खंभे तथा बांस लगाए थे उसे इसराइल खान इस्माइल खान तथा ललित खान तीनों उखाड़ कर फेंक रहे थे। सगीरा बेगम ने उन्हें आवाज देकर बोली कि तुम लोगों ने खंबे बांस क्यों निकल रहे हो तो तीनों, शकीरा बेगम को अश्लील गंदी गालियां देने लगे, सगीरा बेगम ने उन्हें गाली देने से मना की तो तीनों बोलने लगे कि तेरे को बहुत ज्यादा कोर्ट कचहरी का जाने का शौक है। तेरे को कोर्ट कचहरी ही भिजवाते है ।जमीन का तेरे पक्ष में जो आदेश आया है हम किसी आदेश को नहीं मानते कहकर कर सगीरा बेगम से वाद विवाद करने लगे और सगीरा बेगम और उसके परिवार को जान से खत्म करने की धमकी देने लग। इस घटना के संबंध में सगीरा बेगम ने अपने पति मोहम्मद जमालुद्दीन तथा नवीना बेगम सहित अन्य लोगों को बताई और रिपोर्ट करने के लिए अपनी बहन नवीना बेगम और बेटी हफीजा जमाल के साथ रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड पुलिस थाना पहुंची। मलाजखंड पुलिस ने सगीरा बेगम द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके भाई इजरायल खान पिता मुमताज खान, इस्माइल खान पिता मुमताज खान और भतीजे ललित खान पिता सुल्तान खान सभी ग्राम भीमजोरी निवासी के विरुद्ध धारा 296 223 351(3) 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

सड़क हादसे में महिला की मौत, पति और बेटा बाल-बाल बचे

चांगोटोला थाना क्षेत्र के ग्राम ढीमरुटोला का मामला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। चांगोटोला थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पचपेड़ी निवासी एक महिला की सडक हादसे में मौत हो गई, जबकि उसका पति और बेटा इस सड़क

दुर्घटना में बाल बाल बच गया ।मामला चांगोटोला थाना क्षेत्र के ग्राम ढीमरुटोला का बताया गया है ।जहां सोड़ा फेकने के लिए खेत जाते समय मोटरसाइकिल फिसलने से मोटरसाइकिल में सवार महिला, उसका पति और उसका बेटा सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। जहां महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। उधर घटना के बाद मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। तो वही चांगोटोला पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

उपचार के लिए बालाघाट लाते वक्त रास्ते मे हुई मौत

जानकारी के अनुसार ग्राम पचपेड़ी निवासी भगवती पति संजय पांचे 45 अपने पति संजय पांचे और बेटे जयप्रकाश पांचे के साथ गाड़ी से लामता कनारी खेत में सोडा डालने जा रही थीं। रास्ते में चांगोटोला-बालाघाट रोड पर ग्राम ढीमरुटोला के पास वाहन का नियंत्रण बिगड़ गया, जिससे मोटरसाइकिल फिसल गई ।इस हादसे में भगवती पांचे गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें उपचार के लिए बालाघाट लाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई ।जबकि पति और बेटा इस दुर्घटना में सुरक्षित हैं। उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई है।

मामले की जांच जारी है- राणा

मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान चांगोटोला थाना प्रभारी शशांक राणा ने बताया की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की गई हैं ।उपचार के लिए बालाघाट ले जाते समय गम्भीर रूप से घायल महिला की मौत हो गई। शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। मामले को जांच में लिया गया है ।जिसकी जांच की जा रही है।

सीएम हेल्पलाईन में उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला पंचायत सीईओ, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं सहायक सांख्यिकी अधिकारी को दिया गया प्रशस्ति पत्र

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना ने सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणो के निराकरण में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राहुल नायक एवं सहायक सांख्यिकी अधिकारी चिरंजय मानेश्वर को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। उन्होंने अपेक्षा की कि ये अधिकारी भविष्य में भी इसी तरह से लगन एवं परिश्रम के साथ कार्य कर जिले को अग्रणी स्थान दिलाएंगे। सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणो के निराकरण की माह जून 2025 की ग्रेडिंग में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ के प्रयासो से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग बालाघाट को 88.72 प्रतिशत उपलब्धि के साथ प्रदेश में 13वीं रैंक हासिल हुई है। इसी प्रकार सहायक आयुक्त एवं संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक के प्रयासो से अनुसूचित जाति विभाग बालाघाट को राज्य स्तर पर 86.37 प्रतिशत उपलब्धि के साथ प्रदेश में चतुर्थ एवं अनुसूचित जनजातीय कार्य विभाग बालाघाट को 84.45 प्रतिशत उपलब्धि के साथ प्रदेश में 8वीं रैंक प्राप्त हुई है। सहायक सांख्यिकी अधिकारी चिरंजय मानेश्वर के प्रयासो से योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग की रैंकिंग में 90.89 प्रतिशत उपलब्धि के साथ बालाघाट जिले को प्रदेश में 12वीं रैंक हासिल हुई है। कलेक्टर श्री मीना ने इन अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर शुभकामनाए दी।

स्थान परिवर्तन

मेसर्स पंकज एफ अग्रवाल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट का कार्यालय जो वर्तमान में वार्ड नं 20 अन्नपूर्णा मंदिर के पास बालाघाट में स्थित है। अब अपने नवनिर्मित कार्यालय, आर्थिक आर्केड, दूसरी मंजिल, यूको बैंक के ऊपर, रेलवे स्टेशन रोड, बालाघाट में संचालित होगा

संपर्क नं- 9425138797

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

बाघ की मौत वाले मामले में समाज संगठन ने श्रमिकों की गिरफ्तारी पर जताया विरोध

वरिष्ठ अधिकारियों पर लगाया आदिवासी समाज के कर्मचारियों को फसाने का आरोप, मप्र आदिवासी विकास परिषद के बैनर तले निकाली रैली, नारेबाजी कर सौपा ज्ञापन, मामले में पकड़े गए वन श्रमिक कर्मचारियों को बताया निर्दोष, रिहा करने की लगाई गुहार, 11दिनों के भीतर मांग पूरी न होने पर कलेक्ट्रेट घेराव कर, धरना प्रदर्शन की दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा के सोनेवानी अभ्यारण केंद्र में मादा बाघ की मौत का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जहां इस मामले में अब तक 06 चौकीदार, श्रमिको को गिरफ्तार किया गया है तो वही घटना के बाद निलंबित होने पर फरार चल रहे डिप्टी रेंजर और वन रंक्षक अब भी गिरफ्त से दूर है। उधर इसी मामले में अब एक नया मोड़ सामने आया है।जहां समाज संगठन ने वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को बाघ की मौत का जिम्मेदार ठहराते हुए उन पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।वहीं उन्होंने इस मामले में पकड़े गए सभी सुरक्षाकर्मी, श्रमिकों को निर्दोष बताते हुए तत्काल उनकी रिहाई किए जाने की मांग की है। जहां अपनी इस मांग को लेकर समाज संगठन द्वारा सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में ज्ञापन सौपा गया है। मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद के बैनर तले रैली निकाल, जमकर नारेबाजी कर सौपे गए इस ज्ञापन में परिषद व सामाजिक बन्धुओ ने प्रशासन को 11 दिनों के भीतर समाज के वन श्रमिकों व सुरक्षाकर्मियों को रिहा करने और डीएफओ व सीसीएफ स्तर तक के अधिकारियों पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है। जिन्होंने उक्त समय सीमा पर मांग पूरी न होने पर कलेक्ट्रेट कार्यालय का घेराव कर उग्र आंदोलन किए जाने की चेतावनी भी दी है।

क्या है पूरा मामला

आपको बताए कि पिछले दिनों 27 जुलाई को लालबर्रा के सोनेवानी अभ्यारण्य केन्द्र कक्ष क्रमांक 443 में, पोटुटोला नहर के पास नाले में मरा बाघ दिखाई दिया था। जिस बाघ के शव को डिफ्टी रेंजर टीकाराम हनोते और वनरक्षक हिमांशु घोरमारे के कहने पर सुरक्षा श्रमिक चौकीदारों ने 29 जुलाई को सुखी लकड़ी एकत्रित कर बाघ के शव को जलाकर नष्ट कर दिया था। यह मामला 2 अगस्त को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जहां सोशल मीडिया पर मामला वायरल होते ही आनन-फानन में वन अमले ने इसकी जांच शुरू की।जिसमें वनविभाग की टीम ने 8 आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओ में वन अपराध दर्ज किया और 6 आरोपियों सुरक्षा श्रमिक चौकीदार हरिलाल, शिवकुमार, शैलेष, अनुज, मानसिंह और देवसिंह को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। जबकि इसी मामले में डिफ्टी रेंजर टीकाराम हनोते और वनरक्षक हिमांशु घोरमारे को निलंबित कर दिया।जिसके बाद से ही वो फरार है।जिनकी तलाश की जा रही है।

बाघ की मौत के जिम्मेदार है अधिकारी

सोनेवानी अभ्यारण्य में बाघ की रहस्यमय मौत और शव को बिना प्रोटोकॉल के वन अधिकारियों के निर्देश पर 6 आदिवासी सुरक्षा श्रमिको द्वारा जला देने का मामला अब सामाजिक आंदोलन में बदल गया है।आदिवासी समाज का आरोप है कि, इसके पूर्व भी सुरक्षा श्रमिको के आदिवासी होने के कारण, परिक्षेत्र प्रभारी छत्रपालसिंह जादौन ने उन्हें जातिगत भेदभाव के तहत फंसाया है।जबकि इस मामले में भी श्रमिकों ने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश का पालन किया था। यदि वह निर्देश का पालन नहीं करते तो उन्हें काम से बंद कर दिया जाता। जिससे, उनकी रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो जाता।जिसके कारण, उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश का पालन किया है।इसमे असली दोषी वरिष्ठ व उच्चाधिकारी है। जिनपर कार्यवाही कर निर्दोषों को रिहा करना चाहिए।

तो कलेक्ट्रेट का करेंगे घेराव

मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद जिला अध्यक्ष दिनेश धुर्वे, नगर अध्यक्ष शुभम उइके ,उपाध्यक्ष संदेश सैय्याम ने संयुक्त रूप से बताया कि बाघ की मौत वाले मामले में हमारे समाज के सुरक्षाकर्मियों, श्रमिकों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि उन्होंने अपने वरिष्ठ और उच्च अधिकारियों के निर्देशन का पालन किया है। उन्हें विभाग ने जिस तरह के आदेश किया उस आदेशों का उन्होंने पालन किया और विभाग ने उन्हें ही बाघ की मौत का जिम्मेदार बना दिया ।वहीं विभाग के वनरक्षक, डिप्टी रेंजर अब भी फरार है।जिन्हें पुलिस अब तक ढूंढ नहीं पाई है। यदि मृत बाघ का पोस्टमार्टम हो जाता तो पता चल जाता की बाघ की मौत किस कारण से हुई है। हम चाहते हैं कि इस मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही की जाए। अपनी इसी मांग को लेकर हमने 11दिनों के अल्टीमेटम के साथ ज्ञापन सौपा है यदि मांग पूरी नहीं होती और श्रमिकों की रिहाई नहीं होती तो कलेक्ट्रेट कार्यालय का घेराव कर आंदोलन किया जाएगा।

इनके अलावा जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे ओर जिला पंचायत सदस्य एवं आदिवासी नेत्री अनुपमा नेताम ने भी इस मुद्दे पर विचार रखते हुए मामले में इंसाफ दिलाने और उनकी मांगो को पुरा करने की गुहार लगाई है।

दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई- दो युवक घायल

परसवाड़ा मंडला रोड चंदना में हुई सड़क दुर्घटना, एक घायल युवक जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। परसवाड़ा थाना अंतर्गत मंडला रोड पर स्थित ग्राम चंदना के पास दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से दोनों मोटरसाइकिल में सवार दो युवक घायल हो गए ।

जिनमे एक घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। यह युवक राजेश पिता परसराम गौतम 28 वर्ष ग्राम भीकेवाड़ा थाना परसवाड़ा निवासी है। इस दुर्घटना में एक अन्य युवक को भी बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। यह युवक भी ग्राम भीकेवाड़ा निवासी बताया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम भीकेवाड़ा निवासी राजेश गौतम तीन भाई है और तीनों भाई अपना पुश्तैनी धंधा करते हैं। राजेश गौतम की ग्राम चंदना में सेलून की दुकान है। रोज की तरह 11 अगस्त को सुबह 10:00 बजे करीब राजेश गौतम अपने घर भीकेवाड़ा से मोटरसाइकिल में ग्राम चंदना अपनी सेलून की दुकान जा रहा था। मंडला रोड पर स्थित ग्राम चंदना के पास ही सामने से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल राजेश गौतम की मोटरसाइकिल से टकरा गई। दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकराने से राजेश गौतम और अन्य मोटरसाइकिल में सवार एक युवक भी घायल हो गया। राजेश गौतम सहित दोनों घायल युवक को परसवाड़ा के अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायल को बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया ।जिनमे घायल राजेश गौतम को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया वहीं अन्य घायल युवक को बालाघाट नगर के निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। यह युवक भी ग्राम भीकेवाड़ा निवासी बताया गया है।

वार्ड में मूलभूत सुविधा नहीं मिलने के विरोध में पार्षद अपने समर्थकों के साथ आज बैठ रहा धरने पर

प्रेसवार्ता लेकर मीडिया को दी जानकारी ,कहां 3 वर्षों में नहीं हुए विकास कार्य ,बहुत किया आवेदन-निवेदन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । वार्ड क्रमांक 27 के पार्षद ने वार्ड में काम नहीं होने के कारण अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने की रणनीति बना ली है । उन्होंने प्रेस वार्ता के माध्यम से बताया कि वार्ड में बीते कई दिनों से विकास काम नहीं होने और वार्ड वासियों को मूलभूत सुविधा नगर पालिका द्वारा नहीं दिए जाने के कारण वह 12 अगस्त से नगर पालिका के सामने धरना प्रदर्शन पर वार्ड की जनता के साथ बैठ रहे हैं । आपको बता दे की वार्ड क्रमांक 27 के पार्षद आशुतोष डहरवाल द्वारा वार्ड में काम नहीं होने और वार्ड में मूलभूत सुविधा नहीं दिए जाने के कारण नगर पालिका के सामने धरना दिए जाने की रणनीति बना ली गई है । पार्षद आशुतोष द्वारा 11 अगस्त को स्थानीय सर्किट हाउस में एक प्रेस वार्ता लेकर जानकारी दी गई कि बीते 3 वर्षों से उनके वार्ड में कार्य नहीं हुए हैं । वह लगातार आवेदन, निवेदन और परिषद की बैठकों में अपने वार्ड के मुद्दे उठा रहे हैं पर नगर पालिका द्वारा उनके काम नहीं किये जा रहे हैं। इस कारण अब वह नगर पालिका की इस प्रणाली से परेशान हो गए हैं। इसलिए उन्होंने अब पूरी तरह मन बना

लिया है कि वह 12 अगस्त को नगर पालिका के सामने प्रातः 11:00 बजे टेंट लगाकर धरना देंगे । यह धरना प्रदर्शन उस समय तक जारी रहेगा जब तक नगर पालिका द्वारा वार्ड में विकास कार्य नहीं किए जाते । उन्होंने बताया कि बीते दिनों नगर पालिका द्वारा वार्ड के प्रवेश द्वार को लेकर भी भूमि पूजन किया गया था, किंतु वह भी आज तक नहीं लगाया गया है । वार्ड में नाली निर्माण नहीं किए गए हैं। कुछ पुलिया वार्ड में अभी भी टूटे पड़े हैं। जिसको लेकर उन्होंने बीते 3 वर्षों में सतत आवाज उठाई , लेकिन उनकी मांगों पर किसी ने ध्यान नहीं दिया । उन्हें हमेशा आश्वासन ही मिला है । इसलिए वह अब वार्ड की जनता के साथ नगर पालिका के सामने धरने पर बैठ रहे हैं । उनके धरना प्रदर्शन में कांग्रेस के महज तीन ही पार्षद प्रेस वार्ता के दौरान नजर आए । जबकि देखा जाए तो नगर पालिका में विपक्ष के रूप में कांग्रेस के 11 पार्षद हैं । लेकिन इस धरना प्रदर्शन में पहले दिन प्रेस वार्ता में सिर्फ तीन ही कांग्रेस पार्षद का वार्ड क्रमांक 27 के पार्षद को समर्थन दिखा। हालांकि वार्ड क्रमांक 27 के पार्षद कांग्रेसी और अन्य पार्षदों के भी धरना प्रदर्शन में समर्थन बता रहे हैं , और धरने प्रदर्शन में अन्य पार्षद व कांग्रेस नेता के भी आने की बात कही जा रही है । अब देखना होगा कि 12 अगस्त को इस प्रदर्शन में कितने कांग्रेसी और कितने कांग्रेस पार्षद वार्ड क्रमांक 27 के पार्षद को धरने प्रदर्शन में अपना समर्थन देते हैं।

गांव में शराब बनाना, बेचना और पीना सख्त मना है, नियम न मानने पर वसूला जाएगा जुर्माना

नशामुक्त ग्राम बनाने लामबंद हुए ग्रामीण, निकाली रैली, नशामुक्ति का दिया संदेश, लामता के ग्राम खुरसोड़ा, टाकाबर्रा का मामला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । गांव में शराब बनाना, बेचना और पीना सख्त मना है। इस नियम को तोडने वालों से जुर्माना वसूल किया जाएगा। वही इसकी सूचना देने वालो को नगद इनाम देकर सम्मानित किया जाएगा। कुछ इसी तरह का नियम लामता के ग्राम खुरसोड़ा, टाकाबर्रा में बनाया गया है।जहां ग्राम की महिलाओं और कुछ पुरुषों ने एकजुट कर एक समिति का गठन किया है। समिति के माध्यम से गांव को नशा मुक्त करने प्रयास किए जा रहे हैं।इसी कड़ी में सोमवार को नशामुक्त गांव का संदेश देने के लिए समिति पदाधिकारियों व ग्रामीणों ने ग्राम में एक वृहद रैली निकालकर नियम व निर्देशों की जानकारी दी ।वहीं जन जागरूकता का प्रयास किया।

नशे से बिगड़ रहा ग्राम का माहौल

समिति पदाधिकारियों ने बताया कि सभी जानते हैं शराब पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। लेकिन लोग इन चीजों को नजर अंदाज करते हैं और शराब के नशे में आकर घर में वाद-विवाद कर शांति पूर्ण वातावरण को बिगाड़ते हैं। एक कहावत है कि शराब बेचने वाला आबाद और पीने वाला बर्बाद यह लाइनें जिंदगी के लिए सत्य है। जिसने इस लाइन का अर्थ समझ लिया, वह आबाद हो सकता है। नहीं तो शराब पीकर बर्बाद होता है। इन्हीं सब परिस्थितयों को जानकर गांव को नशा मुक्त ग्राम बनाने समिति गठित कर नशा मुक्त गांव बनाने का प्रयास किया जा रहा हैं।

गांव में निकाली रैली, नशा मुक्ति का दिया संदेश

नशा मुक्ति अभियान के तहत गठित की गई

समिति के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने ग्रामीणों के साथ बैठक कर गांव को नशा मुक्ति बनाने का संकल्प लिया है ।जिसके तहत सोमवार को रैली निकालकर गांव के सभी वार्डों का भ्रमण किया गया। जिसके माध्यम से शराब बंद करने लोगों को जागरूक किया गया है।

नियम तोड़ने वालों से वसूला जाएगा जुर्माना

नशा मुक्ति रैली के आयोजन को लेकर की गई चर्चा के दौरान, जनपद पंचायत सदस्य किशनलाल लिल्हारे और टाकाबर्रा सरपंच उमेंद्र धामडे ने संयुक्त रूप से बताया कि गांव में शराब का निर्माण करना, उसे बेचना व पीकर गांव के अंदर आने पर पाबंदी लगाई गई है। नशा करने से गांव का शांति पूर्ण माहौल बिगड़ता है। इसलिए ऐसा करने वालो से जुर्माना भी वसूलने नियम बनाया गया है। जिसके तहत शराब बनाकर, उसकी बिक्री करने वाले से 10,000रु, शराब पीकर झगड़ा करने वाले से 2,000 रु का जुर्माना वसूल किया जाएगा।तो वही शराब बनाने और बेचने वाले को पकडाने के लिए जानकारी देने पर उसे 5,000 रु का इनाम भी दिया जाएगा। जिसकी जानकारी इस रैली के माध्यम से ग्रामीणों को दी जा रही है। हमारा उद्देश्य है पूरा गांव नशा मुक्त हो।

एक व्यक्ति ने घर में घुसकर एक महिला से की मारपीट

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मानेगांव में एक व्यक्ति ने घर में घुसकर एक महिला को हाथबुक्के से मारपीट कर घायल कर दिया और उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। बिरसा पुलिस ने मारपीट में घायल महिला ललिता पति स्वर्गीय रोशन तिल्हासी 34 वर्ष मानेगांव निवासी द्वारा तुलसी सोनप्यारे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ललिता घरेलू काम करती है इसी गांव में रहने वाली एक महिला फील्ड में आयुर्वेदिक दवाई बेचती है। ललिता ने अपनी सहेली के भाई घनश्याम ग्राम ब्रेन्डा निवासी का नंबर इस महिला को दवाई बेचने के संबंध में दी थी। किंतु दवाई बेचने वाली यह महिला घनश्याम से लगातार बातचीत करने लगी थी। जिससे इस महिला का पति नाराज हो रहा था। ललिता को पता चलने पर उसने इस महिला के मोबाइल फोन से घनश्याम का नंबर डिलीट कर दी थी। उसके बाद भी यह महिला घनश्याम से बात करते रहती थी। 9 अगस्त को जब यह महिला अपने घर में थी और उसके सास ससुर बाजार गए थे। शाम 6:00 बजे आयुर्वेदिक दवाई बेचने वाली महिला का पति तुलसी, ललिता के घर आया उस समय ललिता घर के अंदर थी। तभी तुलसी ने घर में घुसकर ललिता को अश्लील गालियां देते हुए बोला कि तूने मेरी पत्नी को किसका नंबर दी है जिससे वह बात करते रहती है। यह कहते ही तुलसी ने ललिता को हाथबुक्को से मारपीट करने लगा। जिसके चिल्लाने पर मोहल्ले पड़ोस के लोग दौड़े और बीच बचाव किये। जिसके बाद तुलसी ने इस महिला को जान से खत्म कर देने की धमकी दे दी तुलसी द्वारा की गई मारपीट में ललिता को चोंटे आई थी। घटना की रिपोर्ट दूसरे दिन ललिता ने बिरसा पुलिस थाना में की थी। बिरसा पुलिस ने इस महिला का इलाज और मुलाहिजा अस्पताल में करवाये और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर तुलसी के विरुद्ध घर में घुसकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 333 115(2) 296 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

तहसील ऑफिसों में पसरा सन्नाटा, तहसीलदारों की हड़ताल जारी

अभी तक सरकार से नहीं बनी कोई सहमति, पंडाल में धरना दे रहे तहसीलदार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले की अलग-अलग तहसील कार्यालय में इन दिनों सन्नाटा पसरा हुआ है । जिसकी प्रमुख वजह तहसीलदारों द्वारा कार्य विभाजन को लेकर की जा रही हड़ताल है। जब हमारे द्वारा स्थानीय तहसील ऑफिस में जानकारी ली गई तो बताया गया कि जब से तहसीलदार अपनी प्रमुख मांगों को लेकर हड़ताल कर रहे हैं। तब से लगभग सारे काम थम से गए हैं । यहां राजस्व से संबंधित कोई भी कार्य नहीं हो रहे हैं। ग्रामीणों ने भी अब तहसील ऑफिस आना बंद कर दिया है। कुछ लोग खसरा निकालने तहसील ऑफिस में आ रहे थे , तो वहां भी वेबसाइट मेंटिनेस के चलते खसरे नहीं निकल पा रहे हैं । जिस कारण वह तहसील ऑफिस नहीं आ रहे हैं । इधर हड़ताल को लेकर अभी तक सरकार से कोई कार्य विभाजन को लेकर निर्देश नहीं आए हैं। जिस कारण तहसीलदार लगातार अपनी हड़ताल पर बने हुए हैं। आपको बता दे की कार्य विभाजन के विरोध में बीते 6 अगस्त से तहसीलदार हड़ताल पर चले गए हैं । तहसीलदारों के हड़ताल पर चले जाने से जिले की सभी तहसीलों में राजस्व से संबंधित काम पूरी तरह थम गए हैं । ग्रामीण भी अब चल रही हड़ताल के कारण तहसीलों तक नहीं पहुंच रहे हैं । कुछ लोग ऑनलाइन खसरा निकालने तहसील कार्यालय पहुंच रहे थे तो वह भी इन दिनों वेबसाइट का मेंटेनेंस कार्य के चलते उनके काम नहीं हो रहे हैं। इस कारण इन दिनों तहसील कार्यालय में सन्नाटा पसरा हुआ है। जब हमने बालाघाट तहसील कार्यालय जाकर देखा तो यहां पूरी तरह सन्नाटा दिखाई दिया । कुछ कर्मचारियों ने अनौपचारिक चर्चा में बताया कि हड़ताल की जानकारी होने से कोई भी तहसील कार्यालय नहीं पहुंच रहा है। तहसीलदारों के हड़ताल पर रहने की वजह से पटवारीयों के भी विभागीय काम नहीं हो पा रहे हैं । इसलिए वह भी तहसीलदारों के हड़ताल खत्म होने का इंतजार कर रहे हैं। इन दिनों राजस्व से संबंधित खसरा, ई-केवाईसी, नामांतरण, गिर्दावली

सहित कई कार्य पूरी तरह से रुके हुए हैं । तहसीलदार भी शासन के आदेश आने का इंतजार कर रहे हैं । जबकि कार्य विभाजन को लेकर सरकार की ओर से अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। प्रदेश संगठन के आवाहन पर इधर तहसीलदार लगातार अलग-अलग दिन अलग-अलग प्रदर्शन करते हुए अपनी हड़ताल पर डटे हुए हैं। 11 अगस्त को सभी तहसीलदारों ने प्रदेश संगठन के आवाहन पर अपने-अपने क्षेत्रीय विधायकों एवं पूर्व मंत्रियों को ज्ञापन सौंपा है । जिसमें कांग्रेस विधायकों ने भी तहसीलदारों की हड़ताल का समर्थन किया है और कहा है कि सरकार द्वारा जो कार्य विभाजन को लेकर प्रक्रिया बनाई गई है ,उसे तुरंत ही वापस लेना चाहिए और इस प्रक्रिया को पूरे नियम अनुसार ही लागू किया जाना चाहिए।

पंचायत उन्नति सूचकांक का एक दिवसीय विमोचन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायत के सरपंचों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मान

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा में पंचायत उन्नति सूचकांक वर्ष 2022-23 का विमोचन एवं प्रचार-प्रसार के लिए सोमवार को 20 पंचायत के सरपंचों का जनपद स्तरीय एक दिवसीय विमोचन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित पंचायत उन्नति सूचकांक के विमोचन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में वर्ष 2022-23 में मनरेगा सहित अन्य योजना के तहत जिन पंचायतों के द्वारा सशक्त पंचायत, सतत विकास की अवधारणा के साथ पंचायतों को सशक्त बनाने, उनके कामकाज को पारदर्शी और कुशल बनाने के किये गये कार्य के आधार पर शासन के द्वारा जनपद पंचायत लालबर्रा की 20 पंचायत को पंचायत विकास सूचकांक में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु चयनित किया गया है। जिसमें ग्राम पंचायत डोकरबंदी प्रथम स्थान पर है इसी तरह अन्य 19 पंचायत शामिल है और एमजीएएआई रैंकिंग प्राप्त 10 ग्राम पंचायत है। जिन्हे इस विमोचन व प्रशिक्षण कार्यक्रम में अतिथियों के हस्ते पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत डोकरबंदी प्रथम स्थान, बुट्टा ह. द्वितीय, बम्हनी तृतीय, कंजई ने चौथा स्थान प्राप्त किया है एवं अन्य 16 पंचायत को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किये एवं सभी का टीएमपी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन किया गया। इस तरह से लालबर्रा जनपद पंचायत क्षेत्र की 20 पंचायत ने मनरेगा सहित अन्य योजनाओं के तहत वर्ष 2022-23 में पंचायत क्षेत्र में करवाये गये कार्यों को शासन की पोर्टल पर अपडेट किया है और जिनका कार्य उत्कृष्ट रहा है। ऐसे 20 पंचायत को पंचायत उन्नति सूचकांक के विमोचन एवं प्रचार-प्रसार के लिए चयन कर उन्हे प्रशिक्षण भी दिया गया। साथ ही इस प्रशिक्षण में उपस्थित सरपंचों को शासन की 9 थीम पर उन्नति एवं विकसित पंचायत कैसे बनाना है और अन्य पंचायत भी इसी तरह शासन की ऑनलाईन पोर्टल पर मनरेगा सहित अन्य योजना के तहत पंचायत क्षेत्र में होने वाले कार्यों को पोर्टल पर अपडेट करते रहे उसके बारे में बताया गया। वहीं केन्द्र सरकार की मंशा है कि वर्ष 2030 तक देश की समस्त पंचायत को विकसित पंचायत बनाना है इस क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपस्थित अतिथियों ने पंचायत उन्नति सूचकांक वर्ष 2022-23 में उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित पंचायतों के सरपंचों को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी ने जो कार्य किये हैं, वे निश्चित ही सराहनीय हैं। अब आवश्यकता है कि आगामी दिवसों में अपने क्षेत्र में शासन की मंशा अनुरूप और बेहतर कार्य करें, ताकि आमजन को इसका सीधा लाभ मिल सके। चर्चा में खंड पंचायत अधिकारी खिलेन्द्र सोनवंशी ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य है कि पंचायत उन्नति सूचकांक वर्ष 2022-23 में जिन पंचायत के द्वारा मनरेगा सहित अन्य योजना से करवाये गये कार्य को पोर्टल पर दर्ज किया गया है और विकसित पंचायत क्षेत्र में कार्य किये है उसके आधार पर लालबर्रा जनपद पंचायत क्षेत्र की 20 पंचायत को उत्कृष्ट कार्य करने पर पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। जिसमें डोकरबंदी प्रथम स्थान पर है और प्रचार-प्रसार हेतु सरपंचों को प्रशिक्षण भी दिया गया है। साथ ही यह भी बताया कि सरपंचों को प्रशिक्षण में बताया गया है कि पंचायत उन्नति सूचकांक में चयनित होने के लिए 9 थीम पर कैसे कार्य करें और अपने-अपने क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक संकेतकों का उपयोग करके पंचायतों के विकास कार्य करने कहा गया है। ताकि अन्य पंचायतें प्रेरणा लेकर अपनी पंचायतों को बेहतर बना सके। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल सहित अन्य जनपद सदस्य एवं सरपंचगण उपस्थित रहे।

योजनाओं का लाभ दिलवाया जायेगा - सोमेश्वर

डोंकरबंदी सरपंच सोमेश्वर मोहतुरे ने बताया कि वर्ष 2022-23 में मनरेगा सहित अन्य योजना के तहत विभिन्न विकास कार्य किये गये है एवं हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलवाया गया है। जिसे पोर्टल में अपडेट में भी किया गया है इसलिए डीपीटी के माध्यम से सबसे बेहतर काम करने के लिए ग्राम पंचायत डोकरबंदी को पंचायत उन्नति सूचकांक में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। श्री मोहतुरे ने बताया कि शासन स्तर से उत्कृष्ट कार्य करने पर राशि एवं प्रशस्ति पत्र देकर दिया गया है एवं आगे भी अच्छा काम करने का प्रयास करेगें और अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं का लाभ दिलवाया जायेगा।

एमजीएएआई रैंकिग में 10 पंचायत शामिल है - देवीलता

जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी ने बताया कि पंचायत उन्नति सूचकांक के तहत जनपद में एक दिवसीय विमोचन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें वर्ष 2022-23 में जो पंचायत विकास कार्य बेहतर तरीके से किये है और शासन कि एमजीएएआई रैंकिंग में 10 प्राप्त सात्वना पुरस्कार के लिए चिन्हित हुई है। ऐसे पंचायत के सरपंचों को प्रशस्ति पत्र का वितरण किया गया है। जिन्हे प्रशस्ति पत्र का वितरण किया गया है एवं प्रशिक्षण के माध्यम से उपस्थित सरपंचों को पंचायत उन्नति सूचकांक में आने के लिए किस तरह से कार्य करना है उसके बारे में बताया भी गया है। श्रीमती ग्वालवंशी ने बताया कि शासन की मंशा है कि पंचायतें शासन की विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन सफलतापूर्वक करें, अधिक से अधिक लोगों को योजना का लाभ दिलवाये।

महाविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय उ'च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 11 अगस्त को हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय में "हर घर तिरंगा कार्यक्रम, हर घर स्वच्छता" स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग अभियान के क्रियान्वयन के अंतर्गत मानव श्रृंखला बनाकर देशभक्ति एवं तिरंगे के प्रति सम्मान एवं ओजस्वी नारों के माध्यम से राष्ट्रीय प्रेम सद्भावना तथा बंधुत्व की भावना उत्पन्न करने तथा देश की एकता और अखण्डता के लिए सदैव समर्पित भाव से कार्य करने छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया गया। चर्चा में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत ने बताया कि आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा और शासन के निर्देश है कि इस अवसर पर हर घर में तिरंगा फहराने, स्वच्छता के प्रति जागरूक करने लोगों को प्रेरित करना है। इसी निर्देश के परिपालन में सोमवार को महाविद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित कर मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को हर घर तिरंगा फहराने, स्व'छता के प्रति लोगों को जागरूक करने छात्र-छात्राओं से कहा गया है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे, सुमन बरवा, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. निर्मलकीर्ति गेडाम, नरेश सौलखे, श्रीमती संध्या परते, डॉ. ऋषिकेष पटेल, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. कामाक्षा बिसेन, संदीप चौरसिया, श्रीमती आरती विश्वकर्मा, पीतम मुरते, यादोराव, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमति वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रषिक हुमनेकर, निशांत तलवरे, कु. सोनम हरिनखेड़े एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

लापता भैंस की मिली लाश, पशु मालिक को 1 लाख रूपये का हुआ नुकसान

किसान को संदेह, भैंस की हत्या की गई है, कार्यवाही करने की पुलिस प्रशासन से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा थानांतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मोहगांव ध. के खोंगाटोला निवासी बिरजलाल नगपुरे की भैंस गत दिवस से लापता हो गई थी। जिसकी पतासाजी करने के बाद लापता के 9 दिन बाद भैस की लाश मोहगांव ध. से कौड़िया के बीच नर्सरी में मिली है। जिससे भैंस मालिक को संदेह है कि किसी असामाजिक तत्वों के द्वारा भैंस की हत्या की गई है। भैंस मालिक ने लालबर्रा थाने में भैंस की हत्या करने के संदेह पर तीन लोगों के नामजाद रिपोर्ट दर्ज करवाकर कार्यवाही करने की मांग पुलिस प्रशासन से की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खोंगाटोला निवासी बिरजलाल नगपुरे कृषि कार्य करता है जिसके घर में भैंस भी है जो प्रतिदिन की तरह 31 जुलाई को भैंस को चरने के लिए छोड़ दिये थे लेकिन शाम तक वह घर वापस नही आई। जिसके बाद उसकी पतासाजी की गई लेकिन कही कुछ पता नही चला। 9 अगस्त को भैंस की तलाश करते हुए भैंस मालिक एवं अन्य ग्रामीणजन मोहगांव ध. से कौड़िया की नर्सरी की ओर गये तो नर्सरी के पास पहुंच तो गंदी दुर्गंध आ रही थी। जिसके पास जाकर देखा गया तो एक भैस मृत अवस्था में पड़ी हुई थी। जो खोंगाटोला निवासी बिरजलाल नगपुरे की थी जो गत दिवस से चरते-चरते लापता हो गई थी। इस तरह से 9 दिनों से लापता भैंस की लाश शनिवार को मोहगांव ध. से कौड़िया के बीच नर्सरी में मिली हैं। जिससे भैंस मालिक को करीब 1 लाख रूपये का नुकसान हुआ हैं। वहीं भैंस मालिक को संदेह है कि भैंस को चरने के लिए छोड़े थे और चरते समय शाम में कुछ लोगों ने उसे लेकर गये होगें और उसकी हत्या की है। भैंस मालिक बिरजलाल नगपुरे गत दिवस थाना पहुंचकर लापता भैंस की लाश मिलने एवं भैंस की हत्या किये जाने की रिपोर्ट दर्ज करवाकर जिन लोगों के द्वारा यह कृत्य किया गया है उन पर सख्त कार्यवाही करने की पुलिस प्रशासन से मांग की है।

बकोड़ा में शोभायात्रा निकालकर विसर्जित की गई भुजलिया

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बकोड़ा में भुजलिया का पर्व रविवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर युवती व महिलाओं के द्वारा अपने अपने घरों के आंगन में भुजलियों को निकालकर पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात सभी युवती व महिलाएं बालाघाट रोड़ स्थित सांई मंदिर चौक में एकत्रित हुई। जिसके पश्चात ढोल शहनाई और संगीतमय वातावरण में भुजलियों को लेकर शोभायात्रा निकाली गई यानि (कतारबध्द) रूप में ग्राम स्थित तालाब पहुंचकर भुजलिया रखकर भुजलियों की परिक्रमा कर पूजन अर्चन किया गया तत्पश्चात भुजलियों का विसर्जन किया। जिसके बाद देवी-देवताओं को अर्पित कर परस्पर एक-दुसरे को भुजली भेंट कर भुजजिया पर्व की शुभकामनाएं दी एवं बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान नवयुवकों के द्वारा सांई मंदिर चौक में डांड पट्टा का प्रदर्शन कर स्वयं की रक्षा कैसे कर सकते उसके बारे में बताया गया जो आकर्षण का केन्द्र रहा। चर्चा में बकोड़ा सरपंच प्रतिनिधि श्रीराम नागेश्वर ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व के दुसरे दिन भुजलिया पर्व मनाया जाता है और रविवार को ग्राम बकोड़ा में परिवार की सुख-समृध्दि का प्रतीक माने जाने वाली भुजलिया का पर्व परंपरागत रूप से मनाया गया। इस अवसर पर ग्राम की युवती व महिलाएं अपने-अपने आंगनों में भुजली की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर सांई मंदिर चौक पहुंचे जहां से शोभायात्रा के माध्यम से ग्राम स्थित तालाब पहुंचकर भुजलियों को विसर्जित किया गया। श्री नागेश्वर ने बताया कि इस दौरान ग्राम के बजरंग दल के युवाओं के द्वारा डांड-पट्टा का उत्कृष्ट प्रदर्शन भी किया गया जो आकर्षण का केन्द्र रहा और इस डांड-पट्टा के माध्यम से स्वयं की रक्षा कैसे करना है यह सीखने को मिलता है। श्रीमती सीता बंशपाल ने बताया कि सावन मास के 8 दिन पहले ही घरों में भुजली बोई जाती है और रक्षाबंधन पर्व के दुसरे दिन भादो माह के प्रथम दिन भुजली की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर विसर्जित किया जाता है। साथ ही यह भी बताया कि यह त्यौहार सभी मिल जुलकर हर्षोल्लास के साथ मनाते है। श्रीमती बंशपाल ने बताया कि भुजलियां विसर्जित करने के बाद मंदिरों में चढ़ाने के बाद एक-दुसरे को भुजलिया भेंट कर भुजलिया पर्व की शुभकामनाएं दी जाती है और यह भाई बहनों के प्रेम का त्यौहार है, इसी तरह का प्यार हमेशा उनके जीवन में बनी रहे यही कामना ईश्वर की जाती है। इस अवसर पर ग्राम की युवती-महिलाएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

औपचारिकता में सिमटी स्वतंत्रता दिवस की बैठक

जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी रहे अनुपस्थित

जनपद में अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी करेगी ध्वजारोहण, हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा स्वतंत्रता दिवस पर्व

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। शासन द्वारा जारी आदेश के परिपालन में आगामी 15 अगस्त को राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस पूरे क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। स्वतंत्रता दिवस पर्व की तैयारी एवं होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा के लिए 11 अगस्त को स्थानीय जनपद पंचायत के सभाकक्ष में जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, कुछ विभागीय अधिकारियों एवं जनपद सदस्यों की उपस्थिति में बैठक संपन्न हुई। आयोजित बैठक में स्वतंत्रता दिवस सौहार्द एवं शांतिपूर्वक मनाने, कौन-कौन से कार्यक्रम किये जायेगें एवं हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से 15 अगस्त तक सभी देशवासियों के घरों में तिरंगा फहराया जाना है। इसी तरह लालबर्रा विकासखण्ड में भी हर घर तिरंगा झंडे फहराने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई परन्तु यह बैठक औपचारिता में सिमटती हुई दिखाई दी क्योंकि इस बैठक में अधिकांश विभागों के अधिकारी एवं जनपद सभापति व जनपद सदस्य अनुपस्थित रहे। जिससे कुछ चुनिंदा अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में ही राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस पर्व की रूपरेखा तैयार की गई। जिसमें 15 अगस्त को शास./अशासकीय संस्थाओं में प्रात: 7.30 बजे ध्वजारोहण करने एवं हर घर तिरंगा फहराने सहित अन्य कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये गये। जिसमें 15 अगस्त को प्रात: 7.30 बजे जनपद पंचायत में जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। जिसके पश्चात उपस्थितजनों के द्वारा सलामी दी जायेगी एवं राष्ट्रगान का गायन करने के बाद मुख्यमंत्री के संदेश को पढ़ा जायेगा। जिसके बाद सभी गांधी मंच बस स्टैण्ड पहुंचेगें जहां प्रात: 8.45 बजे जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल के द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा तत्पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक रूप से गायन कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व भारतरत्न डॉ.बाबा साहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जायेगा। साथ ही समस्त ग्राम पंचायतों में ग्राम सरपंच व शासकीय विभागों में शासकीय/अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओं के प्रमुखों के द्वारा 15 अगस्त को प्रात: 7.30 बजे ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता दिवस का पर्व धूमधाम से मनाया जायेगा। वहीं समस्त ग्राम पंचायत के सरपंच-सचिवों को भी निर्देश दिये गये है कि 15 अगस्त को हर घर में तिरंगा फहराने के लिए ग्रामीणजनों को प्रेरित करें। चर्चा में जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने बताया कि आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर्व मनाने की रूपरेखा तैयार करने के लिए बैठक आयोजित की गई थी जिसमें निर्णय लिया गया है कि शासन के निर्देशानुसार सौहार्द्रपूर्वक व शांतिपूर्ण ढंग से स्वतंत्रता दिवस का पर्व मनाया जाना है। जिसमें प्रात: 7.30 बजे समस्त ग्राम पंचायतों, विभागीय कार्यालयों व शासकीय-अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओं में ध्वजारोहण किया जायेगा। इसी तरह जनपद पंचायत कार्यालय में प्रात: 7.30 बजे जनपद अध्यक्ष के द्वारा एवं प्रात: 8.45 बजे बस स्टैण्ड गांधी मंच में जनपद उपाध्यक्ष के द्वारा ध्वजारोहरण किया जायेगा एवं स्कूलों में विविध कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें। श्री पालीवाल ने बताया कि हर घर तिरंगा झंडा फहराये जाने एवं बच्चों के हाथ में तिरंगे झंडे दिये जाने की भी व्यवस्था की जा रही है। साथ ही यह भी बताया कि विभागीय अधिकारी बैठक में अनुपस्थित रहे उन पर कार्यवाही करने के लिए प्रस्ताव तैयार कर नोटिस जारी कर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। इस अवसर पर जनपद सदस्यगण, गणमान्य नागरिक एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

खैरलांजी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भुजलियां पर्व

विधि-विधान के साथ विसर्जन की गई भुजलियां : आपस में कजलियां देकर लिया बड़े बुजुर्गो का आशीर्वाद

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी में रक्षाबंधन के दूसरे दिवस भुजली पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम ग्राम पटेल नगपुरे परिवार के द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी सामूहिक रूप से मनाया गया। जहां पर ग्राम के सैकड़ो लोगों के द्वारा अपनी भुजली लेकर उपस्थिति दर्ज कराई गई। भुजली की पूजा अर्चना के पश्चात शोभा यात्रा निकालकर तालाब में भुजली का विसर्जन किया गया। तत्पश्चात एक दूसरे को भूजली देकर परस्पर सामाजिक सौहार्द का परिचय दिया गया। जिसमें बड़ों का आशीर्वाद लिया छोटों को आशीर्वाद दिया तो वहीं एक दूसरे के गले मिलकर शुभकामनाएं देने का दौर जारी रहा।

पूर्व सरपंच के यहां एकत्रित हुए ग्रामवासी

कजलियां भुजली पर्व प्रकृति प्रेम और खुशहाली से जुड़ा हुआ त्यौहार है यह कई सदियों से चला आ रहा है। इसकी उत्पत्ति बुंदेलखंड की मानी जाती है यह पर्व फसल की उन्नति का प्रतिक है। कजलियां का पर्व नागपंचमी से शुरू होता है और रक्षा बंधन के अगले दिन इसको तालाब में विसर्जन कर इसका समापन किया जाता है। इसी कड़ी में खैरलांजी के पूर्व सरपंच स्वर्गीय मोहनलाल नगपुरे के यहाँ पूर्वजो की परंपरा अनुसार भुजली पर्व का आयोजन हुआ। जिसमें ग्राम की समस्त माताएं बहने अपनी भुजली की टोकनियों के साथ उपस्थित हुई जहां पर सभी ग्राम वासियों ने जमकर उत्सव का आनंद लिया गया। इसके बाद विधि विधान से पूजा अर्चना कर शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में ग्राम वासियों के द्वारा अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर उत्सव का आनंद लिया गया।

बैंड बाजे के साथ निकाली शोभायात्रा

पूर्व सरपंच स्वर्गीय मोहनलाल नगपुरे के यहां भुजली को लेकर एकत्रित हुई माता बहनों के द्वारा बैंड बाजे की थाप पर भुजली की शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा ग्राम के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण कर मुख्य मार्ग से खैरलांजी कन्या शाला के समीप स्थित तालाब पर पहुंची। जहां पर शोभायात्रा का समापन कर विधि विधान से समस्त महिलाओं के द्वारा अपनी अपनी भुजली को तालाब में विसर्जित किया गया। इस विसर्जन स्थल पर ग्राम पंचायत के द्वारा साफ सफाई एवं सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे तो वहीं पुलिस प्रशासन भी सुरक्षा के लिए मौजूद रहा। जहां विसर्जन के पश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया।

गांधी चौक में मिलन समारोह का हुआ आयोजन

खैरलांजी के गांधी चौक बाजार स्थित हनुमान मंदिर के पास में मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जहाँ भूजली विसर्जन के बाद लोगों की भीड़ लगी रही तालाब में भुजली विसर्जन कर लौटे लोगों के द्वारा उपस्थित होकर विधि विधान से भगवान हनुमान जी की पूजा अर्चना की गयी। तत्पश्चात भगवान् को भुजली चढ़ाई गई वहीं ग्राम के विभिन्न मंदिरों में भी यह भुजली चढ़ाने के बाद मिलन समारोह प्रारंभ किया गया। जिसमें लोगों के द्वारा आपस में एक दूसरे को भुजली देकर बड़ों के प्रति आदर छोटू के प्रति स्नेह और बराबर वालों के प्रति सम्मान का भाव व्यक्त किया गया। जहां लंबे समय तक भुजली देने का दौर चला।

पूर्वजों की इस परंपरा को हमने आज भी जीवंत रखा है- रामकुमार नगपुरे

पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे ने बताया कि आदिकाल से भुजली पर्व चल रहा है। प्रमुख रूप से बुंदेलखंड से यह पर्व प्रारंभ हुआ था हम किसान लोग हैं यह पर्व फसल की उन्नति का प्रतिक है। इस पर्व को हमारे यहां भी बड़ी संख्या में लोगों के द्वारा मनाया जाता है और हम ग्राम पटेल है। जिनके द्वारा प्रतिवर्ष से यह कार्यक्रम सामूहिक रूप से मनाया जाता है। जो हमारे यहां पूर्वजों से चला आ रहा है इस परंपरा को हमने आज भी जीवंत रखा है। बाड़े में ग्राम के सभी लोग एकत्रित हुए पूजा अर्चना की गई बैंड बाजे के साथ शोभायात्रा निकालकर विसर्जन किया गया। हनुमान मंदिर में मिलन समारोह कर लोगों को भुजलियां दी गई यह पर्व प्रतिवर्ष की तरह दुगने उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया।

फोटो:: फॉसी

विजय कुल्हाड़े ने फांसी लगाकर की इहलीला समाप्त

बाथरूम के पास लटका मिला शव

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर ११ निवासी ५४ वर्षीय व्यक्ति के द्वारा फांसी लगाकर इहलीला समाप्त कर ली गई। इसमें बताया जा रहा है कि विजय कुल्हाड़े गंभीर बीमारी का मरीज था जिसने घर के बाथरूम के पास फांसी लगा ली। पुलिस ने मौके से शव बरामद कर मामले में आवश्यक कार्यवाही कर मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय कुल्हाड़े पिता लालचंद कुल्हाड़े उम्र ५४ वर्ष निवासी वार्ड नं.११ थाना वारासिवनी निवासी है जो अपने परिवार के साथ निवास करते थे। उन्हें गंभीर बीमारी हो गई थी जिनका उपचार चल रहा था वह बीमारी को लेकर बहुत ज्यादा परेशान रहते थे। ऐसे में उन्होंने ११ अगस्त की दोपहर में उनके द्वारा घर के बाथरूम में रस्सी के माध्यम से फांसी लगाकर इहलीला समाप्त कर ली गई। यह घटना को सबसे पहले परिजनों के द्वारा देखा गया इसके बाद वह रोने लगे और घटना की जानकारी आस पड़ोस में दी। जिनके मकान में भीड़ लग गई वार्डवासियों के द्वारा मामले की जानकारी पुलिस थाना वारासिवनी में दी गई। सुचना पर सहायक उपनिरीक्षक महलसिंह धुर्वे मौके पर पहुंचे जिनके द्वारा फांसी के फंदे पर लटके शव को नीचे उतारकर मामले में आवश्यक पंचनामा कार्यवाही की गई। वहीं शव को शासकीय सिविल अस्पताल के शव विच्छेदन गृह में लाकर पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने मामले में मर्ग क्रमांक ५१/२५ भारतीय न्याय संहिता की धारा १९४ के तहत प्रकरण तैयार कर जांच में लिया है। पुलिस को प्रार्थी अरविंद कुल्हाड़े ने बताया की मैं वार्ड नं. ११ वारासिवनी रहता हूं ठेकेदारी का काम करता हूं। ११ अगस्त के शाम करीबन ४.५५ बजे की बात है मेरी पत्नि का फोन आया की चाची वैशाली कुल्हाड़े एवं बुआ आशा गोखले रो रही है। शायद कुछ उनके घर पर हुआ है जल्दी घर आ जावे। फिर उसके बाद मैं घर आया और मेरे चाचा विजय कुल्हाड़े के घर जाकर देखा तो मेरे चाचा विजय कुल्हाड़े घर के पीछे बाथरूम से लगा एक लकड़ी का लाफा से गले में रस्सी के सहारे लटके हुये थे। मेरे चाचा विजय कुल्हाड़े कापी दिनो से बीमारी से पीड़ित थे । मेरे चाचा की मृत्यु फांसी लगने से हुई है हमे किसी प्रकार का कोई भी शक नहीं हैं।

स्वतंत्रता दिवस की परेड रिहर्सल प्रारंभ

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी नगर में स्वतंत्रता दिवस १५ अगस्त का राष्ट्रीय महापर्व हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस का मुख्य आकर्षण का केंद्र परेड़ की रिहर्सल प्रारंभ कर दी गई है जो १५ अगस्त के मुख्य अतिथि को सलामी देगी जिसमें १०ग्रुप शामिल होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील कार्यालय में एसडीएम के द्वारा १५ अगस्त के आयोजन को लेकर बैठक आयोजित की गई थी । जिसमें स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम एवं व्यवस्थाओं के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई थी। जिसमें लंबे समय से परेड़ कार्यक्रम को यथावत रखकर बेहतर परेड़ करने का आदेश दिया गया था। इसके बाद ११ अगस्त से परेड़ रिहर्सल प्रारंभ कर दी गई थी जो १४ अगस्त तक की जायेगी। इस दौरान एनसीसी स्काउट गाइड रेड क्रॉस सहित अन्य शासकीय विद्यालय के कैडेट्स को परेड़ के बारे में जानकारी देते हुए रिहर्सल करवायी जा रही हैं। जिसमें कैडेटस को एक साथ कदमताल करने, हाथ मिलाने, कप्तान के आदेश को सतर्क रहकर सुनने उसके बाद ही आगे के कार्यवाही करने एवं अन्य प्रक्रिया किस प्रकार की जाएगी। यह समस्त प्रकार की जानकारी देकर सभी से बार बार इसको लेकर परेड़ करवायी जा रही हैं। तत्पश्चात १४ अगस्त को परेड़ की अंतिम रिहर्सल करने के बाद फाइनल परेड १५ अगस्त को करवायी जायेगी। जो अब सीधे २६ जनवरी को गणतंत्र दिवस की परेड़ में मुख्य अतिथि को सलामी देंगे। हर वर्ष बालक वर्ग को परेड़ के अहम कार्य जैसे कप्तान गार्ड बनाया जाता था। परंतु इस बार महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए कप्तान और गार्ड २ बालक २ बालिकाओं को बनाया गया है। ऐसे में इस वर्ष बालिकाओं के द्वारा भी स्वतंत्रता दिवस की परेड़ संचालित की जायेगी जो आकर्षण का केंद्र रहेगा। एनसीसी अधिकारी अनु रहाँगडाले ने पद्मेंश से चर्चा में बताया कि स्वतंत्रता दिवस पर परेड़ कार्यक्रम का आयोजन होना है। जिसको लेकर परेड़ में भाग लेने वाले कैडेट्स की रिहर्सल करवाई जा रही है की किस प्रकार से कार्यवाही होती है और उन्हें अपना किस प्रकार प्रदर्शन देना है। इस दौरान समस्त कैडेट्स के द्वारा कड़ी मेहनत की गई है। यह रिहर्सल ११ अगस्त से प्रारंभ की गई थी जिसका समापन १४ अगस्त को फाइनल परेड़ के बाद किया जायेगा। इस वर्ष परेड़ में शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय शासकीय महाविद्यालय के सीनियर और जूनियर कैडेट्स मिलाकर १० ग्रुप भाग लेंगे। इस अवसर पर कैप्टन हेमंत मंडाले ,पूर्व फर्स्ट ऑफिसर शलभ सिंह बैस, एनसीसी अधिकारी अनु रहाँगडाले सहित कैडेट्स मौजूद रहे।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोशिएसन के पदाधिकारियों ने विधायक विवेक पटेल को सौंपा ज्ञापन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सोमवार को प्रोग्रेसिव पेंशनर्स ऐसोशिएसन के पदाधिकारियों जनसंम्पर्क कार्यालय पहुँचकर विधायक विवेक पटेल को विभिन्न मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने विधायक विवेक पटेल को बताया की प्रदेश के पांच लाख पेंशनर्स की जवंलत लंबित समस्याओं का निराकरण नहीं होने से पेंशनर्स एवं उनके परिवार में असंतोष व्याप्त है। और ना ही स्वास्थ्य संबंधी अन्य लाभ दिए जा रहे है,जिससे पेंशनर्स का मनोबल भी गिरा है और हमें हताशा ही हाथ लगी है। हमारी न्यायोचित मांगे जस की तस बनी हुई है जिसके पश्चात विधायक पटेल से उन्हें आश्वस्त किया की हमारे द्वारा इस विषय में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर आपकी सभी मांगो को उनके समक्ष रखा जाएगा। इस दौरान उपाध्यक्ष हेमराज लिल्हारे ,सचिव पी आर माहुलकर, सहसचिव पदमलाल पघरे,ज्ञानीराम गौतम, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती कुमुदिनी थोटे, कल्पना वासनिक सहित अन्य सदस्यगण मौजूद रहे। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोशिएसन के अध्यक्ष जीवनलाल धुवारे ने कहा की शासन की मंशा सदैव कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को वित्तीय लाभ नहीं दिए जाने की रहती है। वहीं न्यायालयो के निर्णय को भी मान्यता नहीं दी जाती है केंद्र सरकार एवं अन्य राज्यों के पेंशनर्स के कर्मचारियों को ५५ प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता दिया जा रहा है। परन्तु प्रदेश के पेंशनर्स को ५३ प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता दी जा रही है जो गलत है। आठवें वेतन आयोग के गठन होने के पूर्व में ही जो संशोधन वित्त विधेयक में किए गए वह पेंशनर्स के हित में नहीं है सरकार का ध्यान हमारी ओर नहीं है।

हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता अभियान की निकाली गई रैली

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर पालिका परिषद वारासिवनी के द्वारा हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता अभियान के अंतर्गत पैदल तिरंगा रैली निकालकर नगर का भ्रमण किया गया। यह कार्यक्रम जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें तिरंगा रैली नगर पालिका कार्यालय से निकालकर सब्जी बाजार होते परशुराम चौक, नेहरू चौक शहीद चौक एवं विभिन्न चौक चौराहा का भ्रमण करते हुए वापस कार्यालय पहुंचे। इस रैली में देश भक्ति गीतों के साथ लोगो को जागरूक किया गया। वहीं स्वच्छता मित्र के साथ साथ जनप्रतिनिधिगण पार्षद गण रैली में मार्गो की स्वच्छता साफ सफाई का कार्य भी किया गया एवं स्थानीय गाँधी चौक पर स्वच्छता शपथ तिरंगा प्रतीज्ञा ली गई। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके ने बताया कि यह तिरंगा रैली निकालकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया कि उक्त अभियान पूर्णत: सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंधित अभियान जिसमें सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग प्लास्टिक झण्डों का उपयोग एवं विक्रय पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। सभी को संदेश दिया कि हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता अभियान अंतर्गत स्वच्छता का ध्यान रखते हुए अपने अपने घरों कार्यालयों व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में ससम्मान पूर्वक तिरंगा लगावें। अभियान की जागरूकता प्रचार एवं देशभक्ति की भावना जागृत किये जाने नगर में प्रमुख स्थानों यथा गाँधी बाल उद्यान नगर पालिका कार्यालय एवं बस स्टैण्ड परिसर में सेल्फी पाईट स्थापित किये गये हैं। सभी नागरिकों से अपील की गई है कि अभियान अंतर्गत सभी का सहयोग एवं सहभागिता आवश्यक है। इस अवसर पर मनोज दांदरे ,धर्मेश जोशी ,प्रवीण डोंगरे ,सीएमओ सूर्यप्रकाश उके ,सुमित मोटवानी, श्रीमती अंशिका सिंह चौहान, हितेश हलमारे एवं समस्त नगर पालिका अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

हर घर तिरंगा का संदेश प्रसारित करने के लिए साईकिल रैली का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग बालाघाट के द्वारा लालबर्रा विकासखंड में ब्लॉक समन्वयक लव पटेल नगपुरे की उपस्थित में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान अंतर्गत तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। जिसमें युवा खिलाड़ियों तथा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के छात्रों के द्वारा तिरंगा साइकिल रैली एवं स्वच्छता जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह तिरंगा रैली लालबर्रा पांढरवानी से निकलकर पनबिहरी होते हुए स्टेडियम से लालबर्रा में सम्पन्न की गई। इस साईकिल रैली का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को अपने घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित करना था। यह अभियान लोगों में देशभक्ति की भावना को जागृत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान को बढ़ावा देगा। इस दौरान युवा खिलाड़ियों के द्वारा खेल ग्राउंड एवं स्टेडियम में साफ सफाई करके स्वच्छता और जल संरक्षण के प्रति लोगों जागरूक किया गया। खिलाड़ी के द्वारा तिरंगा मानव श्रृंखला बनाई तथा हर घर तिरंगा अभियान के तहत लोगों को राष्ट्रीय ध्वज फहराने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में छत्तरसिंह जय ठाकरे, राधिका नायक, कमलेश तुमसरे, सुमित तुमसरे, उमेश सपाटे, भीम राज ठाकरे, मुस्कान मरठे, स्वाति दमाहे, लव कुश भोयर, युवा खिलाड़ी युथ क्लब उपस्थित रहे।

भारत के महान वैज्ञानिक विक्रम साराभाई जैन को नमन

भारत माता के महान सपूत जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान के क्षेत्र में दुनिया में देश का नाम ऊंचा किया ऐसे विक्रम अंबालाल साराभाई जैन का 12 अगस्त 1912 को जन्म हुआ था। जन्म दिवस के अवसर पर हम उन्हें स्मरण कर रहे हैं। डॉ विक्रम साराभाई के नाम को अंतरिक्ष कार्यक्रम से अलग नहीं किया जा सकता यह बात दुनिया को पता है की वह विक्रम साराभाई ही थे, जिन्होंने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाया।आपका जन्म अहमदाबाद में श्री अंबालाल साराभाई के प्रतिष्ठित जैन परिवार में हुआ था।आपकी माता जी श्रीमती सरला साराभाई थी। आपकी माता सरला साराभाई ने प्रारंभिक शिक्षा मैडम मारिया मांटेसरी की तरह शुरू हुए पारिवारिक स्कूल में दिलाई।गुजरात कॉलेज में इंटरमीडिएट तक विज्ञान की शिक्षा पूरी करने के बाद वे सन 1937 में कैंब्रिज इंग्लैंड चले गए, जहां 1940 में प्रणमाकृतिक विज्ञान में ट्रायपोज डिग्री प्राप्त की। द्वितीय विश्व युद्ध शुरू होने पर वे भारत लौट आए और बेंगलूरू स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान में नौकरी करने लगे।जहां पर वह सी. वी. रमन के निरीक्षण में कॉस्मिक रेंज पर अनुसंधान करने लगे। द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति पर वे कॉस्मिक रेज भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में अपनी डॉक्ट्रेट पूरी करने के लिए कैंब्रिज लौट गए। सन् 1947 में उष्णकटिबंधीय अक्षांश ट्रॉपीकल लैटीट्यूड्स मैं कैंब्रिज विश्वविद्यालय ने उन्हें डॉक्ट्रेट की उपाधि से सम्मानित किया गया।

डॉं विक्रम साराभाई को भारत के महान संस्थान निर्माता माना जाता है। उनके द्वारा स्थापित लोकप्रिय संस्थानों में प्रमुख हैं भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला पीआरएल अहमदाबाद, भारतीय प्रबंध संस्थान आई आई एम अहमदाबाद, सामुदायिक विज्ञान केंद्र अहमदाबाद,दर्पण अकादमी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स अहमदाबाद, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र तिरुअनंतपुरम्, डॉ विक्रम साराभाई सांस्कृतिक गतिविधियों में भी गहरी रूचि रखते थे। वे संगीत, फोटोग्राफी, पुरातत्व, ललित कलाओं और अन्य अनेक क्षेत्रों से जुड़े रहे। डॉक्टर विक्रम साराभाई के व्यक्तित्व का सर्वाधिक उल्लेखनीय पहलू उनकी रुचि की सीमा और विस्तार तथा ऐसे तरीके थे, जिन्होंने अपने विचारों को संस्था में परिवर्तित किया।सृजनशील वैज्ञानिक, सफल और दूरदर्शी उद्योगपति, उच्च कोटि के प्रवर्तक, महान संस्थाओं के निर्माता, अलग किस्म के शिक्षाविद, कला पारखी, सामाजिक परिवर्तन के ठेकेदार, अग्रणी प्रबंध प्रशिक्षक आदि ऐसी अनेक विशेषताएं उनके व्यक्तित्व में समाहित थी। उनकी सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि वे एक ऐसे उच्च कोटि के इंसान थे जिसके मन में दूसरों के प्रति असाधारण सहानुभूति थी, जो भी उनके संपर्क में आता उनसे प्रभावित हुए बिना नहीं रहता था। धर्मपत्नी श्रीमती मृणालिनी साराभाई के साथ मिलकर उन्होंने मंच कलाओं की सांस्कृतिक संस्था दर्पण का गठन किया। उनकी बेटी मल्लिका साराभाई बड़ी होकर भरतनाट्यम् और कुचिपुड़ी की प्रसिद्ध नृत्यांगना बनी। डॉक्टर होमी जे भाभा की जनवरी 1966 में मृत्यु के बाद डॉक्टर साराभाई को परमाणु ऊर्जा आयोग का अध्यक्ष बनाया गया। साराभाई ने सामाजिक और आर्थिक विकास की विभिन्न गतिविधियों के लिए अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में छुपी हुई व्यापक क्षमताओं को पहचान लिया था। इन गतिविधियों में संचार, मौसम विज्ञान संबंधी भविष्यवाणी और प्राकृतिक संसाधनों के लिए अन्वेषण आदि सम्मिलित हैं।भारत के महान वैज्ञानिक बहुमुखी प्रतिभा के धनी डॉक्टर विक्रम साराभाई का 30 दिसंबर 1971 को कोवलम्, तिरुअनंतपुरम् केरल में आसामयिक स्वर्गवास हो गया।इस महान वैज्ञानिक के सम्मान में तिरुअनंतपुर में स्थापित थुंबा एक्वेटोरियल रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन टी आर एल एस और संबंधी अंतरिक्ष संस्थाओं का नाम बदलकर विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र कर दिया गया।

राज प्रकृति की नाराजगी से भयंकर सैलाब- प्रकृति की मानवीय कृतिय के लापरवाही की चेतावनी तो नहीं?

प्रकृति और मानव का संबंध सदियों पुराना है। जहां एक ओर प्रकृति ने मानव को जीवन जीने के लिए आवश्यक सभी संसाधन-जल, वायु,मृदा,खनिज, वन, जीव-जंतु आदि- प्रदान किए हैं, मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया,महाराष्ट्र यह मानता हूं कि मानव ने अपने स्वार्थवश इन संसाधनों का दोहन किया। आज जब पृथ्वी जलवायु परिवर्तन,ग्लेशियरों के पिघलने, असमय बाढ़,सूखा,तूफान, भूकंप, भूस्खलन जैसी तमाम प्राकृतिक विपदाओं से जूझ रही है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह केवल प्राकृतिक चक्र है या इसके पीछे कहीं न कहीं मानवीय हस्तक्षेप की भूमिका भी है? हम इसी प्रश्न की पड़ताल करेंगे और तथ्यों के आधार पर यह सिद्ध करेंगे कि धराली व किन्नौर में आपदा से तबाही- क्या यह आपदाएं प्राकृतिक चक्र है या इसके पीछे कहीं न कहीं मानवीय हस्तक्षेप की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता? साथियों बात अगर हम,भारत के हिमालयी क्षेत्र,विशेषकर उत्तराखंड का धराली गांव और हिमाचल प्रदेश का किन्नौर, हाल ही में भीषण प्राकृतिक तबाही के साक्षी बने हैं, की करें तो बादल फटने, भूस्खलन, अचानक आई बाढ़, और गांवों का अस्तित्व मिटा देने वाली घटनाओं ने न केवल जन-धन का भारीनुकसान किया, बल्कि एक बड़ा सवाल भी खड़ा किया-क्या ये आपदाएं केवल प्रकृति की आपूर्ति थीं या मानवीय लालच, अंधाधुंध निर्माण, खनन और जलवायु परिवर्तन जैसे कारकों का नतीजा भारत के हिमालयी क्षेत्र, विशेषकर उत्तराखंड का धराली गांव और हिमाचल प्रदेश का किन्नौर, हाल ही में भीषण प्राकृतिक तबाही के साक्षी बने हैं। बादल फटने, भूस्खलन, अचानक आई बाढ़, और गांवों का अस्तित्व मिटा देने वाली घटनाओं ने न केवल जन-धन का भारी नुकसान किया, बल्कि एक बड़ा सवाल भी खड़ा किया-क्या ये आपदाएं केवल प्रकृति की आपूर्ति थीं या मानवीय लालच, अंधाधुंध निर्माण, खनन और जलवायु परिवर्तन जैसे कारकों का नतीजा ?इस लेख में हम धराली और किन्नौर की घटनाओं का विस्तारपूर्वक विश्लेषण करेंगे, और यह समझने की कोशिश करेंगे कि कैसे प्राकृतिक संसाधनों का दोहन, असंवेदनशील विकास, और पर्यावरणीय चेतावनियों की अनदेखी ने इन शांत पर्वतीय क्षेत्रों को विनाश के मुहाने पर ला खड़ा किया। (1) बिना पर्यावरणीय मूल्यांकन के सड़कों और सुरंगों का निर्माण हो रहा है। (2) पहाड़ों को डायनामाइट से उड़ाकर हाईवे बनाए जा रहे हैं। (3) जलविद्युत परियोजनाएं नदियों के प्रवाह को रोककर क्षेत्रीय इकोसिस्टम को ध्वस्त कर रही हैं। (4) पेड़ कट रहे हैं, और कंक्रीट के जंगल उगाए जा रहे हैं।इनका परिणाम- (1) ज़मीन की पकड़ कमजोर हो जाती है। (2) पानी का स्तर गिरता है।(3) पारिस्थितिक असंतुलन बढ़ता है। (4) बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आम हो जाती हैं। चार धाम सड़क परियोजना- उत्तराखंड में चार धाम सड़क परियोजना के नाम पर हज़ारों पेड़ों की कटाई की गई। पर्यावरणविदों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि यह इलाका भूस्खलन-प्रवण है। फिर भी सड़कों को चौड़ा करने के लिए बड़े-बड़े हिस्सों को नष्ट कर दिया गया।पर्यटन का असंवेदनशील विस्तार- किन्नौर और धराली जैसे क्षेत्र अब टूरिज्म हॉटस्पॉट बन गए हैं। इसके चलते- (1) अवैज्ञानिक होटल निर्माण हुआ। (2) जैविक अपशिष्ट नदियों में फेंका गया। (3) वॉटर रीसोर्सेज़ पर अतिरिक्त दबाव पड़ा।(4) स्थायी जनसंख्या से अधिक वाहनों का प्रवेश हुआ।- अवैध खनन और निर्माण कार्य(1) किन्नौर के पहाड़ों में अवैध खनन बहुत वर्षों से चल रहा है। (2) स्थानीय लोगों की शिकायतों के बावजूद प्रशासनिक चुप्पी रही। (3) यह गतिविधियाँ भूगर्भीय अस्थिरता को और बढ़ावा देती हैं, जिसे रेखांकित करना होगा। साथियों बातें कर हम धराली उत्तराखंड के बाद किन्नौर हिमाचल प्रदेश में 6 अगस्त 2025 को बादल फटने की करें तोधराली के बाद हिमाचल प्रदेश में भी हालात खराब दिखाई दे रहे हैं,उत्तरकाशी में नदी के बढ़े जलस्तर व आस-पास के क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए। धराली उत्तरकाशी में सभी सरकारी एजेंसियां, विभाग और सेना आपसी समन्वय से राहत एवं बचाव कार्य में लगे हुए हैं। बीती रात 130 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया है। बंद रास्तों को खोला जा रहा है और प्रभावितों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उत्तराखंड के सीएम का कहना है,पूरा धराली आपदा की चपेट में आ गया है, और कल की घटना के बाद वहां कई चरणों में मलबा आया है. मैंने आज वहां जाकर लोगों से मुलाकात की, उनसे बात की और घटना की जानकारी ली, आपदा से सब कुछ तबाह हो गया, इसके साथ ही शाम तक सेना के जवानों ने करीब 190 लोगों को बचा लिया है,उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है, अभी घायलों को भी वहां से रेस्क्यू कर उत्तरकाशी लाया जा रहा है,कई जगहों पर भूस्खलन से पूरा संपर्क मार्ग पूरी तरह प्रभावित हुआ है।सरकार सभी व्यवस्थाएं करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, प्रधानमंत्री ने भी हमें हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया है,और उनके मार्गदर्शन में हम आपदा पीड़ितों की समुचित मदद करेंगे,यह स्पष्ट है कि पहाड़ी क्षेत्रों में हो रहे कटाव, भूस्खलन और सडकों के धंसने जैसी आपदाओं के लिए प्रकृति नहीं, बल्कि मानव की अविवेकपूर्ण योजनाएं, लालची विकास मॉडल और पर्यावरणीय उपेक्षा ही मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। जब तक विकास की दिशा में संतुलन और संवेदनशीलता नहीं लाई जाती, तब तक ऐसी त्रासदियां दोहराती रहेंगी। साथियों बात अगर हम आज पृथ्वी पर पर्यावरण के संतुलनया पर्यावरण को अपने हिसाब से इस तरह महसूस करने की करें तो (1) हिमालय से ग्लेशियरों के पिघलनेकी तेज गतिके चलते समुद्र जलस्तर 1.5 मिली मीटर प्रतिवर्ष बढ़ रहा है,जिस कारण वायु प्रदूषण ग्रीन हाइड्रो गैसों के कारण यह सब हो रहा है, दूसरा धरती अपनी धुरी से एक डिग्री तक खिसक गई है,वन तेजी से कम हो रहे हैं व पर्यावरण कार्बन डाइऑक्साइड बढ़ रहा है (2) पांच जगह पर अधिक खनन हो रहा है,नदी के पास,पहाड़ की कटाई,खनिज धातु खनन, समुद्री इलाकोंमें खनन, पानी के लिए धरती क्षेत्र में बोरिंग रेत गिट्टी हीरा कोयला तेल पेट्रोल के लिए कई हजारों फीट खुदाई। (3) जलवायु में ऑक्सीजन का घटना भी कारण है, क्योंकि जंगलों में कटाई से ऑक्सीजन की मात्रा घटने स्वाभाविक ही है। (4) अल्ट्रा वायरस किरणों का खतरा भी बढ़ गया है। (5) सबसे बड़ा परिणाम हम देख रहे हैं कि जलसंकट गहराता जा रहा है क्योंकि विभिन्न प्रकार के बनाए गए बांध व मानवीय खुराफात के कारण जल अपव्यय हो रहा है।यह सबघटनाएं हम मानवीय खुरापात के कारण हो रही है और हम उन्हें रोकने में असमर्थ हो रहे हैं, अगर हमें पृथ्वी को बचाना है तो पर्यावरण को प्रदूषण से बचाना होगा, क्योंकि धरती मां को पर्यावरण प्रदूषण से बचाना परम मानवीय धर्म है,साथियों बातें अगर हम जलवायु परिवर्तन और मानवीय हस्तक्षेप की करें तो जलवायु परिवर्तन और उससे उत्पन्न प्राकृतिक आपदाएं अब केवल भविष्य की चेतावनी नहीं, बल्कि वर्तमान की सच्चाई बन चुकी हैं। हर वर्ष हम सैकड़ों जानें, करोड़ों रुपये की संपत्ति, और बहुमूल्य पर्यावरणीय संसाधन खोते जा रहे हैं। इन सबके पीछे यदि कोई सबसे बड़ा कारण है तो वह है-मानव का प्रकृति में अनियंत्रित हस्तक्षेप। अब भी समय है कि हम अपनी विकास की परिभाषा को पुन: गढ़ें-एक ऐसी परिभाषा जो सतत हो, समावेशी हो, और पारिस्थितिकी के अनुकूल हो। यदि हमने अब भी नहीं सीखा,तो प्रकृति का प्रतिशोध कहीं अधिक विनाशकारी होगा,जिसकी कीमत पूरी मानवता को चुकानी पड़ेगी। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नाराज प्रकृति की नारा?गी से भयंकर सैलाब- प्रकृति की मानवीय कृतिय ? लापरवाही की चेतावनी तो नहीं? प्रकृति ने मानव को जीवन जीने के लिए आवश्यक सभी संसाधन दिए-मानव ने अपने स्वार्थवश इन संसाधनों का दोहन किया? धराली व किन्नौर में आपदा से तबाही- क्या यह आपदाएं प्राकृतिक चक्र है? या इसके पीछे कहीं न कहीं मानवीय हस्तक्षेप की भूमिका भी है?

- किशन सनमुखदास भावनानी

सावन माह में महाकालेश्वर मंदिर के दिव्य दर्शन

धन्य-धन्य है वह धरा है,जहाँ पतित पावनी गंगा युग युगातरों से निर्मिल, निश्चल धारा बह रही है,तो वही दूसरी ओर पवर्तराज हिमालय देश के दुशमनों से रक्षा करने के अपना कर्त्तव्य निर्वाह करने को सैदव तत्पर है।ऐसी पवित्र पावन भारत भूमि में जन्म लेने के मानव को तरसते है। बड़ भागी है हम और आप जो जन्म भुमि को भारत माता कहकर पुकारते है।यहाँ के पवित्र कण कण भगवान का वास है,तो हर कंकर में शंकर की दिव्य उपस्थित की झलक दिखती है।इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हमारे धर्मशास्त्रों व वेद उपनिषदों में उल्लेख मिलता है।तभी तो इस पवित्र धरा पर स्वयं राम,कृष्ण,नानक,बुद्ध, महाबीर,कबीर आदि ऋषि-मुनियों,संत-महापुरुषों ना केवल जन्म लिया बल्कि इस पवित्र भूमिअपनी तपोस्थली बनाते हुए सम्पूर्ण श्रृष्टि का जनकल्याण किया है।इसका स्वंय साक्षी बनने का विगत दिनो मध्यप्रदेश के उज्जैन में स्थित महाकालेश्वर मंदिर के दिव्य दर्शन के दौरान अपने मीडिया मित्रों के संग स्वर्णिम पल का सु:खद आनंद मिला,वे भी सावन के पवित्र माह में स्वयं कालो के काल महाकाल का दर्शन करने का,ऐसा मैने अक्सर कहते हुए सुना है कि जब आप के पुण्य प्रताप एकत्रित होते है,स्वंय प्रभु ही आप को किसी न किसी को माध्यम बनाकर आप को दर्शन देते है।मेरे साथ भी कुछ ऐसे ही हुआ है।मेरे पास एक परिचित बन्धु का फोन आया कि भाई साहब महाकाल का दर्शन करना चाहेगें आप ?,मैने अचानक बिना सवाल किये कहा कि क्यूँ नही,सदाशिव सदगुरू का दर्शन वे भी सावन के पवित्र माह में।आज मै आप सभी कालों के काल महाकाल अथार्त महाकालेश्वर मंदिर के दिव्य दर्शन के बारे में बता रहा हूँ।यूँ तो यह हमारी नेशनल मीडिया यात्रा थी,हम सभी एक अधिकृत अधिकारी के कुशल नेतृत्व में दिल्ली से इन्दौर हवाई मार्ग से पहुँच गए,जहाँ रानी अहिल्यावाई होल्कर हवाई अड्डे के बाहर हम सभी का आपस मेंऔपचारिक परिचय व स्वागत के बाद सड़क मार्ग से विश्राम स्थल पर पहुँचे,जहाँ हमने दोपहर का भोजन का आनंद लिया।इसके बाद इन्दौर से हमारी मीडिया टीम अपने कर्मक्षेत्र ताजपुर रेलवें पर पहुंचे गए।सर्वविदित रहे कि यहाँ भारतीय रेलवे द्वारा इस स्टेशन पर पायलेट प्रोजेक्ट के अर्न्तगत डायरेक्ट ड्राईव इन्टर लाकिंग सिस्टम परियोजना के प्रयोग के लिए आयोजित की गई थी।यहाँ हमें रेलवे के नवीन तकनीकीयों की बारिकियों के बारे में तथा इस नई तकनीक की जानकारी परियोजना के सम्बन्धित अधिकारी से मिली।यहाँ के अन्य स्थानीय अधिकारीयों व कर्मचारियों के संग हम सभी ने चाय की चुस्कियों का आनंद लेते हुए उनके नए व पुरानें कार्य प्रणाली जैसे रेल फाटक लॉक सिस्टम,रेल आगमन- प्रस्थान की सुचना,हरी झंडी आदि कायों को नजदीक से देखने का मौका मिला।इसमें रेलवे की नई सुरक्षा प्रणाली, रेलगाड़ी अभी किस स्टेशन पर से गुजर रही है-कहाँ पहुँचने वाली आदि सुचनाएँ कन्ट्रोल रूम में लगे हुए मॉनिटर पर देखा।आज के पूर्व र्निधारित कार्य से निवृत होकर यहाँ से सभी मीडिया मित्र अपने चेहरों पर थकान की लकीरें सिमट हुए हमारा काफिला ताजपुर रेलवे स्टेशन से इन्दौर के लिए वापसी के लिए रवाना हुई।तभी मेरी कार में हमारे सहयात्री सुश्री रानी सिंह राजपुत व विभागीय अधिकारी जिसका नाम घनश्याम सिंह यादव जी,जो काफी ही शांत स्वाभाव व एक सुलझें व अनुभवी अधिकारी से जो कि एकअच्छे व्यक्ति है।उन्होंने हमदोनों की चेहरे की थकान को भापते हुए कहा कि आपलोग अभी ही थक गए हो,अभी तो आपको महाकाल के दर्शन भी कराने है।तभी मेरे मुँह से हाँ निकाला,मुझसे आपनें वादा किया है।शुक्रिया साहब आपका,तभी तपाक से रानी मैडम बोली कि क्या हमलोगों यहाँ से महाकालेश्वर मंदिर का दर्शन करनें जायेंगे।मंदिर दर्शन के नाम से हम तीनों की आज थकान दुर हो गई।तभी मैने हाँ,मैने तो अपने लिए भारतीय वस्त्र भी लाये है।जिसे धारण कर हमअपने सद्गुरु शंकर अर्थात कालों के काल महाकाल महाकालेश्वर के दिव्य मंदिर दर्शन करने जायेंगे।आप को नही चलना मैडम जी है क्या।तपाक से रानी मैडम ने हम दोनों इंगित करते हुए कहा कि क्यों नही हम जायेंगे क्यूँ नहीं,हम जायेंगे-जायेंगें , - - लेकिन आपलोग स्वार्थी हो।जब आप को पता था विनोद सर कि प्रेस कवरेज के बाद हम सभी को बाबा महाकालेश्वर का दर्शन करने हेतू मंदिर जाने वाले है तो आप ने हमें क्यो नही बतलाया!अगर मुझे भी पता होता तो हम भी भारतीय वस्त्र व परिधान अपने संग अपने आराध्य प्रिय भगवान भोलेनाथ के दिव्य ज्योति स्वरूप महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का दर्शन करते।मै आप से बहुत ही नाराज हूँ।आपको इसके लिए पैलेन्टी लगेगी।क्यूँ सर ?इस पर दोनों सहयात्री इस पर एकमत थें। मैने वस्तुस्थित व मैडम की मनोस्थित को भापते हुए बड़े ही चालाकी व चुतराई से काम लेते हुए कहा कि बाँस आपके आदेश का अरक्षण पालन होगा।किन्तु मेरे पास तो आप का चलन्त-फिरन्त यंत्र सम्पर्क अंक अर्थात मोबाईल न0तो था नही, अभी भी नही है।इतने में हम तीनों के आज थकान दुर हो गई।मैआपको बताना भुल गए कि हमारी इस मात्रा 8 कारों का काफिला था।जिसमें मेरे कार का न02 था।चुँकि मेरे वाली कार में अधिकृत अधिकारी व कार का चालक जो कि गुजरात का रहने वाला व स्थानीय जगह की बारिको से चिर परिचित था तथा कार न 0 -3 में ट्रेफिक किलयर करने हेतू साईरन थी।जो हमारे कार के आगे व शेष 6 कारें पीछे पीछे चल रही था।शाम के समय हम उजैन्न के मंदिर प्रांगन में पहुँच गए।मंदिर प्रागण प्रोटोकाल के अनुसार सभी कारें पार्किंग स्थल पर खड़ी करें,इस के पूर्व मैने अपने आराध्य सद्गुरु देव द्वारा आर्शीवाद स्वरूप मिले गेरुवा बस्त्र घोती व कुत्ता धारण करते ही मुझे सन 2000 में इस दिव्य प्रांगन मे सद्गुरु देव माँ के दिव्य सान्धिय व सामीप्य बिताये यादे ताजी हो गई।जब स्वयं गुरुदेव - गुरु माँ जी ने इसी मंदिर परिसर में अपने शिवहस्त हाथों से तिलक लगाते हुए विशेष आर्शीवाद दिये थे।तभी मैने हाँ यहाँ के दर्शन के लिए मैने बिना सवाल जबाब अपनी सहमति दे दी यें मंदिर के प्रांगन में साधना के क्रम में सु:खद अनुभुति मिली।आप को बता दे कि महाकालेश्वर का यह प्राचीन व पौराणिक मन्दिरभारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक प्राचीन दिव्य शिव मंदिर है,जिसका अपना ऐतिहासिक व पौराणिक महत्व है। जिसका स्पष्ट उल्लेख हमारे पुराणों व धर्मग्रंथों में मिलता है।इस यात्रा के हमारे सहयात्री व रेलवे अधिकारी घनश्याम जी के अनुसार प्राचीन काल में यहाँ पर दूषण नामक एक राक्षस ने अवंती(उज्जैन का प्राचीन नाम)के निवासियों को हमेशा ही परेशान किया करते थे।यहाँ के संत ऋषियो नें अपनी तपस्या से भगवान शिव को प्रसन्न कर राक्षषों से त्राण दिलाने हेतु प्रार्थना किया था। परिणाम स्वरूप स्वयं सद्गुरू शिव अपने भक्तों की रक्षा हेतु स्वंय लिंगम से प्रकट होकर दुष्ट राक्षस को ना हराया बल्कि महाकालेश्वर के रूप में यहाँ निवास किया।

- विनोद तकियावाला

युवाः वर्तमान की क्रांति एवं शांति के वाहक

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस केवल एक कैलेंडर की तारीख नहीं है, बल्कि यह हमें याद दिलाता है कि आज की दुनिया में परिवर्तन का सबसे बड़ा वाहक युवा हैं। यह दिन संयुक्त राष्ट्र ने युवाओं के अधिकार, अवसर और योगदान को मान्यता देने के लिए तय किया है, लेकिन इसकी वास्तविक सार्थकता तभी है जब हम युवाओं को केवल 'भविष्य के नेता' कहकर टालें नहीं, बल्कि उन्हें वर्तमान का निर्णायक शक्ति केंद्र मानें। आज भारत की आबादी में लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा 35 वर्ष से कम उम्र का है। यह केवल सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि संभावनाओं का महासागर है। लेकिन इन संभावनाओं को दिशा देने के लिए केवल शिक्षा या नौकरी पर्याप्त नहीं; दृष्टि, मूल्यों और संकल्प की भी उतनी ही आवश्यकता है। क्योंकि युवा क्रांति का प्रतीक है, ऊर्जा का स्रोत है, इस क्रांति एवं ऊर्जा का उपयोग रचनात्मक एवं सृजनात्मक हो, इसी ध्येय से सारी दुनिया प्रतिवर्ष में सन् 2000 में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन आरम्भ किया गया था। यह दिवस मनाने का मतलब है कि युवाशक्ति का उपयोग विध्वंस में न होकर निर्माण में हो। युवा, शांति और सुरक्षा पर सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2250 (9 दिसंबर 2015) शांति को ब?ावा देने और उग्रवाद का मुकाबला करने में युवा शांति निर्माताओं को शामिल करने की तत्काल आवश्यकता की अभूतपूर्व स्वीकृति का प्रतिनिधित्व करता है, और स्पष्ट रूप से युवाओं को वैश्विक प्रयासों में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्थान देता है।

स्वामी विवेकानंद का आह्वान आज भी गूंजता है-'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।' इस अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर हमें न केवल युवाओं की सराहना करनी है, बल्कि उन्हें जिम्मेदारी सौंपनी है, क्योंकि वे सिर्फ कल के नहीं, बल्कि आज के भी निर्माता हैं। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के नवनिर्माण के लिये मात्र सौ युवकों की अपेक्षा की थी। क्योंकि वे जानते थे कि युवा 'विजनरी' होते हैं और उनका विजन दूरगामी एवं बुनियादी होता है। उनमें नव निर्माण करने की क्षमता होती है। नया भारत निर्मित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी युवाशक्ति को आगे लाना होगा। युवा किसी भी देश का वर्तमान और भविष्य हैं। वो देश की नींव हैं, जिस पर देश की प्रगति और विकास निर्भर करता है। लेकिन आज भी बहुत से ऐसे विकसित और विकासशील राष्ट्र हैं, जहाँ नौजवान ऊर्जा व्यर्थ हो रही है। कई देशों में शिक्षा के लिए जरूरी आधारभूत संरचना की कमी है तो कहीं प्रछन्न बेरोजगारी जैसे हालात हैं। युवा अनेक विसंगतियों एवं बुराइयों से घिरे हैं।

युवाओं में जोश होता है, लेकिन बिना दिशा का जोश आग भी लगा सकता है और दीपक भी जला सकता है। यह चुनाव हमारे हाथ में हैकृहम उन्हें सृजनशील बदलाव के शिल्पी बनाते हैं या अराजकता के उपकरण। महात्मा गांधी ने कहा थाकृ'आप वह बदलाव बनें जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।' युवा इस वाक्य को केवल नारा न बनाएं, बल्कि अपने जीवन का सूत्रवाक्य बनाएं। आज के युवा के सामने बेरोजगारी, मानसिक तनाव, नशे की लत, डिजिटल व्यसन, और सामाजिक असमानता जैसी चुनौतियां हैं। लेकिन इन्हीं के बीच नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति, डिजिटल क्रांति, और वैश्विक मंच पर पहचान बनाने के अनगिनत अवसर भी हैं। जरूरत है-आत्मनिर्भर सोच की, नैतिकता आधारित नेतृत्व की और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता की। जब जलवायु परिवर्तन, शांति स्थापना, मानवाधिकार, और वैश्विक न्याय जैसे मुद्दों की बात आती है, तो दुनिया युवाओं की आवाज सुनना चाहती है। स्वीडन की ग्रेटा थनबर्ग से लेकर भारत के अनगिनत सामाजिक नवप्रवर्तकों तक-युवा यह साबित कर रहे हैं कि उम्र कोई बाधा नहीं, दृष्टि और साहस ही असली पूंजी है। युवाओं के हाथ में केवल भविष्य की मशाल नहीं, बल्कि वर्तमान की बागडोर भी है। अगर वे खुद को केवल दर्शक बनाकर रखेंगे, तो इतिहास उनके बिना आगे बढे जाएगा। लेकिन अगर वे सक्रिय भागीदारी करेंगे, तो इतिहास उन्हें अपने पन्नों में सुनहरे अक्षरों में दर्ज करेगा।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस मनाते हुए मूल प्रश्न है कि क्या हमारे आज के नौजवान भारत को एक सक्षम देश बनाने का स्वप्न देखते हैं? या कि हमारी वर्तमान युवा पीढ़ी केवल उपभोक्तावादी संस्कृति से जन्मी आत्मकेन्द्रित पीढ़ी है? दोनों में से सच क्या है? दरअसल हमारी युवा पीढ़ी महज स्वप्नजीवी पीढ़ी नहीं है, वह रोज यथार्थ से जूझती है, उसके सामने भ्रष्टाचार, आरक्षण का बिगड़ता स्वरूप, महंगी होती जाती शिक्षा, कैरियर की चुनौती और उनकी नैसर्गिक प्रतिभा को कुचलने की राजनीति विसंगतियां जैसी तमाम विषमताओं और अवरोधों की ढेरों समस्याएं भी हैं। उनके पास कोरे स्वप्न ही नहीं, बल्कि आंखों में किरकिराता सच भी है। इन जटिल स्थितियों से लौहा लेने की ताकत युवक में ही हैं। क्योंकि युवक शब्द क्रांति का प्रतीक है। विचारों के नभ पर कल्पना के इन्द्रधनुष टांगने मात्र से कुछ होने वाला नहीं है, बेहतर जिंदगी जीने के लिए मनुष्य को संघर्ष आमंत्रित करना होगा। वह संघर्ष होगा विश्व के सार्वभौम मूल्यों और मानदंडों को बदलने के लिए। सत्ता, संपदा, धर्म और जाति के आधार पर मनुष्य का जो मूल्यांकन हो रहा है मानव जाति के हित में नहीं है। दूसरा भी तो कोई पैमाना होगा, मनुष्य के अंकन का, पर उसे काम में नहीं लिया जा रहा है। क्योंकि उसमें अहं को पोषण देने की सुविधा नहीं है। क्योंकि वह रास्ता जोखिम भरा है। क्योंकि उस रास्तें में व्यक्तिगत स्वार्थ और व्यामोह की सुरक्षा नहीं है। युवापीढ़ी पर यह दायित्व है कि संघर्ष को आमंत्रित करे, मूल्यांकन का पैमाना बदले, अहं को तोड़े, जोखिम का स्वागत करे, स्वार्थ और व्यामोह से ऊपर उठे। युवा दिवस मनाने का मतलब है-एक दिन युवकों के नाम। इस दिन पूरे विश्व में युवापीढ़ी के संदर्भ में चर्चा होगी, उसके ह्रास और विकास पर चिंतन होगा, उसकी समस्याओं पर विचार होगा और ऐसे रास्ते खोजे जायेंगे, जो इस पीढ़ी को एक सुंदर भविष्य दे सकें। इसका सबसे पहला लाभ तो यही है कि संसार भर में एक वातावरण बन रहा है युवापीढ़ी को अधिक सक्षम और तेजस्वी बनाने के लिए। युवकों से संबंधित संस्थाओं को सचेत और सावधान करना होगा और कोई ऐसा सकारात्मक कार्यक्रम हाथ में लेना होगा, जिसमें निर्माण की प्रक्रिया अपनी गति से चलती रहे। विशेषत: राजनीति में युवकों की सकारात्मक एवं सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित करना होगा। अर्नाल्ड टायनबी ने अपनी पुस्तक 'सरवाइविंग द फ्यूचर' में नवजवानों को सलाह देते हुए लिखा है 'मरते दम तक जवानी के जोश को कायम रखना।' उनको यह इसलिये कहना प?ा क्योंकि जो जोश उनमें भरा जाता है, यौवन के परिपक्व होते ही उन चीजों को भावुकता या जवानी का जोश कहकर भूलने लगते हैं। वे नीति विरोधी काम करने लगते है, गलत और विध्वंसकारी दिशाओं की ओर अग्रसर हो जाते हैं। इसलिये युवकों के लिये जरूरी है कि वे जोश के साथ होश कायम रखे। इसीलिये सुकरात को भी नवयुवकों पर पूरा भरोसा था। वे जानते थे कि नवयुवकों का दिमाग उपजाऊ जमीन की तरह होता है। उन्नत विचारों का जो बीज बो दें तो वही उग आता है। एथेंस के शासकों को सुकरात का इसलिए भय था कि वह नवयुवकों के दिमाग में अच्छे विचारों के बीज बोने की क्षमता रखता था। आज की युवापी?ी में उर्वर दिमागों की कमी नहीं है मगर उनके दिलो दिमाग में विचारों के बीज पल्लवित कराने वाले स्वामी विवेकानन्द और सुकरात जैसे लोग दिनोंदिन घटते जा रहे हैं। कला, संगीत और साहित्य के क्षेत्र में भी ऐसे कितने लोग हैं, जो नई प्रतिभाओं को उभारने के लिए ईमानदारी से प्रयास करते हैं? हेनरी मिलर ने एक बार कहा था- ''मैं जमीन से उगने वाले हर तिनके को नमन करता हूं। इसी प्रकार मुझे हर नवयुवक में वट वृक्ष बनने की क्षमता नजर आती है।'' महादेवी वर्मा ने भी कहा है ''बलवान राष्ट्र वही होता है जिसकी तरुणाई सबल होती है।'' इसीलिये युवापीढ़ी पर यह दायित्व है कि वह युवा दिवस पर कोई ऐसी क्रांति घटित करे, जिससे युवकों की जीवनशैली में रचनात्मक परिवर्तन आ सके, हिंसा-आतंक-विध्वंस की राह को छोड़कर वे निर्माण की नयी पगडंडियों पर अग्रसर हो सके।

- ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। लेवाली कमजोर रहने से सोमवार को अनाज मंडी में चना नरमी पर रहा। मूंग व उड़द में मजबूती देखी गयी। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन 4700-4750 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। किराना जिंसों में बाजार सुस्त रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली कमजोर रहने से बाजार 25-50 रू. प्रति क्विंटल की नरमी पर रहे। मूंग व उड़द में मजबूती देखी गयी। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन 4700-4750 रू. प्रति क्विटल पर मजबूती पर रहे। उधर, किराना जिंसों में बाजार सुस्ती रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4200-4230, खोपरा गोला 310-380, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-265, मीडियम 280-285, ऊंझा हल्का 270-275, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 830-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 860-880, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300-3350, (160) 4100-4150, (200) 4800-4850, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1335-1360, मुम्बई 1375, राजकोट तेलिया 2145-2150, सोया साल्वेंट 1150-1160, सोया रिफाइंड 1215-1220, कपास्या 1300-1310, धूलिया 1320, कड़ी 1320,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1335, मुम्बई पाम 1210, मुम्बई सोया 1250,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7100-7300, रायडा 6600-6800, सोयाबीन 4700-4800, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6400-6425, एवरेज 5600-5700, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रर्शा?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6200-6250, एवरेज 6100-6150, मूंग देशी 7500-7600, पाला 7600-7700, चमकी 7700-7800, नायलोन 7900-8000, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 115000, चाँदी (99) 114900, टंच 114200, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 100000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 23 पैसे की गिरावट के साथ ही 87.73 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे मजबूत होकर 87.50 पर पहुंच गया। वहीं गत शुक्रवार को रुपया 87.58 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, डॉलर में कमजोरी और वैश्विक घटनाक्रमों के प्रति निवेशकों की सतर्कता ने रुपये को मजबूती प्रदान की। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.56 पर खुला और थोड़ी ही देर में 87.50 के स्तर पर पहुंच गया। विशेषज्ञों का मानना है कि रुपया सोमवार के सत्र में 87.25 से 87.80 के दायरे में रह सकता है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी। आपको कोई पुरस्कार आदि भी मिल सकता है, जिससे आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आपको अपने किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लग सकती है। आप अपनी संतान के मनमाने व्यवहार को लेकर थोड़ा टेंशन में आ सकते हैं। पिताजी की सेहत थोड़ा कमजोर रहेगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए आय के सोर्सो पर ध्यान देने के लिए रहेगा। आपको किसी अजनबी से कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से बचना होगा। आप अपनी आय को ध्यान में रखकर बजट बनाकर चलें, तो आप भविष्य को लेकर कुछ बचत कर पाएंगे। आपकी माताजी आपसे किसी बात को लेकर नाराज हो सकती हैं। यदि ऐसा हो, तो आप उन्हे मनाने की पूरी कोशिश करें।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए खर्चो पर थोड़ा ध्यान देने के लिए रहेगा। आप किसी के कहने में आकर कोई इंवेस्टमेंट करने की सोचेंगे, जिसमें आपको कोई नुकसान भी हो सकता है। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपको कार्यक्षेत्र में काम को लेकर कुछ चुनौतियां आएंगी, जिनका आपको डटकर सामना करना होगा। किसी नई गाड़ी की खरीदारी की आप योजना बना सकते हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आप संतान को कोई बड़ी जिम्मेदारी थोड़ी सोच समझकर दें। आपका कोई लेनदेन से संबंधित मामला आपके लिए समस्या खड़ी करेगा। आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी। आपके बॉस से रिश्ते बेहतर रहेंगे, जिससे आपके प्रमोशन का जिक्र भी शुरू हो सकता है। आपको यदि किसी काम को लेकर कोई समस्या चल रही थी, तो वह भी दूर होगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपको एक के बाद एक खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आप अपने पिताजी से काम को लेकर सलाह ले सकते हैं। घर के रिनोवेशन का काम भी शुरू हो सकता है। आपका मन किसी यात्रा पर जाने को कर सकता है, लेकिन आप किसी से मांगकर वाहन चलाने से बचें। आप शौक मौज की चीजों की खरीदारी पर ज्यादा ध्यान देंगे, जिससे आपके कुछ बेफिजूल के खर्च बढ़ सकते हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए सावधानी पूर्वक चलने के लिए रहेगा। आप किसी को धन उधार ना दें और आपको किसी से की वादा भी बहुत सोच समझकर करना होगा। आप शेयर मार्केट में कोई जोखिम न लें। आने वाले समय में आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं। आप अपने बॉस की बातों पर पूरा ध्यान देंगे, जिससे आप किसी काम को आसानी से कर सकेंगे। आपके कुछ नए शत्रु उत्पन्न हो सकते हैं, लेकिन परिवार में किसी सदस्य की सेहत में गिरावट आ सकती है।

तुला- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आप मित्रों के साथ कुछ समय व्यतीत करेंगे। आपको काम को लेकर भागदौड़ भी बनी रहेगी। आपकी किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है। जीवनसाथी को किसी नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। आपको किसी संपत्ति की खरीदारी करते समय उसके जरूरी कागजातों पर पूरा ध्यान दें, नहीं तो समस्याएं बढ़ सकती हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। यदि आपका कोई कानूनी मामला लंबे समय से विवादित था, तो वह भी समाप्त हो सकता है। आप यदि किसी काम को पूरा होने का इंतजार कर रहे थे, तो वह भी पूरा होगा, जिससे आपको खुशियां मिलेगी। परिवार में किसी पूजा-पाठ का आयोजन हो सकता है।

धनु- आज का दिन विद्यार्थियों के लिए बढ़िया रहने वाला है, उन्हें किसी मनचाहे कॉलेज में दाखिला मिल सकता है। आप कुछ नया करने की कोशिश करेंगे। यदि आपको किसी काम को लेकर कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होती दिख रही हैं। आप अपने डेली रूटीन में कोई बदलाव न करें और आप अपने घर की साफ-सफाई और रख रखाव पर पूरा ध्यान देंगे। परिवार में किसी सदस्य को आपकी कोई बात बुरी लग सकते हैं, इसलिए आप बहुत ही तो अनमोल कर बोले।

मकर- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। राजनीति में कार्यरत लोगों को किसी नए पद की प्राप्ति हो सकती है और आपकी अपने माता-पिता से खूब पटेगी धन को लेकर यदि कोई समस्या थी तो वह भी आपकी दूर होती दिख रही है ससुराल पक्ष आज आपको मान सम्मान मिलेगा, लेकिन पार्टनरशिप में कोई काम करना आपको थोड़ा नुकसान देगा आप किसी नए घर के खरीदारी की योजना बनाएंगे जो आपके लिए अच्छी रहेगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सेहत के मामले में उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है। आपको परिवार के सदस्यों के साथ मिल बैठकर कुछ पारिवारिक समस्याओं को दूर करने की आवश्यकता है। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है। आप अपने कामों को लेकर आलस्य बिल्कुल ना दिखाएं और किसी दूसरे के मामले में ज्यादा ना पड़ें, नहीं तो आने वाले समय में आपको उससे समस्या हो सकती है।

मीन- आज का दिन आपके लिए अकस्मात लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपको आपके डूबे हुए धन की प्रप्ति हो सकती हैं। संतान को किसी प्रतियोगिता में पुरस्कार मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आपको अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई लिखाई में अपने गुरुजनों का पूरा साथ मिलेगा। आपको अपने किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा।

शब्दजाल - 7988

अ	का	र्या	ल	य	द	मं	सि	या	र	क
दा	वि	ल	ग	व	जी	त्रा	द	इ	ता	ली
गि	सू	शे	ल	बा	छ	ल	ता	रा	क	क
री	ज	च	दो	दे	ज	य	ह	न	त	चि
मे	खु	दो	ना	वा	लं	का	म	ग	व	कि
घा	द	ल	प	ल	ख	पू	ना	हि	र	त्सा
ल	लो	म	ड़ी	य	य	र	शौ	र	र	ल
य	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	चा	लो	श	य
ने	बा	म	न्व	ब्रा	न्या	या	ल	य	प	क
तें	भो	ज	ना	ल	य	र्त	य	बें	हा	त
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	वि	द्या	ल	य	थ

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'लय' शब्द लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

मंत्रालय, विद्यालय, कार्यालय, सूचनालय, देवालय, भोजनालय,शौचालय, न्यायालय, मेघालय, चिकित्सालय,

शब्दजाल - 7987 का हल

श	श	ना	जी	वा	द	ह	ट	झ	क	चि
आ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	आ	स्वा	द
तं	र	ह	अ	भि	वा	द	म	ला	ल	ना
क	म	दा	नु	ल	क	ड़	वा	दा	र	नि
वा	श	र	वा	हा	मि	री	द	स	र	विं
द	ह	प	द	दा	ह	ला	ती	झ	न	वा
ट	ट	बु	अं	र	म	ट	ह	ला	ह	द
प	जी	वा	मा	क	मा	सौ	न	ट	जू	ट
रि	थो	तें	व	या	क्सी	दा	ने	दा	र	द
वा	ल	प	ति	र	वा	ऐ	बें	न	रु	थो
द	ड़	पा	ह	ट	द	द	ख	ला	ह	ट

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6932

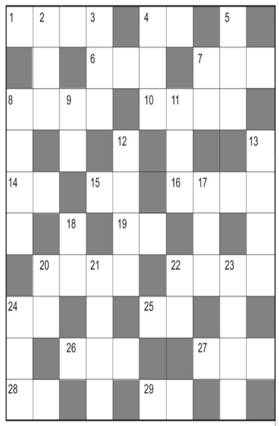

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्रिहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6931

गु	रू		खा	मो	शी		आ	स	श
रू		फ	न		बा	द	शा	ह	
दे	वी		दा	ग		स्त		र	न
व	र	दा	न		म	क	ड़ी		ती
	ता			फॉ	सी			श	जा
आ		स	जा		हा	र	जी	त	
शि	का	र		आ		क्ष		औ	
क		ग	ब	न		क	ह	र	
	धू	म		बा	जी			दि	ल
पा	प		जी	न	त		डॉ	न	

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8456

बाएँ से दाएँ

1. चोगा,गाऊन-3
3. पायजामा,शलवार-4
6. भाग्य,लक-3
7. सूर्य,भास्कर-2
8. बिता हुआ दिन-2
10. न्यूनता,निम्नता-5
12. मैडल,पदक-3
15. माला का मोती-3
17. कुलिन स्त्री-5
20. थूक,लेस-2
22. विलंब,लेट-2
23. जाँच,निरीक्षण-3
24. श्मशान,शवदाहगृह-4
25. साफ,बेदाग-3

ऊपर से नीचे

2. दानशीलता,उदारता-5
3. पाठ,शिक्षा-3
4. रात्रि जागरण-4
5. नेत्रावरण-3
7. लीन,मगन-2
9. बुरी आदत-2
11. कामदेव-3
13. मगरमच्छ-3
14. इंतजार करना-2,3
15. आलेप,लोशन-4
16. सफेद का विलोम-2
18. पानी से साराबोर-2
19. माजरा,हालात-3
21. रिपोर्ट-3

शब्द पहेली -8455 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

12 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.00 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कन्या	08.12 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.22 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.37 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	14.53 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	16.58 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.45 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.17 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.48 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		वृष	23.28 बजे से
		मिथुन	01.26 बजे से
		कर्क	03.40 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 224 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 08.41 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 11.52 बजे को समाप्त। **योग** सुकर्मा 18.54 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 08.41 बजे तदनन्तर बव 19.40 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 14° 57' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872434 **जूलियन दिन** 2460899.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सफर **तारीख** 17 **विशेष** कजरी तीज, संकष्टी चतुर्थी, बहुला चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: जनता का विश्वास

महान संत कन्फ्यूशियस से परामर्श लेने व उनसे अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाने के लिए अनेक लोग उनके पास आते रहते थे। एक बार कुछ राजनेता राजनीति के संदर्भ में कुछ प्रश्नों का उत्तर जानने व राजनीति पर विचार-विमर्श करने के लिए आए। चर्चा चल ही रही थी कि उनमें से एक राजनेता ने पूछा, 'कृपया बताएं, सच्चे अर्थों में एक आदर्श व अच्छा शासक कौन हो सकता है?' प्रश्न सुनकर कन्फ्यूशियस बोले, 'महानुभाव, जिसके पास जनता के पालन-पोषण के लिए पर्याप्त साधन हों, देश की रक्षा के लिए पर्याप्त सेना और शस्त्रास्त्र हों तथा जिस पर जनता का पूर्ण विश्वास हो, वही वास्तव में एक अच्छा व आदर्श शासक साबित हो सकता है।' राजनेता बोले, 'लेकिन इनमें सबसे महत्वपूर्ण क्या है?' इस पर कन्फ्यूशियस बोले, 'इनमें सबसे महत्वपूर्ण जनता का विश्वास है। शासक या सरकार के प्रति यदि जनता का विश्वास डगमगा गया तो उसका पतन निश्चित है। विश्वास एवं विश्वसनीयता से बढ़कर किसी शासक के लिए सर्वोत्तम तत्व और कुछ हो ही नहीं सकता क्योंकि अन्य वस्तुएं जैसे आधुनिक शस्त्र, सर्वोत्तम साधन आदि तो रुपये-पैसों से खरीदे जा सकते हैं किंतु विश्वास को अपना सर्वस्व न्योछावर कर देने पर भी नहीं खरीदा जा सकता। विश्वास ही इस संसार में एक ऐसा तत्व है जो अपनी दृष्टि और आचरण से प्राप्त किया जा सकता है। इसके लिए आत्मा की शुद्धता आवश्यक है। यदि जनता का विश्वास किसी बड़े राजनेता पर से उठ जाए तो वह उसी क्षण आसमान से जमीन पर आ गिरता है।' राजनेता इससे पूर्णतया सहमत हो गए।

सूडोकु नवताल- 7241

मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7240 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। टैरिफ के डर से निकलकर भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही विदेशी पूंजी निवेश के साथ ही तेल, ऑटो और बैंकिंग शेयरों में भारी खरीदारी से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 746.29 अंक करीब 0.93 फीसदी बढ़कर 80,604.08 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 221.75 अंक तकरीबन 0.91 फीसदी की बढ़त के साथ ही 24,585.05 पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद बेंचमार्क सूचकांक और निफ्टी में करीब एक फीसदी की तेजी रही। आज सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स, इटर्नल, ट्रेंट, भारतीय स्टेट बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर लाभ में रहे। दूसरी ओर भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारती एयरटेल और मारुति के शेयरों में गिरावट रही। बाजार में पिछले तीन महीने के बाद निचले स्तर से उबरा है जिससे निवेशकों को राहत मिली है। निवेशक इस सप्ताह होने वाले अमेरिका-रूस शिखर सम्मेलन को लेकर भी उत्साहित हैं और उनका मानना है कि इससे तनाव में तेजी का सकती है। आज एशियाई बाजारों में, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग ऊपर आया जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। जापान में छुट्टी के कारण बाजार बंद रहे। यूरोपीय बाजारों में अधिकतर गिरावट रही जबकि शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई, जिसमें पीएसयू बैंक शेयरों की तेजी ने खास भूमिका निभाई। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 122 अंक की बढ़त के साथ 79,980 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 42 अंक की मजबूती के साथ 24,405 पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी बाजारों में टेक स्टॉक्स में तेजी रही, जबकि एशियाई बाजार भी सकारात्मक रुख के साथ खुले।

राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम के तहत बकाया सब्सिडी जल्द मिलेगी

नई दिल्ली। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम के तहत अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन परियोजनाओं के लिए 200 करोड़ रुपये से अधिक की लंबित सब्सिडी भुगतान की प्रक्रिया को जल्द पूरा करने की तैयारी कर रहा है। इस सब्सिडी वितरण में पिछले कुछ समय से देरी चल रही थी, जिसका मुख्य कारण पहले के सख्त नियम थे। पिछले नियमों के अनुसार, संयंत्रों को लगातार तीन महीने तक 80 प्रतिशत क्षमता से काम करना जरूरी था। यह शर्त कई परियोजनाओं के लिए कठिन साबित हुई क्योंकि बिना उचित खरीद व्यवस्था के संयंत्र अपनी पूरी क्षमता पर नहीं चल पाए। वे आमतौर पर 60 से 70 प्रतिशत क्षमता पर ही संचालित होते रहे। मंत्रालय ने इस समस्या को समझते हुए 27 जून को दिशानिर्देशों में संशोधन किया। नए नियमों के तहत टिकाऊ उत्पादन के बजाय संयंत्र की क्षमता और कुशलता के आधार पर सब्सिडी प्रदान की जाएगी। अब एक दिन के निरीक्षण के आधार पर भी सब्सिडी जारी की जा सकेगी। इससे निवेशकों को राहत मिलेगी और सब्सिडी वितरण की प्रक्रिया तेज होगी। अधिकारीयों ने बताया कि अब सब्सिडी वितरण फिर से शुरू हो गया है और कुछ महीनों में लगभग 200 करोड़ रुपये का बकाया भुगतान कर दिया जाएगा। बायोमास पेलेट डेवलपर्स ने बताया कि मॉनसून के दौरान संयंत्र को पूरी क्षमता से चलाना मुश्किल होता है, इसलिए निरीक्षण मॉनसून के बाद किया जाएगा। निरीक्षण के बाद भुगतान में लगभग एक महीने का समय लगेगा। यह बदलाव न केवल अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि निवेशकों का भरोसा भी बढ़ाएगा, जिससे देश में स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलेगी।

जुलाई में किराना दुकानों और सुपरमार्केट में 3 अरब यूपीआई लेनदेन

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2025 में किराना दुकानों और सुपरमार्केट में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से तीन अरब से अधिक लेनदेन किए गए, जिनकी कुल राशि 64,881.98 करोड़ रही। यह पहली बार है जब एनपीसीआई ने इतनी विस्तृत श्रेणीवार जानकारी साझा की है। एक समीक्षा से पता चलता है कि लेनदेन की मात्रा के आधार पर किराना और सुपरमार्केट की श्रेणी ने जुलाई में कुल पीयर-टु-मर्चेंट यूपीआई लेनदेन का लगभग एक चौथाई हिस्सा दर्ज किया। वहीं ऋण वसूली एजेंसियां मूल्य के आधार पर शीर्ष पर रहीं, जिन्होंने 16.13 करोड़ लेनदेन के जरिये 93,857 करोड़ की वसूली की। यह दर्शाता है कि यूपीआई अब केवल खरीदारी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि वित्तीय सेवाओं में भी इसका उपयोग बढ़ रहा है। जुलाई में यूपीआई के जरिए कुल 19.46 अरब लेनदेन हुए, जिनकी कुल राशि 25.08 लाख करोड़ रही। इनमें से 63.63 फीसदी लेनदेन व्यापारियों को किए गए, जबकि शेष व्यक्ति-से-व्यक्तिलेनदेन थे। व्यापारी लेनदेन की संख्या 12.38 अरब रही, जिनका मूल्य 7.34 लाख करोड़ रहा। यूपीआई से भुगतान की प्रमुख श्रेणियों में राशन, दवा, ईंधन, रेस्तरां, बिजली और अन्य जरूरी सेवाएं शामिल हैं। हर 10 में से 7 लेनदेन इन्हीं श्रेणियों में किए जाते हैं। एनपीसीआई समय-समय पर ऐसे आंकड़े जारी करता है ताकि बैंक, फिनटेक और अन्य वित्तीय संस्थाएं डिजिटल भुगतान के बदलते रुझानों को समझ सकें और अपनी रणनीतियां तय कर सकें।

पेंशनर्स एसोसिएशन ने विधायक राजकुमार को सौंपा मांगों का ज्ञापन, समस्याओं के समाधान

लांजी (पद्मेश न्यूज)। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन की लांजी और किरनापुर तहसील शाखा ने 11 अगस्त 2025 को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। पेंशनर्स ने प्रदेश के करीब पांच लाख पेंशनर्स की लंबित समस्याओं के समाधान की मांग की है। उनका कहना है कि केंद्र सरकार के समान महंगाई राहत और स्वास्थ्य सुविधाएं न मिलने से पेंशनर्स में असंतोष बढ़ रहा है। उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा, जिससे वे निराश और हताश हैं।

पेंशनर्स की प्रमुख मांगें

महंगाई राहत में वृद्धि- मध्यप्रदेश के कर्मचारियों और केंद्र सरकार के पेंशनर्स को 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा है, जबकि प्रदेश के पेंशनर्स को केवल 53 प्रतिशत। शीघ्र 2 प्रतिशत अतिरिक्त महंगाई राहत दी जाए।

पुनर्गठन अधिनियम समाप्त करें-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के बीच पेंशनर्स के वित्तीय लाभ के लिए अनावश्यक स्वीकृति की प्रक्रिया खत्म की जाए।

वित्त विधेयक संशोधन रद्द करें- आठवें वेतन आयोग से पहले किए गए संशोधन पेंशनर्स के हित में नहीं हैं, इन्हें तत्काल रद्द किया जाए।

न्यायालय के निर्णय लागू करें-यदि किसी एक पेंशनर को कोर्ट के निर्णय से लाभ मिलता है, तो समान मामलों में सभी को लाभ दिया जाए।

पेंशन नियमों में संशोधन- पेंशन नियम 1976 में बदलाव कर विधवा, बहू और अविवाहित पुत्री को पेंशन का अधिकार दिया जाए। साथ ही, 5 लाख रुपये की कैशलेस इलाज सुविधा लागू की जाए।

एक्सग्रेसिया राशि- कर्मचारियों की तरह पेंशनर्स को भी मृत्यु के बाद 50,000 रुपये की एक्सग्रेसिया राशि दी जाए।

पेंशन में क्रमिक वृद्धि-65 वर्ष पर 5 प्रतिशत, 70 वर्ष पर 10 प्रतिशत, 75 वर्ष पर 15 प्रतिशत और 80 वर्ष पर 20 प्रतिशत पेंशन वृद्धि की जाए।

एरियर्स का भुगतान-छठे-सातवें वेतनमान और महंगाई राहत में देरी से लागू होने पर बकाया राशि (एरियर्स) दी जाए।

शिक्षकों को नियमित वेतनमान- आदिम जाति कल्याण विभाग के 1972-73 के शिक्षकों को प्रशिक्षण अवधि से पूर्ण वेतनमान और वेतन वृद्धि दी जाए।

जिला पेंशन कार्यालय यथावत रखें-जिला स्तर के पेंशन कार्यालयों को राज्य स्तर पर स्थानांतरित न किया जाए।

पेंशनर्स ने विधायक से अनुरोध किया कि उनकी इन न्यायोचित मांगों पर शीघ्र विचार कर समस्याओं का समाधान किया जाए, ताकि वृद्ध पेंशनर्स के जीवन में खुशी और उत्साह का माहौल बन सके।

ज्ञापन सौंपे जाने के दौरान एस आर ठाकरे अध्यक्ष, आई एस चौहान सचिव, एन एल बसेना, एन आर दहीकर, वाय आर सोनवाने, टी डी लिल्हारे, टी एल कटरे, आई ब्रम्हपुरे, बी आर घोंगड़े, जी डी बेदरे, बाबूराव बल्ले, वहीद खान अध्यक्ष किरनापुर, शंकर सिंह कछवाहा, शिवलाल चापेकर, उदयराम भारद्वाज, नरेन्द्र सिंह तोमर, डी सी बिसेन, राधेलाल बिसेन, हरिश्चंद्र पटले, शेषराम घोरमारे, एन डी बावनथड़े, बी आर ढोक, येशुराम घोरमारे, व्ही आर सोनवाने, यू पी कबीरे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय लांजी में हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

लांजी (पद्मेश न्यूज)। भाई-बहन के अटूट प्रेम और रक्षा के संकल्प का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व 11 अगस्त 2025 को नगर के सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बड़े धूमधाम से मनाया गया। सोमवार को आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपूर्व उत्साह के साथ भाग लिया, जहां बहनों ने भाइयों को राखी बांधकर उनके मंगल की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय परिसर खुशी और उल्लास से सराबोर नजर आया, और सभी ने इस पारंपरिक त्योहार को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। रक्षाबंधन विद्यालय प्रबंधन ने इस पर्व को छात्रों के बीच सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया। सुबह से ही विद्यालय में तैयारियां जोरों पर थीं। सभी छात्राएं अपने घरों से सजी हुई थालियां लेकर आईं, जिनमें रोली, चंदन, अक्षत, मिठाई और फूलों की सजावट थी। विद्यालय की ओर से राखियां और अतिरिक्त मिठाइयों की व्यवस्था की गई थी, ताकि कोई भी छात्रा या छात्र इस पर्व से वंचित न रहे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः कालीन प्रार्थना सभा से हुई, जहां प्रधानाचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी ने छात्रों को रक्षाबंधन के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा, रक्षाबंधन केवल एक त्योहार नहीं है, बल्कि यह भाई-बहन के बीच विश्वास और रक्षा के बंधन को मजबूत करने का अवसर है। आज के समय में जब सामाजिक मूल्य कमजोर पड़ रहे हैं, ऐसे पर्व हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखते हैं। आचार्य परिवार के सदस्यों ने भी छात्रों को आशीर्वाद देते हुए शुभकामनाएं दीं। विद्यालय के सभागार में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में छात्राओं ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी, आरती उतारी और मिठाई खिलाई। भाइयों ने बदले में बहनों को उपहार दिए और उनकी रक्षा का वचन लिया। इस दौरान छात्रों में अपार उत्साह देखा गया। यह आयोजन न केवल छात्रों के बीच प्रेम बढ़ाने में सफल रहा, बल्कि विद्यालय की परंपरा को भी जीवंत रखा। लांजी जैसे छोटे नगर में सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय हमेशा से सांस्कृतिक और नैतिक शिक्षा पर जोर देता रहा है, और आज का कार्यक्रम इसी का एक उदाहरण था। पर्व की समाप्ति पर सभी छात्र-छात्राएं खुशी-खुशी घर लौटे, मन में रक्षाबंधन की मधुर स्मृतियां संजोए।

भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता लक्ष्मण भाजीपाले पंचतत्व में विलीन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के ग्राम पारडी निवासी भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता लक्ष्मण भाजीपाले का 10 अगस्त को दोपहर 12 बजे 74 वर्ष की आयु में दुखद निधन हो गया। आप अपने पीछे एक पुत्र, दो पुत्री से भरा पुरा परिवार छोड़ कर आप इस दुनिया से विदा हो गये। बतादे कि आप भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता रहे। ग्राम पंचायत सरपंच पद से आपने राजनैतिक जीवन की शुरूवात की एवं महज 22 वर्ष की आयुं में आप ग्राम पंचायत पारडी के प्रधान पद पर आसीन हुये। इसके पश्चात मण्डी सदस्य, जनपद सदस्य, सिंचाई विभाग संस्था के अध्यक्ष, सहित भाजपा जिला उपाध्यक्ष पद पर भी आसीन रहे। आपका अंतिम सस्कार सामाजिक रीति रिवाजों से 11 अगस्त दिन सोमवार को स्थानीय मोक्षधाम में किया गया। आपके निधन पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिसमें पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे, सांसद श्रीमती भारती पारधी,

लता एलकर, रमेश रंगालानी, विधायक राजकुमार कर्राहे, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, विधायक गौरव पारधी, मौसम हरिनखेडे, भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, रेखा ताराचंद कालबेले, मण्डल अध्यक्ष आलोक चौरसिया, सीताराम रावते, समस्त मण्डल अध्यक्ष, राणा कल्याण सिंह, भुवन भाऊ रहांगडाले, लीलाधर रावते, बलिराम शिवणकर, सालिक राम बेदरे, नीलचंद हरिनखेड़े, दुलीचंद राजनीरे, समस्त पदाधिकारी कार्यकर्ता लांजी विधानसभा भाजपा परिवार एवं नाते रिश्तेदार, ईष्ट मित्रो के द्वारा शोक श्रृद्धांजलि अर्पित कर परमपिमा परमेश्वर से मृत आत्मा के शांति के लिये प्रार्थना की गई।

कालीमाटी में निःशुल्क नेत्र शिविर का हुआ आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी (पद्मेश न्यूज)। महावीर इंटरनेशनल अपेक्स लांजी के तत्वावधान में 11 अगस्त 2025 को ग्राम पंचायत भवन कालीमाटी में स्व. अरविंद कुमार धारने की स्मृति में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर पौधारोपण भी किया गया। शिविर में जिला अंधत्व निवारण समिति बालाघाट और देवजी नेत्रालय जबलपुर का सहयोग रहा। शिविर में 120 लोगों की आंखों की जांच की गई, जिनमें से 21 लोग मोतियाबिंद के लिए चयनित हुए। इस दौरान प्रगति गुर्दे (न्यायाधीश) और आनंद गुर्दे (तहसीलदार) का सम्मान भी किया गया। धारने परिवार, ग्राम पंचायत कालीमाटी और स्थानीय नागरिकों के सहयोग से प्रसाद भंडारे का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में शंकरलाल धारणे सेनि बीईओ, सी आर सातपुते, रोशनलाल दल्लेमाल सरपंच बिंझलगांव, हुलासराम

सिरामे सेनि सैनिक, ज्ञानीराम धारने पूर्व सरपंच, नौकराम धरने से नि कृषि वि अ, पंचायत सचिव शंकरदास बोहने, अनिल गेडाम ब्लॉक समन्वयक अधिकारी, लच्छू मेहरबान व ग्राम के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। महावीर इंटरनेशनल ने सेवा, प्रेम और शांति का संदेश फैलाने का संकल्प दोहराते हुए सभी से इस नेक कार्य में सहभागी बनने का आह्वान किया।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ने रैली निकालकर विधायक कार्यालय को सौंपा ज्ञापन

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। अपनी आठ सूत्रीय मांगों को लेकर सोमवार को प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ने कटंगी में जनपद पंचायत के सामने स्थित सामुदायिक भवन के समक्ष शांतिप्रिय प्रदर्शन कर रैली निकालने के बाद विधायक कार्यालय पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा है. दोपहर 2 बजे प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी ने पेंशनर्स साथियों के साथ सामुदायिक भवन के सामने से नारेबाजी करते हुए रैली निकाली और विधायक गौरव सिंह पारधी के कार्यालय में रैली को विराम दिया. विधायक की गैर मौजूदगी के चलते संगठन के पदाधिकारी ने कार्यालय में ज्ञापन सौंपा. इस दौरान संरक्षक एन.पी.शेंडे, डी.सी.चौधरी, एच.आर.देशमुख, रिया, डी.के.बिसेन, तहसील अध्यक्ष उत्तम प्रसाद राहंगडाले, उपाध्यक्ष के.एल.बिसेन, पी.आर.गौतम, धनेंद्रसिंह पटले, सचिव के. एस. टेंभरे, सहसचिव सी.के. उरकुडे, कोषाध्यक्ष सी.बी.पटले, संगठन मंत्री जी.आर.पटले, हरिश्चंद सतदेवे, प्रचार मंत्री सदाशिव कटरे और सदस्य वाय.आर.पटले, के.आर.बिसेन, एल.सी.क्षीरसागर, रूपेंद्र टेंभुर्णे, ए.आर. राहंगडाले, के.एल.चौधरी, डी.एल.गोलेंद्र मौजूद रहे। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन केंद्र सरकार और अन्य बहुत से राज्यों के पेंशनर्स और मध्य प्रदेश के कर्मचारियों को 55 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता दिया जा रहा है किंतु मध्य प्रदेश के पेंशनर्स को 53 प्रतिशत की दर से महंगाई राहत दी जा रही है. 2 प्रतिशत महंगाई राहत राशि शीघ्र प्रदान कराने, मध्य प्रदेश राज्य पुर्नगठन अधिनियम की धारा 49 अविलंब समाप्त करने किए जाने और मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ राज्य के बीच पेंशनर्स को कोई भी वित्तीय लाभ देने के लिए अवांछित स्वीकृति प्राप्त करने की प्रथा को समाप्त करने, आठवें वेतन आयोग के गठन होने के पूर्व में ही जो संशोधन वित्त विधेयक में किए गए वह पेंशनर्स के हित में नहीं है इसलिए संशोधन को अंविलव निरस्त किए जाने, शासन की मंशा हमेशा कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को

वित्तीय लाभ नहीं दिए जाने की रहती है यहां तक की न्यायालयों के निर्णयों को भी मान्यता नहीं दी जाती. पेशनर्स ने निवेदन किया है कि यदि एक प्रकरण में निर्णयानुसार किसी को लाभ मिलता है तो ऐसे समान प्रकरणों में सभी के लिए लागू किया जाए अन्यथा सभी न्यायालय में जाने के लिए बाध्य होगे और धन की बर्बादी होगी। शासन द्वारा बार-बार घोषणा की गई कि पेंशन नियम 1976 में संशोधन कर पेंशन का अधिकार विधवा बहु और अविवाहित पुत्री को भी होगा इसी प्रकार राज्य पेंशर्नस को 5 लाख रुपए की केशलेस इलाज की सुविधा प्रदान करने संबंधी घोषणा की गई परंतु आज तक न तो इस संबंध में शासन के आदेश प्रसारित हुए और ना ही घोषणाओं को अमल किया गया. पेंशनर्स की मांग है कि राज्य सरकार के कर्मचारियों की तरह पेंशनर्स को भी उपादान राशि, एक्सग्रेसिया रुपए 50 हजार मरणोपरांत प्रदान किए जाए. 80 वर्ष की आयु पूरी होने पर पेंशन में 20 प्रतिशत की वृद्धि होती है. पेंशनर्स की मांग है कि क्रमिक वृद्धि की जाए 65 की उम्र में 5 प्रतिशत, 70 की उम्र में 10 प्रतिशत, 75 की उम्र में 15 प्रतिशत और 80 की उम्र में 20 प्रतिशत की वृद्धि की जाए. छटवें और सातवें वेतनमान का लाभ 32 और 27 माह बाद दिया गया परंतु एरियर्स का भुगतान नहीं किया गया. इसी प्रकार जब महंगाई राहत बढ़ता है तो आठ से दस माह विलंब से बढ़ता है परंतु एरियर्स नहीं दिया जाता. पेंशनर्स की मांग है कि विलंब से दिए जाने पर एरियर्स दिया जाए. इन 08 प्रमुख मांगों को लेकर पेंशनर्स ने प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा।

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के अंतर्गत किरनापुर में निकाली गई बाईक रैली

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के अंतर्गत 11 अगस्त, दिन सोमवार को देश प्रेम और स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता के लिए किरनापुर में बाईक रैली निकाली गई और ग्रामीणो को स्वच्छता का संदेश दिया गया। जनपद पंचायत कार्यालय किरनापुर से प्रारंभ हुई इस बाईक

रैली में किरनापुर गांव का भ्रमण कर ग्रामीणो को देश प्रेम, देश सेवा और अपने गांव को साफ सुथरा बनाए रखने का संदेश दिया। इस रैली में किरनापुर के सभी शासकीय सेवक, जनप्रतिनिधि, ग्रामीण एवं छात्र छात्राए शामिल हुए।

ब्रह्माकुमारी सेवा केंद की बहनों ने कोबरा बटालियन के अधिकारियों जवानों को रक्षाबंधन पर्व पर बांधी राखी

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। 208 कोबरा बटालियन, के.रि.पु.बल, बड़गाँव, किरनापुर, जिला बालाघाट (म.प्र.) में, दिनांक 09/08/2025 को, रक्षाबंधन भारतीय संस्कृती का पावन पर्व पर श्री प्रमोद चौधरी, द्वितीय कमान अधिकारी 208 कोबरा बटालियन एवं अन्य अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारीगण एवं बहादुर जवानों ने ब्रह्मा कुमारी सेवा केन्द्र किरनापुर से आई बहनों बी. के नीता, बी.के अबीका गोस्वामी, बी. के आरुशी सोनी एवं बी. के दिव्या बागरे ने सभी अधिकारियों एवं जवानो के हाथों

पर राखी बांद कर इस पर्व को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। एवं इस अवसर पर श्री प्रमोद चौधरी, द्वितीय कमान अधिकारी द्वारा सभी जवानों की और से ब्रह्मा कुमारी सेवा केन्द्र से आई बहनों को यह विश्वास दिलाया की हमारे जवान देश सेवा के साथ-साथ देशवासियों एवं सभी बहनों की रक्षा एवं सम्मान के लिये हमेशा तत्पर रहेगे साथ ही समाज की बुराईयों को खत्म करने में सहयोग करेगे। साथ ही इस अवसर पर बबीता कुमारी अध्यक्ष RCWA-208 कोबरा, एवं सभी RCWA सदस्य की देख रेख में कैप परिसर मे मोजुद माँटेसरी स्कुल 208 कोबरा के बच्चो के साथ मिलकर राखी पर्व पूरे हर्षोल्लास के साथ मानाया साथ ही बच्चों को इस पर्व की महत्वता के बारे में बताया गया। इस अवसर पर पर श्रीमती बबीता कुमारी अध्यक्ष RCW-208 कोबरा द्वारा मिठाई का वितरण किया या।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

राहुल गांधी के वोट चोरी आरोप को लेकर मप्र कांग्रेस एक्टिव

13 को बुलाई बड़ी बैठक, पीसीसी चीफ करेंगे खुलासा

भोपाल। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा लगाए गए वोट चोरी के आरोप पर मध्य प्रदेश कांग्रेस एक्टिव हो गई है। इस मुद्दे को जन-जन तक पहुंचाने के लिए रणनीति तैयार की जा रही। 13 अगस्त को प्रदेश कार्यालय भोपाल में पॉलिटिकल अफेयर कमेटी की बैठक बुलाई गई है। बैठक में इस मुद्दे को किस तरह से लोगों तक पहुंचाया जाए इस पर चर्चा की जाएगी।

वहीं पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा है कि इसी दिन वे मध्य प्रदेश के वोटर लिस्ट को लेकर बड़ा खुलासा करेंगे। इससे पहले कांग्रेस सोशल मीडिया पर लोगों को मैसेज कर मुहिम से जुड़ने की अपील कर रहे हैं।

कांग्रेस प्रदेश मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने बताया कि 13 अगस्त को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा बुलाई गई पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। उन्होंने कहा है कि बैठक में पूरे राज्य में पत्रकार वार्ता, रैलियों, धरनों और प्रदर्शनों का व्यापक कार्यक्रम तय किया जाएगा, ताकि लोकतंत्र की इस चोरी और बीजेपी के झूठ को जनता के सामने लाया जा सके।

पटवारी एमपी में करेंगे वोट चोरी का खुलासा

इधर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी भी वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में वोट चोरी का खुलासा करेंगे। जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि 13 अगस्त को प्रदेश कांग्रेस 2023 के विधानसभा चुनाव में हुई कथित वोट चोरी का खुलासा करेगी। उन्होंने दावा किया कि उनके पास कई विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूची में गड़बड़ी के पुख्ता सबूत है, जिन्हें उनके द्वारा सार्वजनिक किया जाएगा।

साजिशों को बेनकाब करना अब जरुरी

पटवारी ने लिखा है कि लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने की साजिशों को बेनकाब करना अब जरुरी है। 13 अगस्त को मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी 2023 विधानसभा चुनाव की वोट चोरी का पर्दाफाश करेगी। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने भी वोट चोरी को लेकर अपने आरोपों में जिन राज्यों के नाम लिए है, उसमें मध्यप्रदेश भी शामिल है। पूर्व सीएम कमलनाथ ने भी इस मुद्दे को उठाया है।

राजगढ़, बुधनी और छतरपुर मेडिकल कॉलेज के लिए फैकल्टी भर्ती प्रक्रिया तेज

भोपाल। प्रदेश में नए मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए फैकल्टी की कमी बड़ी चुनौती बन रही है। इस कारण चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने अगले वर्ष प्रारंभ होने जा रहे तीन मेडिकल कॉलेजों के लिए फैकल्टी की भर्ती सहित अन्य तैयारियां अभी से प्रारंभ कर दी हैं। राजगढ़, बुधनी और छतरपुर में अगले वर्ष मेडिकल कॉलेज प्रारंभ करने की तैयारी है। पहले मंडला में भी वर्ष 2026-27 के सत्र से एमबीबीएस पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की योजना थी, पर भवन निर्माण में देरी के चलते अब यह 2027-28 के सत्र में प्रारंभ हो पाएगा।

इन कॉलेजों की मान्यता के लिए शीघ्र की नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) को आवेदन किया जाएगा। एनएमसी की टीम वर्ष 2026 में निरीक्षण के लिए आएगी, पर इसके पहले फैकल्टी के पदों पर पूर्ति की जाएगी। नए कॉलेजों को फैकल्टी नहीं मिलने की चुनौती के चलते सरकार छोटे जिलों के मेडिकल कॉलेजों के लिए प्रोत्साहन की योजना भी ला रही है।

तीनों कॉलेजों में एमबीबीएस की 150-150 सीटें

इसमें फैकल्टी को वेतन का लगभग 20 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि देने की तैयारी कर रहा है। यह निर्णय होने के बाद ही पदों पर भर्ती प्रारंभ की जाएगी। इन तीनों कॉलेजों में एमबीबीएस की 150-150 सीटें होंगी। सभी जगह भवन निर्माण का काम भी लगभग पूरा हो गया है। अब फैकल्टी की भर्ती और पुस्तकालय बनाने का काम होना है।

प्रदेश सरकार ने सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) से 12 जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए आमंत्रण मांगे थे। इनमें दो-अलग ग्रुप ने चार जगह कालेज खोलने का आफर दिया था।

फर्जी नोटिस के जरिए नीट पीजी को लेकर फैलाई जा रही है अफवाह

छात्रों को राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड ने किया सजग शरारती तत्व हैं सक्रिय

भोपाल। नीट पीजी के परीक्षार्थियों के लिए एक नई चिंता का विषय सामने आया है। हाल ही में राष्ट्रीय बोर्ड परीक्षा ने स्पष्ट चेतावनी जारी की है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, मैसेजिंग ऐप और यहां तक कि ई-मेल के जरिए फैलाई जा रही कई सूचनाएं पूरी तरह फर्जी हैं। बोर्ड ने कहा है कि परीक्षार्थियों को किसी भी नोटिस या सूचना पर भरोसा करने से पहले उसे केवल आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ही सत्यापित करें, क्योंकि यह देखा गया है कि फर्जी नोटिसों के जरिए परीक्षार्थियों को भ्रमित करने और अफवाह फैलाने का सिलसिला तेज हो गया है।

राष्ट्रीय बोर्ड परीक्षा के मुताबिक, कुछ शरारती तत्व नीट-2025 परीक्षा की तारीख में बदलाव, परीक्षा स्थगन या प्रश्नपत्र लीक जैसी झूठी सूचनाएं प्रसारित कर रहे हैं। इन फर्जी संदेशों में अक्सर आधिकारिक लेटरहेड और डिजाइन की नकल की जाती है, ताकि उम्मीदवारों को यह असली लगे। कई बार इन संदेशों में लिंक भी दिए जाते हैं, जो देखने में आधिकारिक वेबसाइट जैसे लगते हैं लेकिन वास्तव में फर्जी डोमेन होते हैं।

कई डेटा की डिटेल्स खतरे में

इस तरह के लिंक पर क्लिक करने से उम्मीदवारों की व्यक्तिगत जानकारी, पंजीकरण विवरण और यहां तक कि वित्तीय डेटा भी खतरे में पड़ सकता है। बोर्ड ने यह भी साफ किया है कि नीट पीजी से संबंधित किसी भी आधिकारिक अपडेट के लिए केवल अधिकृत वेबसाइट को ही देखा जाए। किसी अन्य प्लेटफॉर्म या निजी चैनल पर जारी सूचना को बिना पुष्टि के मानना उम्मीदवारों के लिए जोखिम भरा हो सकता है। हाल में सामने आए कुछ मामलों में उम्मीदवारों को मैसेज और ई-मेल के जरिए परीक्षा तिथि टलने की सूचना दी गई थी, जबकि बोर्ड की ओर से ऐसा कोई फैसला नहीं लिया गया था। यह अफवाहें इंटरनेट मीडिया पर तेजी से फैलीं और कई परीक्षार्थी अनावश्यक रूप से तनाव में आ गए थे।

पेपर लीक के नाम पर रकम की डिमांड

इस फर्जी सूचना अभियान का एक और खतरनाक पहलू यह है कि कुछ संदेशों में 'प्रश्नपत्र लीक' के नाम पर रकम मांगी जाती है। इसमें कहा जाता है कि यदि उम्मीदवार एक निश्चित राशि का भुगतान करें, तो उन्हें परीक्षा से पहले पेपर मिल जाएगा। बोर्ड ने इस तरह की धोखाधड़ी को गंभीर आपराधिक अपराध बताया है और चेतावनी दी है कि ऐसे किसी भी व्यक्ति के संपर्क में आने पर तुरंत पुलिस या साइबर क्राइम सेल में शिकायत दर्ज कराएं। विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल युग में परीक्षाओं से जुड़ी फर्जी खबरें फैलाना आसान हो गया है, क्योंकि सोशल मीडिया का इस्तेमाल हर उम्र के लोग करते हैं और यह सूचनाएं कुछ ही मिनटों में हजारों लोगों तक पहुंच जाती हैं। खासकर प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान, जहां लाखों उम्मीदवार अपनी तैयारी में जुटे होते हैं, इस तरह की अफवाहें उनके मनोबल और एकाग्रता पर सीधा असर डालती हैं।

डिवाइस से डेटा चुरा लेने का खेल

गौरतलब है कि नीट पीजी-2025 देशभर के मेडिकल स्नातकों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षा है, जिसके जरिए उन्हें पीजी कोर्सेस में दाखिला मिलता है। लाखों उम्मीदवार हर साल इस परीक्षा में हिस्सा लेते हैं, और ऐसे में किसी भी तरह की गलत सूचना न केवल उनकी तैयारी को प्रभावित करती है, बल्कि बड़े स्तर पर अव्यवस्था भी पैदा कर सकती है। सूत्रों का कहना है कि इस तरह के फर्जी नोटिसों के पीछे दो प्रमुख मकसद होते हैं। पहला, उम्मीदवारों को भ्रमित करना और दूसरा, साइबर धोखाधड़ी के जरिए आर्थिक लाभ उठाना। कई मामलों में इन संदेशों में मौजूद लिंक मालवेयर से संक्रमित होते हैं, जो क्लिक करते ही यूजर के डिवाइस से डेटा चुरा लेते हैं। इसलिए सतर्क रहना और डिजिटल हाइजीन का पालन करना अत्यंत जरूरी है।

कार्यशाला में आए सुझावों पर विचार कर लागू करेगी सरकार

भोपाल। लोक निर्माण से लोक कल्याण को साकार करने की दिशा में पर्यावरण से समन्वय विषय पर संगोष्ठी-सह-प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन रविंद्र भवन में किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कार्यशाला में मंथन से जो सुझाव निकलकर आएंगे, उन पर सरकार विचार करेगी और लागू करेगी। डॉ. यादव ने यह भी कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए लीक से हटकर सोचने और काम करने की जरूरत है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पर्यावरण और विकास विरोधी नहीं, बल्कि सूर्य और चंद्र की तरह हैं। अलग भूमिकाओं में रहते हुए भी समन्वय बनाकर ये एक-दूसरे को पूरक बनाते हैं। निर्माण में प्रकृति के साथ तालमेल बैठाना ही सच्चा समन्वय है। भोपाल का बड़ा तालाब इस बात का प्रमाण है कि बिना नदी की धारा रोके भी जल संग्रहण संभव है। उन्होंने कहा कि जंगल और सड़क दोनों सुरक्षित रखने के लिए, पुल के नीचे वन्यजीवों के आवागमन का मार्ग बनाया गया। सरकारी धन का उपयोग हमारी जिम्मेदारी है, लेकिन उससे भी बड़ी जिम्मेदारी हमारी आत्मा की है जिसका जवाब हमें परमात्मा को देना होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह भी कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए लीक से हटकर सोचने और काम करने की जरूरत है। निर्माण के साथ पर्यावरण को किस तरह से संरक्षित किया जा सकता है, इसको लेकर लोक निर्माण विभाग ने कार्यशाला बुलाई है। उसमें हुए मंथन से सुझाव निकलकर सामने आएंगे, उन पर सरकार विचार करेगी और लागू भी करेगी। विज्ञान, गणित और तकनीक में जो एक्सपर्ट हो वही अभियंता कहलाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण के साथ पर्यावरण को किस तरह से संरक्षित किया जा सकता है,

इसको लेकर लोक निर्माण विभाग ने कार्यशाला बुलाई है। इस कार्यशाला में देशभर से एक्सपर्ट बुलाए गए हैं। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस दौरान राष्ट्रगीत वंदे मातरम और राष्ट्रगान जन, गण, मन का सामूहिक गान हुआ। इसके बाद विभाग ने अधोसंरचना और विकास कार्यों पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया।

बड़ा तालाब इंजीनियरिंग का अनूठा उदाहरण

मुख्यमंत्री ने भोपाल के बड़े तालाब की संरचना को इंजीनियरिंग का अनूठा उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि पच्चीस साल पहले मकान आरसीसी कांक्रीट के नहीं थे लेकिन गर्मी, सर्दी, बरसात सभी कुछ झेल लेते थे। सीमेंट, सरिया की डिजाइन और गुणवत्ता का ध्यान रखना भी आज के दौर में जरूरी है। आज बीडीसी अलग हो गया और पीडब्ल्यूडी अलग तो ध्यान में रखकर बोलना होता है कि किसके लिए कह रहे हैं।

बिटुमिन की खराबी से उखड़ जाती हैं सड़कें

लोक निर्माण विभाग के मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि हमारे पूर्वज कुशल अभियंता थे और उन्होंने हमारे भविष्य को ध्यान में रखा है। इसी तरह हमें भी अपनी भावी पीढ़ी के बारे में सोचकर काम करना होगा। सिंह ने कहा कि हमारे इंजीनियर्स को उन राज्यों में भेजा गया, जिन्हें तकनीकी रूप से हमसे अच्छा माना जाता था। इसी टीम के एक चीफ इंजीनियर ने रिपोर्ट में बताया कि तेलंगाना में सात साल पुरानी सड़क ऐसी है जैसे छह माह पहले बनी हो। एमपी में ऐसी सड़क क्यों नहीं बन रही हैं, इसकी वजह तलाशने पर पता चला कि हमारा बिटुमिन उस स्तर का नहीं है जैसे कि तेलंगाना में उपयोग में लाया जाता है। इसलिए, तय किया है कि बिटुमिन केवल तीन सरकारी रिफायनरी से ही खरीदा जाएगा। लोकपथ एप में आने वाली शिकायतों के समाधान के लिए अब सात दिन के बजाय चार दिन का समय तय किया गया है।

पर्यावरण के लिए काम करना इंजीनियर की जिम्मेदारी

कार्यशाला में विशेषज्ञों ने कहा कि इंजीनियर की जिम्मेदारी इसलिए, भी बढ़ जाती है, क्योंकि वह पढ़ा लिखा होता है। इसलिए उसे निर्माण के साथ प्रकृति के संरक्षण को लेकर भी काम करना होगा और इसके लिए लगातार प्रयास करने की जरूरत है, दरअसल मनुष्य पेड़ों को कम करने का जिम्मेदार है। इस दौरान प्रदेशभर से कार्यशाला में शामिल होने आए इंजीनियरों को पेड़ लगाने, उनकी सुरक्षा करने और भावी पीढ़ी के लिए सुरक्षा कवच तैयार करने का संदेश भी दिया गया।

25 अगस्त को धार आएंगे प्रधानमंत्री मोदी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 अगस्त को मध्यप्रदेश आएंगे और धार जिले के बदनावर क्षेत्र में बनने वाले देश के पहले पीएम मित्रा पार्क के भूमिपूजन कर प्रदेश को विकास की एक और सौगात देंगे। उन्होंने कहा कि जहां देश के दूसरे राज्य पीएम मित्रा पार्क के लिए प्रारंभिक तैयारियां ही कर रहे हैं, वहीं मप्र में 25 अगस्त को इसका भूमिपूजन भी सम्पन्न होने जा रहा है। इस सौगात के लिए हमने केंद्र सरकार से निरन्तर समन्वय किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क का निर्माण पूरा होने पर सम्पूर्ण मालवा क्षेत्र के विकास को नए पंख लगेंगे। धार जिले का यह क्षेत्र पीथमपुर की तरह अब दूसरा वृहद औद्योगिक केंद्र (इन्डस्ट्रियल हब) बनने जा रहा है। इस पार्क की स्थापना से पूरे मालवा क्षेत्र के कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिलेगा और करीब 3 लाख लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से स्थाई रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार जिले का बदनावर क्षेत्र इंदौर मेट्रोपॉलिटन सिटी एरिया का हिस्सा भी बनेगा। इससे इस क्षेत्र को मेट्रोपॉलिटन एरिया की सुविधाओं का लाभ भी मिलेगा। यहां अपना उद्योग स्थापित करने वाले सभी निवेशकों, उद्योग समूहों और कम्पनियों को फोर लेन रोड, रेल और एयर कनेक्टिविटी सुविधा भी उपलब्ध कराई जायेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार रात्रि को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कमिश्नर इंदौर और कलेक्टर धार से प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पीएम मित्रा पार्क के भूमिपूजन कार्यक्रम के लिए धार आगमन एवं जनसभा से जुड़ी सभी तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के लिए विशेष प्रबंध किए जाएं। पीएम मित्रा पार्क का निर्माण इस क्षेत्र के किसानों और श्रमिकों की जिंदगी बदलने का अवसर है।

मेधा पाटकर को नहीं मिली राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना की ओर से 25 साल पहले दायर किए गए मानहानि मामले में सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर को कोई राहत नहीं दी है। कोर्ट ने उनकी दोषसिद्धि और सजा को बरकरार रखते हुए दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया है।

न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि हम इस मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने के लिए इच्छुक नहीं है। हाईकोर्ट ने पाटकर को अच्छे आचरण की परिवीक्षा पर रिहा किया था, लेकिन उन्हें हर तीन साल में एक बार निचली अदालत में पेश होने की आवश्यकता थी। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता के वकील की दलील को ध्यान में रखते हुए लगाया गया जुर्माना रद्द कर दिया गया है।

राहुल गांधी को हिरासत में लेने से गुस्साई कांग्रेस ने प्रदर्शन कर पुतला जलाया

भोपाल। राजनैतिक गलियारो ने इन दिनो वोटर वेरिफिकेशन और चुनाव में वोट चोरी को लेकर कांग्रेस पूरी तरह से हमलावर होकर सड़कों पर उतर आई है। इसे लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा मार्च निकालने के दौरान उन्हें हिरासत में लेने से कांग्रेस में आक्रोश फेला हुआ है। इसका विरोध जताते हुए राजधानी भोपाल में पार्टी नेताओ कार्यकर्ताओ ने विरोध प्रदर्शन कर पुतला जलाया। जानकारी के अनुसार लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को दिल्ली में हिरासत में लिए जाने के विरोध में सोमवार को भोपाल में पीसीसी के बाहर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए पुतला जलाया। इस दौरान कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, भोपाल जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, अभिनव बारोलिया समेत अन्य प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारी भी मौजूद रहे। पार्टी नेताओ ने वोटर वेरिफिकेशन और राहुल गांधी की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए कहा कि भाजपा चुनाव आयोग का दुरुपयोग कर रही है।

फ्लैट देने के बहाने करोड़ों की ठगी, बिल्डर अनवार बेग पर ईओडब्ल्यू ने दर्ज किया केस

भोपाल। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू), भोपाल ने शहर के बिल्डर अनवार बेग, प्रोपराइटर होमटेक कंस्ट्रक्शंस के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का मामला दर्ज किया है। आरोपी पर कई शिकायतकर्ताओं से फ्लैट देने के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने का आरोप है। जांच में यह सामने आया है कि, बिल्डर अनवार बेग ने अदनान कॉम्प्लेक्स बिल्डिंग भोपाल सहित अन्य स्थानों में फ्लैट बेचने का अनुबंध शिकायतकर्ताओं से किया था। शिकायतकर्ता खलील उस्मानी से अदनान कॉम्पलेक्स में नगद राशि प्राप्त किये, न तो खलील उस्मानी को उसके पैसे वापस किये एवं न ही उसके नाम फ्लैट की रजिस्ट्री कराई गई। अन्य शिकायतकर्ता उमर रऊफ से फ्लैट के ऐवज में विक्रय अनुबंध पत्र निष्पादित कर 5 लाख रूपये प्राप्त किये, न तो उसके पैसे वापस किये एवं न ही उसके नाम फ्लैट की रजिस्ट्री कराई गई। शिकायतकर्ता सैयद इकबाल हसन के साथ भी फ्लैट के लिये विक्रय अनुबंध निष्पादित किया एवं सैयद इकबाल हसन को रूपये लगभग 08,10,000/- की आर्थिक क्षति पहुंचाई गई। अन्य शिकायतकर्ता ईसा अली ने फ्लैट क्रय करने हेतु रूपये 13,000,00/- अनवार बेग को दिये अनवार बेग ने धोखाधडी कर न तो उसे फ्लैट की रजिस्ट्री करायी एवं न ही उसके पैसे वापस किये। इसी प्रकार शिकायतकर्ता मसरूर ने उसकी पत्नि के नाम से फ्लैट क्रय करने हेतु अनवार बेग का दस लाख रूपये दिये थे, अनवार बेग ने धोखाधडी से फ्लैट के बदले 10 लाख रूपये प्राप्त किये एवं न तो फ्लैट की रजिस्ट्री कराई एवं न ही पैसे वापस किये। अनवार बेग ने अन्य कई लोगों से चेक और नगद राशि के रूप में करोड़ों रुपये लिए। कुछ मामलों में, उसने शिकायतकर्ताओं को संपत्ति के बदले संपत्ति देने का आश्वासन देकर उनकी संपत्तियों की रजिस्ट्री भी करा ली।

सुरक्षा को खतरा, तत्काल जांच और कार्रवाई की जाए

प्रदेश में लग रहे स्मार्ट मीटर लगाने में पाकिस्तानी कनेक्शन का आरोप, कांग्रेस बोली

भोपाल। मध्य प्रदेश में लग रहे बिजली के स्मार्ट मीटर एक नए विवाद में घिर गए हैं। आरोप है कि इन मीटरों का निर्माण सऊदी अरब की एक कंपनी कर रही है, जिसमें उच्च पदों पर पाकिस्तान के इंजीनियर काम कर रहे हैं। इस मामले को लेकर साइबर सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। इंडिया स्मार्ट ग्रिड फोरम ने केंद्र सरकार को पत्र भेजकर आशंका जताई है कि यदि इन मीटरों में विदेशी कर्मचारियों की भागीदारी है, तो साइबर अटैक या डेटा लीक का खतरा बढ़ सकता है। इससे पहले मध्य प्रदेश के मेट्रो प्रोजेक्ट में तुर्की निर्मित पार्ट्स लगाए जाने का विरोध किया गया था। अब स्मार्ट मीटर विवाद को लेकर जनता में भी चिंता का माहौल है और लोग पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने इस मामले को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा बताते हुए इसे 'सोची-समझी साजिश' करार दिया। उनका कहना है कि पाकिस्तान की भागीदारी से साइबर हमलों या तकनीकी नुकसान की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने सरकार से तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग की।

पाकिस्तान की भूमिका तो रोक देंगे इंस्टॉलेशन

प्रदेश में स्मार्ट लगाने में पाकिस्तान के इंजीनियरों की भूमिका सामने आने के बाद प्रदेश की सियासत का पारा चढ़ गया है। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि यदि स्मार्ट मीटर प्रोजेक्ट में पाकिस्तानी अधिकारियों की कोई भूमिका है, तो प्रदेश में इनका इंस्टॉलेशन रोक दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच खेल, संस्कृति और व्यापारिक संबंध पहले ही खत्म हो चुके हैं, और जब तक पाकिस्तान अपने रवैये में बदलाव नहीं करता, तब तक किसी भी प्रकार का सहयोग स्वीकार नहीं किया जाएगा।

स्मार्ट मीटर टेंडर सऊदी अरब की कंपनी के पास

मध्य प्रदेश में बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने का ठेका सऊदी अरब की कंपनी को मिला है। जानकारी के मुताबिक, दुबई स्थित अलफनार को यह प्रोजेक्ट सौंपा गया है, जिसने इंस्टॉलेशन की जिम्मेदारी इस्या साफ्ट को दी है। यह बेंगलुरु बेस्ड कंपनी है, जिसने हाल ही में अपना मुख्यालय दुबई में शिफ्ट किया है। अब तक 16 जिलों में लगभग तीन लाख से कुछ अधिक मीटर लग चुके हैं। इसमें भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर और चंबल संभाग के जिलों में काम जारी है। सिर्फ भोपाल शहर में ही करीब सवा लाख से अधिक स्मार्ट मीटर इंस्टॉल हो चुके हैं।

उपभोक्ता भी लगातार कर रहे शिकायत

बता दें प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगाने के बाद से लोगों के बिजली बिल बढ़े आने की शिकायतें आ रही है। इसको लेकर अलग-अलग लोग प्रदर्शन भी कर रहे हैं। इसको लेकर मध्य प्रदेश विधानसभा में भी मुद्दा उठ चुका है। हालांकि सरकार ने साफ किया है कि उपभोक्ता की खपत के अनुसार ही बिल स्मार्ट मीटर से आ रहे है। इससे बढ़े हुए बिल आने की शिकायत निराधार है।

एशिया कप में हो सकती है श्रेयस की वापसी, बुमराह को दिया जा सकता है आराम

मुम्बई। अगले माह होने एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए भारतीय क्रिकेट टीम की घोषणा अभी होनी है। भारतीय टीम एशिया कप में अपना पहला मैच यूएई से खेलेगी। इसके बाद भारतीय टीम का सामना पाकिस्तान से होगा। भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 14 सितंबर को दुबई में होगा। एशिया कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को शामिल किये जाने की संभावना नहीं है। बुमराह को इस दौरान आराम दिया जाएगा। वहीं बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को लंबे समय के बाद टीम में वापसी की संभावना है। श्रेयस का प्रदर्शन घरेलू क्रिकेट के साथ ही आपीएल 2025 में भी काफी अच्छा रहा थ। वहीं पैर के अगूठे में फैक्चर के कारण विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इसमें शायद ही खेल पाये। ऋषभ को इंग्लैंड में टेस्ट सीरिज के चौथे मैच में एक गेंद लग गयी थी।

एशिया कप से भारतीय टीम की 2026 टी20 विश्व कप की तैयारियों का भी पता चलेगा। विश्वकप अगले साल फरवरी में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। . ऐसे में टी20 विश्व कप से पहले भारतीय टीम प्रबंधन के पास एक अच्छा दल तैयार करने का अच्छा अवसर रहेगा। एशिया कप में भारतीय टीम को पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। इसमें सूर्यकुमार यादव भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। सूर्यकुमार अभी सर्जरी के बाद (रिहैब) पुनर्वास प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। टूर्नामेंट में साई सुदर्शन, यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों को भी जगह मिल सकती है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को हालांकि वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत इस एशिया कप में आराम दिया जा सकता है।

भारत की संभावित एशिया कप 2025 टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, रियान पराग, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा।

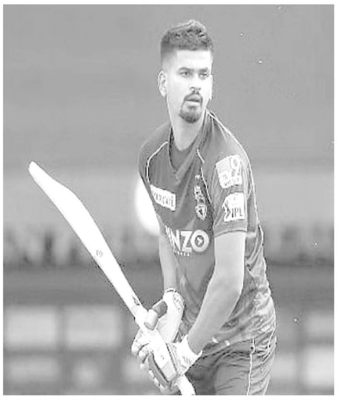

अब बंगाल अंडर-23 पुरुष टीम के कोच बने साहा

कोलकाता। पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा अब कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर रहे साहा को बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) ने अंडर-23 पुरुष टीम का मुख्य कोच बनाया है। साह ने कोच की जिम्मेदारी संभालते हुए पहले अभ्यास सत्र में आत्मविश्वास और टीम वर्क पर जोर दिया। साहा ने खिलाड़ियों से कहा कि एक टीम के रूप में हमें अपने कौशल पर ध्यान देना चाहिए और साथी खिलाड़ियों की सहायता करनी चाहिए। हमें अपने पर भरोसा करके और प्रशिक्षण में जो हमने किया है, उसे अपने मैचों में अमल में लाना चाहिये। इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने साल 2010 से 2021 के बीच 40 टेस्ट मैचों में भारतीय टीम की ओर से खेला है। इसके अलावा नौ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भी वह शामिल रहे। पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के दौर में होने के कारण उन्हें काफी कम अवसर मिले।

फिटनेस टेस्ट के लिए एनसीए पहुंचे पंड्या, पास होने पर ही एशिया कप खेल पाएंगे

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीए) पहुंचे। जहां अगले दो दिनों तक उनका फिटनेस टेस्ट होगा। इसमें पास होने पर ही वह अगले माह होने वाले एशिया कप में खेल पायेंगे। पंड्या ने 2024 टी-20 विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। एशिया कप 9 सितंबर से शुरु होगा।

पंड्या से पहले बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने 27 से 29 जुलाई के बीच अपना फिटनेस टेस्ट पूरा किया था। श्रेयस ने दिसंबर 2023 से ही भारतीय टीम की ओर से कोई भी टी20 अंतराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। ऐसे में देखना है कि क्या चयनकर्ता उन्हें शामिल करते हैं या नहीं। वहीं भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव भी अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। सूर्यकुमार की जून में म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी हुई थी। वह भी अगले एक सप्ताह तक एनसीए में ही रहेंगे और फिजियो-मेडिकल टीम की निगरानी में फिटनेस हासिल करने का प्रयास करेंगे।

भारत की मेजबानी में यूएई में 9 से 28 सितंबर तक होने वाले टूर्नामेंट में भारतीय टीम को पाकिस्तान से भी 14 अक्टूबर को खेलना है। इस मैच का हालांकि काफी विरोध हो रहा और प्रशंसकों का कहना है कि टीम को पाक से नहीं खेलना चाहिये। दोनों टीमें टूर्नामेंट में तीन बार तक आमने-सामने आ सकती हैं एशिया कप में भारतीय टीम का पहला मुकाबला 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से होगा।

किरमानी से मिलती है नई पीढ़ी को प्रेरणा - सिराज

हैदराबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज सैयद किरमानी की आत्मकथा लाइफ बिहाइंड एंड बियॉन्ड द ट्वेंटी टू यार्ड्स का हैदराबाद में विमोचन हुआ। किरमानी की आत्मकथा के विमोचन कार्यक्रम में मोहम्मद अजहरुद्दीन, मोहम्मद सिराज सहित कई हस्तियां शामिल हुईं। इस अवसर पर सिराज ने कहा कि 1983 विश्वकप विजेता टीम के सदस्य रहे किरमानी से नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। सिराज ने कहा, सर जब आपने 1983 में विश्वकप जीता था तब हम पैदा तक नहीं हुए थे।

इस दौरान सिराज ने कहा कि आपकी कहानी हौसला बढ़ाने वाली और प्रेरक है। मैंने कई खिलाड़ियों से सुना है कि विकेट के पीछे आपके रिफ्लेक्सेज असाधारण थे। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए सब कुछ देने के लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।'

जवाब में इस पूर्व विकेटकीपर ने भी एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में शानदार गेंदबाजी के लिए, सिराज की प्रशंसा की। किरमानी ने कहा, 'आपने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। मेरी तरफ से आपको बधाई। आपने देश को गौरव प्रदान किया है। वह आक्रामकता एकदम दिल से थी। मेरी कामना है कि आपको हर तरह की सफलता मिले।'

पूर्व कप्तान अजहर ने भी किरमानी की तारीफ करते हुए कहा, यह महत्वपूर्ण है कि उन्होंने इसे हैदराबाद में भी रिलीज किया है। वह भविष्य में बहुत से विकेटकीपरों और क्रिकेटरों का मार्गदर्शन करेंगे।

वेंगसरकर ने बुमराह पर निशाना साधा, वर्कलोड मैनेजमेंट के लिए आईपीएल नहीं खेलते

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने कहा है कि अगर किसी खिलाड़ी को वर्कलोड मैनेजमेंट की जरुरत है तो उसे आईपीएल नहीं खेलना चाहिये। वेंगसरकर ने अपने इस बयान से तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर निशाना साधा है। वेंगसरकर ने कहर कि अगर बुमराह को आराम की जरुरत थी तो उन्हें आईपीएल 2025 नहीं खेलना चाहिए था जिससे वह तरोताजा रहते और इंग्लैंड दौरे पर सभी पांच टेस्ट मैच खेल पाते। साथ ही कहा कि बुमराह सभी मैच खेलते तो संभव है कि सीरिज 2-2 से ड्रॉ की बजाय भारतीय टीम को इसमें जीत मिली होती। वहीं इंग्लैंड दौरे से पहले ही टीम प्रबंधन ने साफ कर दिया था कि बुमराह पांच में से तीन टेस्ट ही खेलेंगे। पूर्व मुख्य चयनकर्ता रहे वेंगसरकर ने कहा कि भारत-इंग्लैंड सीरिज के महत्व को देखते हुए बीसीसीआई, चयनसमिति और भारतीय टीम प्रबंधन को बुमराह को आईपीएल 2025 खेलने नहीं देना था। इस सीरिज में हमारे लिए फिट और तरोताजा बुमराह सबसे अधिक फायदेमंद होते।

रदरफोर्ड और रोस्टन की पारी से वेस्टइंडीज ने दूसरे एकदिवसीय में पाकिस्तान को हराया

त्रिनिदाद। शेरफन रदरफोर्ड और रोस्टन चेज की अच्छी बल्लेबाजी से वेस्टइंडीज ने बारिश से प्रभावित दूसरे एकदिवसीय में पाकिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही वेस्टइंडीज ने इस सीरिज में 1-1 से बराबरी कर ली है। इस मैच में पाक टीम के अनुभवी बल्लेबजा बाबर आजम अपना खाता भी नहीं खोल पाये। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान 37 ओवर में 7 विकेट पर 171 रन ही बना और तभी एक बार फिर बारिश आ गई, ऐसे में पाकिस्तान की पारी यहीं समाप्त हो। डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर वेस्टइंडीज को 35 ओवर में 181 रनों का संभावित लक्ष्य मिला था। जो उसने खराब शुरुआत के बाद भी रोस्टन और रदरफोर्ड की पारी से हासिल कर लिया। वेस्टइंडीज की भी शुरुआत कोई खास नहीं रही. लेकिन बाद में उसके बल्लेबाज जम गए।

चेज ने 47 गेंदों पर दो छक्कों और एक विजयी चौके की मदद से नाबाद 49 रन बनाए, जिससे वेस्टइंडीज 33.2 ओवर में पांच विकेट पर 184 रन बनाकर जीत हासिल करने में सफल रहा। वहीं रफोर्ड ने 33 गेंदों में तीन छक्कों और चार चौकों की मदद से 45 रन बनाए। चेज और ग्रीव्स (31 गेंदों पर 26 रन) ने छठे विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी करके टीम को लक्ष्य तक पहुंचा।

वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स ने आजम को शून्य पर ही आउट कर दिया। वहीं मोहम्मद रिज़वान भी असफल रहे और 23 गेंद में 4 रन ही बना पाये। इसके बाद हुसैन तलात ने पारी संभालने का प्रयास किया। वहीं अंत में हसन नवाज ने तेजी से रन बनाने का प्रयास कियाकी लड़खड़ाती शुरुआत

181 के आसान दिखने वाले लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान वेस्टइंडीज टीम ने शुरुआत में ही दो विकेट खो दिये।

विराट, रोहित के संन्यास को लेकर अभी जल्दबाजी में फैसला नहीं करना चाहता बीसीसीआई

मुम्बई। पिछले कुछ समय से एकदिवसीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के करियर को लेकर कई सवाल उठे हैं। जिसमें एक ये भी है कि क्या ये दोनो 2027 विश्व कप खेल पायेंगे ? वहीं इस मामले में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी तक कोई संकेत नहीं दिये हैं। एकदिवसीय विश्वकप को अभी दो साल हैं ऐसे में बीसीसीआई का ध्यान अभी अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप पर है। माना जा रहा है कि बीसीसीआई विराट और रोहित के एकदिवसीय करियर को लेकर अभी कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहता है। ये दोनो ने ही टी20 और टेस्ट क्रिकेट को से संन्यास ले लिया है और अभी ये दोनो एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं। विराट और रोहित की मैदान पर वापसी इसी माह बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज होनी थी पर इस दौरे को ही रद्द कर दिया गया जिससे मैदान पर उतरकर खेलने का इनका इंतजार बढ़ गया है। भारतीय टीम को अब अपनी अगली एकदिवसीय सीरीज 19 से 25

अक्टूबर के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी के मैदान पर खेलनी है। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद दोनों ही एक दिवसीय क्रिकेट खेलते या नहीं।

बीसीसीआई के कुछ सदस्यों का ये भी मानना है कि ऑस्ट्रेलिया सीरिज की तैयारी के लिए दोनों खिलाड़ी पहले इंडिया-ए के लिए कुछ मैच खेलें। इंडिया ए को ऑस्ट्रेलिया-ए से खेलना है। ऑस्ट्रेलिया-ए टीम भारत दौरे पर तीन लिस्ट-ए मैच खेलेगी। ये मुकाबले 30 सितंबर, 3 और 5 अक्टूबर को कानपुर में खेले जाएंगे। विराट और रोहित का एकदिवसीय में जबरदस्त रिकार्ड रहा है। इसके बाद भी उम्र इनके खिलाफ जा रही है। 2027 विश्वकप तक रोहित की उम्र 40 के करीब जबकि विराट की 39 के पास होगी। ऐसे में इन्हें अवसर अवसर मिलना बेहद कठिन हैं। ये भी कहा जा रहा है कि ये दोनो स्वयं बोर्ड को अपने भविष्य की योजनाओं के बारे में बतायेंगे। अभी टीम का ध्यान फरवरी-मार्च में होने वाले टी20 विश्व कप और उससे पहले की तैयारियों पर है। विराट ने हाल ही में लंदन में अभ्यास शुरु कर दिया है। उन्होंने इससे जुड़ी अपनी तस्वीरें भी सोशल मीडिया में जारी की हैं। वहीं रोहित भी कुछ ही समय में अभ्यास करने जा रहे हैं। वहीं इससे पहले एक रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि बीसीसीआई 25 अक्टूबर को सिडनी में दोनों को विदायी मैच देने पर विचार कर रहा है पर बोर्ड ने ऐसी किसी बातचीत से माना किया है।

अब सलामी बल्लेबाज के तौर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह बनाना चाहते हैं लाबुशेन

मेलबर्न। हाल में खराब फार्म के कारण ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम से बाहर हुए बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन का कहना है कि वह टीम में वापसी के लिए बतौर सलामी बल्लेबाज भी खेलने के लिए तैयार हैं। लाबुशेन ने ये बात इसलिए कही हैं क्योंकि टीम को आगामी एशेज सीरिज के लिए एक अच्छे सलामी बल्लेबाज की जरुरत है। ऐसे में लाबुशेन इस अवसर का इस्तेमाल करना चाहते हैं। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025 के फाइनल के बाद से ही ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम से उन्हें बाहर कर दिया गया था जिससे वह परेशान हैं। अब लाबुशेन चाहते हैं कि वह पारी की शुरुआत करें क्योंकि डेविड वार्नर के संन्यास के बाद से ही टीम के पास कोई अच्छा सलामी बल्लेबाज नहीं है। अब तक स्टीव स्मिथ सहित जिसे भी अवसर दिया गया है वह असफल रहा है।

लंबे समय से तीसरे नंबर पर खेल रहे इस खिलाड़ी को लगातार खराब प्रदर्शन के बाद जून और जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट दौरे से बाहर कर दिया गया था। 31 वर्षीय बल्लेबाज ने कहा, मेरे लिए बाहर होने का समय मुश्किल था, क्योंकि आप

कभी भी टीम से बाहर नहीं होना चाहते, लेकिन जैसे ही चयनकर्ताओं की बातें सुनी मेरा दिमाग तुरंत इस ओर चला गया। इससे मुझे सोचने का मौका मिला और मीडिया के दबाव से भी मुक्ति मिली, जो कह रहा था, मार्नस को जाना होगा। एक निर्णायक मोड़ जरूर आता है, लेकिन यही वह चीज है जिससे मैं आगे बढ़ता हूं, संदेह करने वालों को गलत साबित करना और अपने लिए रास्ता बनाना। वेस्टइंडीज के उन टेस्ट मैचों में न खेल पाने से मुझे आराम से बैठकर सोचने का मौका मिला, मैं यहीं रहना चाहता हूं और मैं यहां ऐसे ही पहुंचूंगा।

इस क्रिकेटर ने डब्ल्यूटीसी के फाइनल में भी पारी की शुरुआत की थी, लेकिन बड़े स्कोर नहीं बनाए थे। हालांकि, सैम कॉन्स्टस ने जिस तरह संघर्ष किया है, उसे देखते हुए एक अनुभवी ओपनर उस्मान ख्वाजा के साथ वह पारी की शुरुआत कर सकते हैं। ऐसे में नंबर 3 पर लाबुशेन की जगह कैमरोन ग्रीन को उतारा जा सकता है जबकि चार पर स्मिथ खेलते हुए नजर आएंगे। दूसरे ओपनर उस्मान ख्वाजा होंगे, जो संभवत: उनकी आखिरी सीरिज हो सकती है।

ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को 17 रनों से हराया

डार्विन। ऑस्ट्रेलिया ने यहां पहले टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को 17 रनों से हराकर सीरिज में 1-0 की बढ़त हासिल कर दी। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने एक बेहद मुश्किल कैच पकड़कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी से ज्यादा चर्चा मैक्सवेल के कैच की रही। इसी कैच पर दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज रियान रिकेल्टन पेवेलियन लौटे। रिकेल्टन ने 71 रन बनाये थे और वह टीम को जीत दिलाने जा रहे थे पर मैक्सवेल के लिए, कैच ने मैच पलट दिया। इस मैच में मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका को अंतिम ओवर में जीत के लिए 21 रन चाहिए थे और उसके पास तीन विकेट थे पर वह असफल रही। बेन द्वारशुइस की गेंदब पर रिकेल्टन ने एक ऊंचा शॉट लगाया और गेंद छह रनों के लिए जा रही थी पर तभी मैक्सवेल ने बाउंड्री लाइन के अंदर से छलांग लगाकर हवा में ही कैच लपक लिया और गिरने से पहले ही गेंद को अपने पीछे बाउंड्री के अंदर उछाल दिया।

अर्शदीप एशिया कप के पहले ही मैच में पूरे कर सकते हैं अपने 100 विकेट

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह एशिया कप के पहले ही मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। एशिया कप 9 से 28 सितंबर तक यूएई में खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम लीग स्तर पर दूसरे मैच में पाकिस्तान से खेलेगी। अर्शदीप के पास अपने पहले ही मैच में अपने 100 विकेट पूरे करने का अवसर है। अर्शदीप ने अबतक भारतीय टीम की ओर से 63 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 99 विकेट लिए हैं। ऐसे में अगर अर्शदीप एशिया कप में एक भी विकेट ले लेते हैं, तो वह इस प्रारुप में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे। अर्शदीप सिंह के अलावा स्पिनर युजवेंद्र चहल टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय हैं, चहल ने 80 मुकाबलों में 96 विकेट लिए हैं जबकि हार्दिक पांड्या ने 114 मैचों में 94 विकेट अपने नाम किये हैं। अर्शदीप ने अब तक 63 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं।

एशिया कप का पहला मुकाबला अफगानिस्तान और हांगकांग के बीच होगा। इसमें भारतीय टीम के सभी मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। इसमें भाग ले रही आठ टीमों को चार-चार के दो समूहों में बांटा गया है। ग्रुप-ए में भारत, पाकिस्तान, यूएई और ओमान की टीमें हैं जबकि ग्रुप-बी में श्रीलंका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और हांगकांग हैं। प्रत्येक ग्रुप से दो-दो टीमें सुपर-4 में पहुंचेंगी, जिसमें शीर्ष पर रहने वाली टॉप-2 टीमों के बीच खिताबी मुकाबला होगा।

रोहित और विराट से आगे बढ़कर युवाओं को अवसर दें चयनकर्ता - देवांग

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर और चयनकर्ता रहे देवांग गांधी ने कहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली का भारतीय क्रिकेट में अहम योगदान रहा है। इसमें किसी को भी कोई संदेह नहीं है पर भविष्य को देखते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) रोहित शर्मा और विराट कोहली से आगे निकलकर युवाओं को अवसर दे। देवांग के अनुसार रोहित और विराट ने भारतीय क्रिकेट को काफी आगे पहुंचाया है पर समय किसी का इंतज़ार नहीं करता। देवांग ने कहा, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, साई सुदर्शन जैसे युवाओं को आप बाहर कैसे रख सकते हैं। इस खिलाड़ियों ने साबित किया है कि वे हर प्रकार के हालातों में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। साथ ही कहा कि जब एक बार जब कोई खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर लेता है और उसके पास काफी बेहतर क्षमता आ जाती है जिसका लाभ उसे एकदिवसीय में मिलता है। इसलिए यह बहुत जरूरी है कि चयनकर्ता और टीम प्रबंधन एक साथ मिलकर कोई फैसला लें। ये भी देखा जाना चाहिये कि अगर रोहित और विराट को रखा जाता है तो क्या वे अगले दो साल तक खेल सकते हैं। गांधी ने कहा, अगर एक साल में हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं जहां उनमें से कोई एक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा है तो हमारे पास उसके जगह किसी और को शामिल करने का विकल्प होना चाहिये। कप्तानी का सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है और चयनकर्ताओं को इस पर फैसला लेना होगा। शुभमन पहले ही टेस्ट मैचों में कप्तानी के लिए अपने को साबित कर चुके हैं और अपनी मौजूदा फॉर्म को देखते हुए, वह अभी देश के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज हैं, जिनका औसत 59.04 और स्ट्राइक रेट 99.56 है।

सैमसन के जाने पर पराग सहित ये तीन होंगे रॉयल्स में कप्तानी के दावेदार

मुम्बई। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के अपनी आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स को छोड़कर चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) जाने की संभावनाएं हैं। सैमसन जैसे अनुभवी खिलाड़ी की कमी पूरी करना रॉयल्स के लिए आसान नहीं होगा क्योंकि वह कप्तानी के साथ ही बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभालते हैं। वह टीम के सबसे बेहतर खिलाड़ियों में से एक हैं। उनके जाने के बाद रॉयल्स को नये कप्तान की तलाश करनी होगी और इसके लिए रियान पराग, यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल प्रबल दावेदार हैं।

रियान पराग

पराग ने आईपीएल 2025 में भी सैमसन के चोटिल होने के

कारण कई मैचों में कप्तानी की थी। रियान एक अच्छे बल्लेबाज हैं और युवा हैं ऐसे में वह एक कप्तान के तौर पर एक बेहतर विकल्प हैं। रियान ने टीम के लिए 2024 में सबसे ज्यादा रन बनाए थे। वह बल्लेबाजी के साथ ही स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। इसके अलावा उनका क्षेत्ररक्षण भी अच्छा है।

यशस्वी जायसवाल

यशस्वी जायसवाल एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। वह भारतीय टेस्ट टीम में भी शामिल हैं। वह तीनों ही प्रारुपों में खेलते हैं। ऐसे में भविष्य को देखते हुए उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी दी जा सकती है।

ध्रुव जुरेल

जुरेल एक विकेटकीपर बल्लेबाज हैं और उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड दौरे में भी ऋषभ पंत के चोटिल होने के कारण विकेटकीपिंग की थी। जुरेल एक अच्छे विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं जो हार प्रकार के हालातों में खेल सकते हैं। उन्हें घरेलू मैचों में भी कप्तानी का अनुभव है। उन्होंने अकेले ही राजस्थान को कई मैचों में जीत दिलायी है। विकेटकीपर बल्लेबाज होने के कारण वह सैमसन के स्वाभाविक विकल्प हो सकते हैं।

डबल वोटिंग मामले में राहुल गांधी की बढ़ सकती है मुसीबत, आर्टिकल 337 में फंसेंगे

नई दिल्ली। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 337 एक गंभीर अपराध में लागू होती है। जब भी कोई शख्स सरकारी दस्तावेज या कोर्ट रिकॉर्ड की जालसाजी करता है तो उस पर ये धारा लगाई जा सकती है। जैसे कोई शख्स अगर वोटर आईडी, आधार कार्ड, जन्म-मृत्यु या विवाह रजिस्टर, सरकारी प्रमाणपत्र, कोर्ट की कार्यवाही के रिकॉर्ड, पावर ऑफ अटॉर्नी जैसे दस्तावेज में खेल करे, तो वो इस खेल में फंस सकता है। कर्नाटक में डबल वोटिंग का दावा अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए कानूनी पचड़ा बन गया है। राहुल गांधी ने अपनी प्रेजेंटेशन में एक डॉक्यूमेंट दिखाते हुए दावा किया था कि यह चुनाव आयोग का रिकॉर्ड है। शगुन रानी नाम की एक महिला के पास दो-दो वोटर आईडी हैं। इसमें पोलिंग बूथ ऑफिसर का टिक मार्क लगा है, जो यह साबित करता है कि शगुन रानी ने दो बार वोट भी किया। अब यही राहुल गांधी के गले की फांस बन गया है।

चुनाव आयोग कह रहा कि पूरी कहानी ही उलटी है। कर्नाटक के चीफ इलेक्शन कमीश्नर ने राहुल गांधी को नोटिस जारी कर दिया है और पूछा है कि जो दावा आपने किया, उसका सबूत तो दीजिए। क्योंकि हमने जो जांच की है, उसके मुताबिक- शगुन रानी नाम की महिला ने दो वार वोट नहीं किया। लेकिन सबसे बड़ा सवाल, अगर राहुल गांधी का दावा गलत पाया गया तो क्या होगा? कहा जा रहा है कि उन पर आर्टिकल 337 के तहत कार्रवाई हो सकती है। माना जा रहा कि राहुल गांधी ने जिस तरह चुनाव आयोग के डॉक्यूमेंट को गलत तरह से पेश किया, उसमें छेड़छाड़ की गई, वह इस दायरे में आएगी। अगर ऐसा हुआ तो कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। कानून ये भी कहता है कि अगर आरोप साबित होते हैं

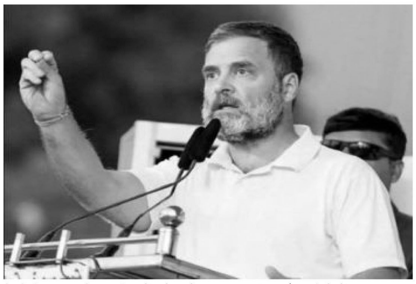

तो दोषी व्यक्ति को राजनीति में बने रहने पर भी असर पड़ सकता है, क्योंकि जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 के तहत 2 साल या उससे अधिक की सजा होने पर संसद या विधानसभा की सदस्यता जा सकती है। राहुल गांधी के मामले में अगर जांच और कोर्ट में यह साबित होता है कि उन्होंने वोटर लिस्ट से जुड़ा कोई जाली डॉक्यूमेंट बनाया या इस्तेमाल किया, तो धारा 337 के तहत उन पर केस चल सकता है और दोषी साबित होने पर उन्हें 7 साल तक की जेल, जुर्माना, और सांसद पद गंवाने का खतरा भी हो सकता है।

चुनाव आयोग को कोर्ट में यह तय करना होगा कि डॉक्यूमेंट जानबूझकर जाली बनाया गया या सिर्फ गलती से शामिल हुआ। सबूत की जिम्मेदारी अभियोजन पक्ष पर यानी चुनाव आयोग पर होगी। दोष साबित होने पर सजा और जुर्माने की मात्रा अदालत तय करेगी। कानून कहता है कि अगर कोई व्यक्ति ऐसे किसी डॉक्यूमेंट को जाली साबित करने में दोषी पाया जाता है, चाहे वह डॉक्यूमेंट कागजी हो या इलेक्ट्रॉनिक, तो उसे 7 साल तक की कठोर कारवास की सजा दी जा सकती है। इतना ही नहीं, उस पर असीमित जुर्माना भी लगाया जा सकता है। कानून विशेषज्ञों के मुताबिक, यह अपराध गैर-जमानती भी हो सकता है, यानी दोषी पाए जाने पर गिरफ्तारी के बाद कोर्ट से ही जमानत लेनी होगी।

बिहार में अब बिल्ली के नाम पर आवासीय प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन, जांच के आदेश

पटना। बिहार में कुत्तों के लिए आवासीय प्रमाण पत्र के आवेदनों के बाद, रोहतास में एक बिल्ली के नाम पर आवासीय प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन किया गया। आवेदक का नाम कैट कुमार, जिसमें पिता के रूप में कैटी बॉस और माता के रूप में कैटिया देवी लिखा था। रोहतास की जिलाधिकारी (डीएम) उदिता सिंह के निर्देश पर, नासरीगंज के राजस्व अधिकारी कौशल पटेल ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। मामले की जाँच की जा रही है। इससे पहले 30 जुलाई को, इसी तरह की एक घटना में, डोगेश बाबू के नाम से एक कुत्ते की तस्वीर के साथ आवासीय प्रमाण पत्र के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था, जिसके बाद नवादा के जिलाधिकारी ने कार्रवाई का आदेश दिया था। डीएम ने स्थानीय पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने और मामले की गहन जाँच करने का निर्देश दिया है। एक व्यक्ति ने अपने पालतू कुत्ते, डोगेश बाबू, के लिए आवासीय प्रमाण पत्र के अनुरोध हेतु सिरदला आरटीपीएस (लोक सेवा का अधिकार) कार्यालय में एक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन में एक पालतू कुत्ते की तस्वीर भी है। मामला सामने आने पर ज़िलाधिकारी रवि प्रकाश ने गंभीरता से लेकर संबंधित अधिकारियों को जाँच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। डीएम प्रकाश ने कहा कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं से इस तरह की छेड़छाड़ किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लिखा, नकलची... या यूँ कहें कि नकलची, रजौली के सिरदला से निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करते पकड़े गए। घटिया और घटिया हास्य-व्यंग्य के लिए एफ़आईआर दर्ज हो रही है।

डिप्टी सीएम चौधरी को जेड प्लस तो तेजस्वी जेड श्रेणी की सुरक्षा समेत पांच नेताओं की सुरक्षा बढ़ी

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव करीब हैं। इससे पहले बिहार के सीएम नीतीश सरकार ने उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सहित पांच नेताओं की सुरक्षा बढ़ा दी है। पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव, अररिया सांसद प्रदीप कुमार, बाढ़ के विधायक ज्ञानेंद्र सिंह ज्ञानू और जदयू विधान पार्षद नीरज कुमार सिंह की भी सुरक्षा बढ़ाई गई है।

गृह विभाग की अधिसूचना के मुताबिक बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को जेड प्लस और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव को जेड श्रेणी की सुरक्षा मिलेगी। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव, प्रदीप सिंह और ज्ञानेंद्र सिंह ज्ञानू को वाई प्लस जबकि नीरज कुमार को वाई श्रेणी सुरक्षा दिए जाने का फैसला लिया है। विभाग ने डीजीपी को पत्र लिखकर सुरक्षा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

बता दें कुछ दिनों पहले बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की सुरक्षा को लेकर सवाल उठे थे। नवादा से पटना लौटते समय पटना के मरीन ड्राइव के पास उनके काफिले में एक कार घुस गई थी। इससे पहले उनके काफिले में शामिल एक कार को टक्करर मारने की घटना भी हुई थी। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को हाल ही में जान से मारने की धमकी मिली थी। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव लंबे समय से अपनी सुरक्षा बढ़ाए जाने की मांग कर रहे थे।

बता दें जेड प्लस सुरक्षा श्रेणी सबसे उच्च स्तर की सुरक्षा श्रेणी होती है। किसी व्यक्ति को यह सुरक्षा देने से पहले गृह मंत्रालय राज्य सरकार से सलाह के बाद फैसला लेता है। जेड प्लस सुरक्षा में करीब 55 जवान वीआईपी की सुरक्षा में 24 घंटे तैनात रहते हैं। यह एनएसजी के कमांडो होते हैं। यह कमांडो वीआईपी के घर से लेकर उनके दफ्तर तक उनके साथ रहते हैं।

जेड श्रेणी की सुरक्षा एक हाईलेवल सुरक्षा व्यवस्था है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को यह सुरक्षा प्रदान की गई है। अब 22 सुरक्षा कर्मी तेजस्वी के साथ साए की तरह हमेशा साथ रहेंगे। इसमें एनएसजी कमांडो और पुलिसकर्मी दोनों शामिल रहते हैं। इस कैटेगरी की सुरक्षा में आईटीबीटी या सीआरपीएफ के जवान भी शामिल रहते हैं।

पप्पू यादव को वाई प्लस सुरक्षा दी गई है। इस सुरक्षा श्रेणी के तहत वीआईपी की सुरक्षा में करीब एक दर्जन जवान तैनात रहते हैं। इनमें 2-4 कमांडो और तीन पीएसओ होते हैं। इसके अलावा वाई श्रेणी सुरक्षा व्यवस्था के तहत वीआईपी की सुरक्षा में करीब 8 जवान हमेशा तैनात रहते हैं। इन जवानों के लिए दो गाड़ियां रहती हैं।

लोकसभा में नया आयकर बिल पास, दो खेल विधेयक भी किए गए पेश

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में सोमवार को हंगामे और विरोध प्रदर्शनों के बीच सरकार ने नया आयकर बिल (नंबर-2) 2025 और कराधान कानून (संशोधन) विधेयक-2025 लोकसभा में पारित करा लिए। इसके साथ ही दो महत्वपूर्ण खेल विधेयक, राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक 2025 भी सदन में पेश किए गए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में आयकर और कराधान कानून संशोधन विधेयक पारित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे सदन ने मंजूरी दे दी। वहीं, केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन और डोपिंग रोधी संशोधन विधेयक पेश किए। बिहार मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी को लेकर विपक्ष का विरोध जारी रहा, लेकिन इसके बीच ही लोकसभा ने खेल संचालन विधेयक भी पारित कर दिया।

कपिल सिब्बल ने खैरियत जानने की कोशिश तो राउत ने शाह को लिखा खत- पूछा- न फोन लगा, न जवाब मिला- कहां हैं जगदीप धनखड़?

मुंबई। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की खैर खबर लेने में कई विपक्षी नेता जुटे हैं। पहले राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने खैरियत जानने की कोशिश की थी अब शिवसेना (यू) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर पूछा है कि पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का न तो फोन लग रहा है और न ही कोई जवाब मिल रहा है। कहां हैं धनखड़ साहब!

शिवसेना सांसद संजय राउत ने मुद्दा बनाया है। संजय राउत का कहना है कि जगदीप धनखड़ का कोई पता नहीं चल रहा है। उनसे न फोन पर संपर्क हो रहा और न उनके स्टाफ जवाब दे रहे हैं। यही कारण है कि उद्धव गुट वाली शिवसेना (यूबीटी) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को खत लिखा है। अपने पत्र में उन्होंने जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे और उसके बाद से उनके लापता होने पर गंभीर चिंता जताई है।

संजय राउत ने पत्र में कहा कि 21 जुलाई को जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा की कार्यवाही सामान्य रूप से संचालित की थी। वह इस दौरान पूरी तरह स्वस्थ दिखाई दे रहे थे। लेकिन उसी शाम को उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया। संजय राउत के मुताबिक, तब से अब तक जगदीप धनखड़ की सेहत या ठिकाने को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

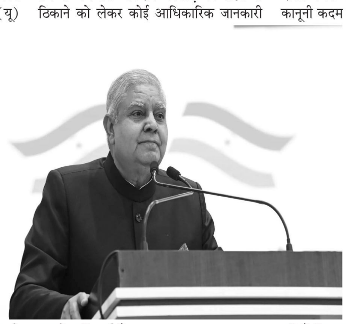

उन्होंने इस स्थिति को 'चौंकाने वाली और चिंताजनक' बताते हुए सवाल उठाया कि उनके हालात और स्थान को लेकर पारदर्शिता क्यों नहीं है, जबकि देश को सच जानने का अधिकार है। संजय राउत ने चेतावनी दी कि कुछ राज्यसभा सदस्य जगदीप धनखड़ की कुशलता जानने के लिए सुप्रीम कोर्ट में हैबियस कॉर्पस याचिका दायर करने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, कानूनी कदम उठाने से पहले उन्होंने गृह मंत्री से आधिकारिक जानकारी देने की मांग की। शिवसेना नेता ने अमित शाह से आग्रह किया कि जगदीप धनखड़ की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर सच्ची जानकारी सार्वजनिक की जाए, ताकि सभी अटकलों पर विराम लग सके। संजय राउत ने यह खत 10 अगस्त को लिखा। इस पत्र में संजय राउत ने बताया कि कई सांसदों ने जगदीप धनखड़ से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन असफल रहे। उनके स्टाफ से भी कोई जवाब नहीं मिला। संजय राउत का दावा है कि दिल्ली में ऐसी अफवाहें फैल रही हैं कि जगदीप धनखड़ को उनके आवास में नजरबंद किया गया है और वे सुरक्षित नहीं हैं।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख की धमकी पर भारत ने कहा- इन गीदड़भभकियों से डरते नहीं

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख द्वारा अमेरिका की यात्रा के दौरान की गई कथित टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया देकर पाकिस्तान की परमाणु शक्ति की धांधली का उदाहरण बताया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि इस तरह की टिप्पणियां पाकिस्तान की परमाणु कमान और नियंत्रण की अखंडता पर संदेह को रेखांकित करती हैं, खासकर उस देश में जहां सेना आतंकवादी समूहों के साथ मिली हुई है। विदेश मंत्रालय ने बयान को अफसोसजनक बताया कि ये टिप्पणियां एक मित्र तीसरे देश की धरती से की गईं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि देश परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगा।

भारत की बढ़ती ताकत नहीं देख पा रहे हैं कुछ देश- राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। भारत दुनिया की सबसे 'दबंग और गतिशील' अर्थव्यवस्था है। 'सबके बॉस तो हम हैं' का भाव रखने वाले कुछ देशों को यह रास नहीं आ रहा है। मध्य प्रदेश के रायसेन में भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) की रेल कोच इकाई का भूमि पूजन करने के बाद राजनाथ ने अपने संबोधित करते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत जितनी तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है, उसे कई देश देख नहीं पा रहे हैं लेकिन दुनिया की कोई ताकत उसे विश्व की बड़ी शक्ति बनने से नहीं रोक सकती।उन्होंने कहा, 'साल 2014 में धन दौलत के आकार (अर्थव्यवस्था) के मामले में भारत 11वें स्थान पर था। आज दुनिया के शीर्ष चार देशों में आ गया है। तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था अगर किसी देश की

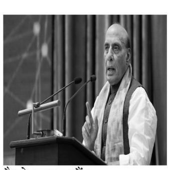

है तो वह हम हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा, डैशिंग यानी दबंग और डायनामिक यानी गतिशील अर्थव्यवस्था किसी देश की है तो वह भारत की है। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा कि लेकिन 'कुछ लोगों' को भारत का तेजी से विकास रास नहीं आ रहा है, उन्हें अच्छा नहीं लग रहा है। उन्होंने कहा, वे सोचते हैं कि सबके बॉस तो हम हैं और भारत कैसे इतनी तेजी से आगे बढ़ रहा है? बहुत से देश ऐसा करने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत में तैयार चीजें उनके देश में बनी चीजों से महंगी हो जाएं ताकि दुनिया के लोग उन्हें खरीद नहीं पाएं।राजनाथ सिंह ने कहा कि पहले रक्षा उत्पादन से जुड़ी चीजें विदेशों में बनाई जाती थीं और भारत उनसे खरीदता था। उन्होंने कहा, लेकिन आज इनमें से बहुत सारी चीजें न केवल भारत की धरती पर बल्कि भारतवासियों के हाथों से बन रही हैं। हम न केवल अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं बल्कि दुनिया को भी निर्यात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी जब देश के प्रधानमंत्री बने थे उस समय केवल 600 करोड़ रुपये के भारत के रक्षा उत्पाद दुनिया के दूसरे देशों में निर्यात होते थे। उन्होंने कहा, अब हम 24,000 करोड़ से ज्यादा के रक्षा उत्पाद अन्य देशों को बेच रहे हैं। यह नए भारत का नया रक्षा क्षेत्र है।

पाकिस्तान धमकी दे रहा, बावजूद इसके हम क्रिकेट खेलने को तैयार- प्रियंका चतुर्वेदी

नई दिल्ली,। एशिया कप में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को लेकर शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने केंद्र सरकार पर जबरदस्त हमला बोलते हुए सवाल किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान हमें बार-बार धमकी देता है, फिर भी हम उसके साथ क्रिकेट खेलने को तैयार हो जाते हैं।

एक बातचीत के दौरान सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने पाकिस्तान सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के उस बयान को खोखली धमकी बताया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर पाकिस्तान डूबेगा तो आधी दुनिया को साथ लेकर डूबेगा। उन्होंने कहा, कि हमारे वायुसेना प्रमुख पहले ही बता चुके हैं कि हमने पाकिस्तान को कैसे सबक सिखाया।

एआईएफ ने बताई जरुरत कहा- दुनिया के माहौल को देखते हुए तत्काल चाहिए 114 लड़ाकू विमान

नई दिल्ली। दुनिया जिस तरह से अशांति का माहौल है और आए दिन दुश्मन चुनौतियां खड़ी कर रहे हैं उसको देखते हुए भारतीय वायुसेना को लंबे समय से लंबित पड़े 114 मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट प्रोजेक्ट के तहत नए राफेल विमान उपलब्ध करवाए जाएं। बता दें कि एमआरएफए प्रोजेक्ट पिछले सात से आठ साल से लटका हुआ है। वहीं भारतीय वायुसेना में विमानों की कमी हो गई है। अगले महीने मिग-21 विमान रिटायर होने वाले हैं। ऐसे में वायुसेना में विमानों की संख्या और कम हो जाएगी। भारतीय वायुसेना ने पांचवीं पीढ़ी के विमानों की भी मांग की है।

भारतीय वायुसेना का कहना है कि अब पांचवीं जनरेशन के लड़ाकू विमानों की जरूरत है। इनमें रूस के सुखोई-57 और अमेरिका के एफ-35 विमान शामिल हैं। हालांकि इसको लेकर अभी कोई चर्चा नहीं शुरू हुई है। भारतीय वायुसेना का कहना है कि अगर सरकार से सरकार की डील करके राफेल खरीदे जाते हैं तो यह ज्यादा फायदेमंद होगा। साल 2016 में भारत ने 59000 करोड़ रुपये की राफेल विमानों की डील की थी। इसके बाद 36 राफेल विमानों को वायुसेना के बेड़े में शामिल किया गया था। बता दें कि 7 से 10 मई तक ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने सीमा पार आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए राफेल का इस्तेमाल किया था।

भारतीय वायुसेना का कहना है कि फ्रांस की सरकार के साथ लंबित परियोजना के तहत नए विमान खरीदे या फिर बनाए जाएं जिससे वायुसेना की ताकत में इजाफा हो सके। इस प्रोजेक्ट के तहत ज्यादातर विमान विदेशी सहयोग के साथ देश में ही बनाए जाने हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो भारतीय वायुसेना अब अपने बेड़े में देसी राफेल विमान चाहती है।इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने का पहला चरण है ऐक्सेपटेंस ऑफ नेसेसिटी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल एक या दो महीने के अंदर इसे मंजूरी दे सकती है। वायुसेना का कहना है कि जितनी जल्दी हो सके नए लड़ाकू विमान बेड़े में शामिल होने चाहिए। पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने भारतीय वायुसेना के 6 लड़ाकू विमान मार गिराए थे। हालांकि भारत ने पाकिस्तान के इन बेबुनियाद दावों को खारिज कर दिया है।

बचत खातों में न्यूनतम शेष राशि पर बोले आरबीआई गवर्नर......

इसे तय करने के लिए बैंक हैं स्वतंत्र

अहमदाबाद। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को स्पष्ट किया कि बचत खातों में न्यूनतम शेष राशि (मिनिमम बैलेंस) तय करने का अधिकार बैंकों के पास है और यह आरबीआई के नियामक दायरे में नहीं आता। गुजरात के मेहसाणा जिले के गोजरिया ग्राम पंचायत में वित्तीय समावेशन कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने यह बात कही।

आईसीआईसीआई बैंक द्वारा न्यूनतम शेष राशि की सीमा बढ़ाने के सवाल पर आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि कुछ बैंक इसे 10,000 रुपये रखते हैं, कुछ 2,000, जबकि कुछ ग्राहकों को इससे छूट भी देते हैं। उन्होंने कहा, कि यह निर्णय पूरी तरह से बैंकों पर निर्भर है। गौरतलब है कि आईसीआईसीआई बैंक ने 1 अगस्त से नए बचत खातों के लिए न्यूनतम औसत मासिक शेष राशि पांच गुना बढ़ाकर 10,000 रुपये से 50,000 रुपये कर दी है। छोटे शहरों के लिए यह सीमा 25,000 रुपये और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 10,000 रुपये कर दी गई है। वहीं, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बचत खातों में न्यूनतम बैलेंस न रखने पर पेनाल्टी न लगाने का फैसला लिया है।

यहां पर आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने डिजिटल साक्षरता की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि आज के समय में तरक्की के लिए डिजिटल ज्ञान उतना ही जरूरी है जितना पहले पढ़ाई-लिखाई थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जन-धन योजना का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाना है।

राष्ट्र-विरोधी ताकतों के दबाव में काम कर रहे राहुल गांधी - शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोपों की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी राष्ट्र-विरोधी ताकतों के दबाव में काम कर रहे हैं और इंडिया ब्लॉक लोकतंत्र को बदनाम करने की पूरी कोशिश में जुटा हुआ है। सोशल मीडिया पोस्ट में केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि राहुल गांधी और इंडिया ब्लॉक संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं। उन्होंने लिखा, राहुल गांधी राष्ट्र-विरोधी ताकतों के दबाव में हैं। राहुल गांधी और पूरा इंडिया ब्लॉक लोकतंत्र को बदनाम कर रहे हैं, उसकी धज्जियां उड़ा रहे हैं और संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा के साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं।

कृषि मंत्री चौहान ने राहुल गांधी के पुराने आरोपों का हवाला देकर कहा कि पहले उन्होंने ईवीएम पर सवाल उठाए, फिर सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद चुप हो गए, और अब बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर अराजकता

फैलाने और बार-बार झूठ बोलने का आरोप लगाया। चौहान ने कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट और कैग जैसी संस्थाओं को बदनाम किया है, और यहां तक कि सेना के पराक्रम पर भी सवाल उठाए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष की चुनावी जीत पर सवाल उठाकर कहा, मैं राहुल और इंडिया गठबंधन के नेताओं से पूछना चाहता हूं- क्या कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस मतदाता सूची में अनियमितताओं के कारण जीती? क्या तेलंगाना, तमिलनाडु और झारखंड में चुनाव आयोग की गलतियों के कारण सरकारें बनीं? क्या राहुल, प्रियंका और अखिलेश यादव भी मतदाता सूची में अनियमितताओं के कारण चुनाव जीते?

चौहान की यह टिप्पणी बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और 2024 के लोकसभा चुनावों में मतदाता धोखाधड़ी के आरोपों के खिलाफ इंडिया ब्लॉक के विरोध मार्च के बीच आई है। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और इंडिया ब्लॉक के कई अन्य सांसदों को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। हिरासत में लिए गए सांसदों को संसद मार्ग पुलिस स्टेशन ले जाया गया।

पुलिसकर्मियों द्वारा अभद्रता करने के विषय को लेकर होटल संचालकों ने नगर पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शहर के लगभग एक दर्जन से अधिक होटल, रेस्टोरेंट के संचालकों ने नगर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया। जिसमें उन्होंने बताया कि रात्रि के समय उन्हें अनावश्यक रूप से दुकान बंद किए जाने को लेकर पुलिस प्रशासन के कर्मचारी परेशान कर रहे हैं । जिस कारण वह अपना व्यवसाय सही से नहीं कर पा रहे हैं । उन्होंने रात्रि के समय होटल दुकान आदि बंद किए जाने को लेकर न्याय संगत व्यवस्था बनाए जाने की मांग नगर पुलिस अधीक्षक से की है। आपको बता दे की 11 अगस्त को शहर के लगभग एक दर्जन से अधिक होटल, रेस्टोरेंट के संचालकों द्वारा नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह को ज्ञापन दिया गया है। जिसमें रेस्टोरेंट और होटल के संचालक द्वारा बताया गया कि बीते कुछ दिनों से पुलिस द्वारा रात्रि में दुकान बंद करने के दौरान रेस्टोरेंट और होटल संचालकों से पुलिसकर्मी अभद्रता करते हैं और दुकान बंद करवाते हैं । वह चाहते हैं कि इसमें न्याय संगत व्यवहार करते हुए पुलिस अपना काम करें। इसी विषय को लेकर उन्होंने नगर पुलिस अधीक्षक को पुलिस अधीक्षक के नाम एक ज्ञापन दिया । जिसमें अभिषेक जायसवाल द्वारा बताया गया कि बीते कुछ दिनों से शहर के अलग-अलग मार्गों पर पुलिसकर्मियों द्वारा बंद रेस्टोरेंट के अंदर जाकर उनके ग्राहक और कर्मचारियों से दुकान बंद किए जाने को लेकर न्याय संगत व्यवहार नहीं किया जाता, अनावश्यक दबाव बनाते हुए दुकान बंद करवाई जाती हैं । इसकी जानकारी पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को नहीं थी । उन्होंने आज ज्ञापन देते हुए पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों तक इस जानकारी को पहुंचाने के लिए ज्ञापन दिया है। वह चाहते हैं कि वह भी नियम अनुसार ही रात्रि के समय अपनी दुकान बंद कर लेंगे। किंतु उन्हें दुकान बंद करने के दौरान अनावश्यक रूप से परेशान ना किया जाए। उनके साथ किसी प्रकार भी अभद्र व्यवहार नहीं होना चाहिए। इन्हीं सब विषय को लेकर उन्होंने नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह से चर्चा की है। जिसमें नगर पुलिस अधीक्षक ने उन्हें आश्वासन दिया है कि अब शहर में दुकान बंद करने के दौरान किसी भी प्रकार से किसी के साथ दुर्व्यवहार नहीं होगा । दुकान नियम अनुसार ही बंद करवाई जाएगी। होटल संचालक भी पुलिस की कार्यवाही में पुलिस को पूरा सहयोग करने के लिए तैयार हैं।

श्री नरेन्द्रभाई मोदी जी, मुझे ऐसा लगता है बिहार एवं उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव पश्चात ''मुखिया का चेहरा'' नया आ सकता है? जैसे म.प्र. में देखा गया था, जिस पर श्री मोदी जी एवं गृहमंत्री अमित शाह जी की गोपनीय नियमावली का हिस्सा हो सकता है।

श्री नरेन्द्रभाई मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री जी
भारत सरकार

श्री अमितभाई शाह जी
माननीय गृहमंत्री जी
भारत सरकार

डॉ0 मोहन यादव जी
माननीय मुख्यमंत्री जी
म.प्र. शासन

श्री नितिन गडकरी जी
केबिनेट मंत्री
भारत सरकार

शुभेच्छु :–
भारतीय रेल्वे बोर्ड चेयरमेन
श्री अरूणेन्द्र कुमार जी से 2014 में
पत्रकार एवं मेंबर, S.EC.R.
द.पू.म.रेल जोन बिलासपुर
और W.C.R. प.म.रेल जोन
जबलपुर **ओमप्रकाश कुकासे** चर्चा करते हुए।

65 वर्षीय वृद्धा की उसके घर मे हत्या

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले की गढ़ी थाना क्षेत्र में आने वाले ठाकुर टोला में अज्ञात हत्यारे ने एक वृद्धा की उसके घर में हत्या कर दी। 10 अगस्त की रात्रि में यह वारदात उस समय हुई जब यह वृद्धा अपने घर में अकेली थी। घटना की सूचना मिलती ही गढ़ी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतिका गोथरीन बाई पति धीरपाल धुर्वे 65 वर्ष का शव उसके घर के अंदर से बरामद किये और पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। इस वृद्धा की किस वजह से हत्या की गई अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। गढ़ी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध हत्या का अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोथरीन बाई मूल रूप से ग्राम बैजलपुर निवासी थी। जो 25-30 साल से अपने पति धीरपाल धुर्वे के साथ ठाकुर टोला में रहकर दोनों पति-पत्नी यहां की डेयरी में काम करते थेऔर दोनों यहीं पर बस गये थे। परिवार में एक बेटा और एक बेटी है बेटा हीरालाल धुर्वे की पहले ही मौत हो चुकी है जिसके दो बेटे हैं। गोथरीन बाई की लड़की की लड़की उसके पास रहती थी। किंतु शादी होने के बाद वह अपने ससुराल चली गई थी। हाल ही में गोथरीन बाई अकेली थी और उसके पति धीरपाल धुर्वे मौत हो चुकी थी। गोथरीन बाई को अपने पति और अपनी भी पेंशन मिलती थी। समय-समय पर ठाकुर टोला गोथरीन बाई के नाती आते जाते रहते थे। कुछ दिन पहले ही गोथरीन बाई ने अपने नाती सुनील धुर्वे के साथ बैंक जाकर बैंक से 30 हजार रुपये निकाल कर लाई थी। 10 अगस्त की रात्रि में गोथरीन बाई को पड़ोसी ने घर में देखे थे। 11 अगस्त को सुबह 8:00 बजे गोथरीन बाई के घर में कोई आहट नहीं होने पर मोहल्ले पड़ोस वालों ने उसके घर में जाकर देखें ।दरवाजा अध खुला हुआ था और कमरे के अंदर गोथरीन बाई की जमीन में खून से सनी हुई लाश पड़ी हुई थी। जिसकी सूचना मिलते ही गढ़ी थाना प्रभारी भूपेंद्र पन्द्रों अपने स्टाफ के साथ ठाकुर टोला पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू की। रात्रि 12:00 बजे से सुबह 6:00 से 7:00 बजे के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति ने घर में घुसकर गोथरीन बाई के सिर कनपटी में धारदार कुल्हाड़ी से वार कर उसकी हत्या कर दी। खबर मिलते ही गोथरीन बाई परिवार के लोग भी आ चुके थे। थाना प्रभारी श्री पन्द्रों ने गोथरीन बाई का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिएऔर इस वृद्धा की हत्या करने के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 103 (1) भारती न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है। दरवाजा खुला होने से गोथरीन बाई की हत्या किसी परिचित व्यक्ति द्वारा ही किए जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। आगे जांच गढ़ी थाना प्रभारी भूपेंद्र पन्द्रों द्वारा की जा रही है।

15 अगस्त को प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह बालाघाट में करेंगे ध्वजारोहण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के अवसर पर जिला मुख्यालय बालाघाट में मुख्य समारोह पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। इसमें मप्र शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री तथा बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे तथा बधाई संदेश का वाचन करेंगे।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन,
स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान,
शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि
सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.१, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट